राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 285 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,18 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

अमरिंदर सिंह ने सिखों की हत्या पर जताया दुख

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शनिवार को अमेरिका में एक फेडेक्स फैसेलिटी में एक मास शूटिंग की घटना पर दुख व्यक्त किया है, जिसमें चार सिखों सहित आठ लोगों की मौत हो गई।

ट्रेनों में फेस मास्क न लगाने पर लगेगा 500 रु जुर्माना

नई दिल्ली। देश भर में बढ़ते कोविड मामलों के मद्देनजर भारतीय रेलवे ने शनिवार को कहा कि, वह रेलवे परिसर में या यात्रा के दौरान फेस मास्क नहीं लगाने पर यात्रियों पर 500 रुपये तक का जुर्माना लगाएगा। ट्रेनों में यह छह महीने की अवधि के लिए लागू रहेगा।

लद्दाख में हुई बारिश, बर्फ से ढकी घाटी

श्रीनगर। हल्की बारिश ने मैदानी इलाकों को हरा-भरा कर दिया और शनिवार को कश्मीर और लद्दाख की पहाड़ियों पर हल्की बर्फबारी हुई। लेकिन मौसम विभाग (मेट) ने सोमवार तक मौसम में सुधार होने की संभानवा जताई है।

गोवा में भारी संख्या में टैक्सी चालकों की हड़ताल

पणजी। गोवा में पर्यटन और ट्रेवल इंडस्ट्री ने राज्य में टैक्सी ड्राइवरों की आलोचना की है, जो एक ऑनलाइन ऐप-आधारित कैब एग्रीगेटर सेवा को खत्म करने की मांग करते हुए 10 दिनों से अधिक समय से हड़ताल पर हैं।

तेलुगू अभिनेता व राजनेता पवन कल्याण हुए कोविड पॉजिटिव

हैदराबाद। तेलुगू अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए। उनके फार्महाउस में उनका इलाज चल रहा है। उनकी जनसेना पार्टी के बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई।

सीबीआई कोर्ट ने हुड्डा के खिलाफ लगाए आरोप

चंडीगढ़। पंचकूला की विशेष सीबीआई अदालत ने शनिवार को एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) प्लॉट पुनर्आवंटन मामले में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा के खिलाफ आरोप तय कर दिए।

प्रधानमंत्री ने देश में कोरोना और टीकाकरण के हालात पर बैठक की, बोले

ऑक्सीजन प्लांट तेजी से लगाएं, वैक्सीन बनाने के लिए पूरी क्षमता का हो इस्तेमाल

(एजेंसी)

नई दिल्ली। देश में कोरोना से बिगड़ रहे हालात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार रात 8 बजे अहम बैठक बुलाई। इसमें अलग-अलग मंत्रालयों के बड़े अफसर शामिल हुए। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों की जरूरतों को देखते हुए स्थानीय प्रशासन को और ज्यादा सतर्क होना पड़ेगा, ताकि महामारी पर काबू पाया जा सके। अधिकारियों के साथ बैठक में मोदी ने कहा कि कोरोना मरीजों की जांच, ईलाज का कोई विकल्प नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने अस्पतालों में कोरोना मरीजों को बेड उपलब्ध कराने के लिए तमाम जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। मोदी ने क में कहा कि देश में कोरोना दवाओं की कमी को पूरी करने कि लिए पूरी ताकत के साथ काम करने की जरूरत है। साथ ही देशभर में आक्सीजन के प्लांट तेजी से स्थापित किए जाएं। प्रधानमंत्री ने रेमडेसिविर इंजेक्शन और दूसरी जरूरी दवाइयों की उपलब्धता की समीक्षा भी की। बैठक में मोदी ने पहले से मंजूरी दिए जा चुके ऑक्सीजन प्लांट लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वैक्सीन बनाने में तेजी लाने के लिए देश में उपलब्ध क्षमता का पूरा इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इस मीटिंग को लेकर पहले अंदाजा लगाया गया था कि देश में कहीं दोबारा लॉकडाउन जैसा फैसला लेने की तैयारी तो नहीं चल रही है। हालांकि, बाद में पता चला कि प्रधानमंत्री मोदी देश में कोरोना के हालात और टीकाकरण को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

- दवाओ की हर हाल मे आपूर्ति की जानी चाहिए
- बेड उपलब्ध कराने के लिए जरूरी कदम उठाएं

हरिद्वार कुंभ तय समय से पहले ही समाप्त!

नई दिल्ली। *फिलहाल कोरोना विस्फोट से परेशान केंद्र सरकार मेला जल्द से जल्द खत्म कराना चाहती है, लेकिन वह यह नहीं चाहती कि इसके लिए कोई सरकारी निर्देश जारी किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद साधु-संतों ने हरिद्वार कुंभ को तय समय से पहले खत्म करने पर सहमति दे दी है। हालांकि कुंभ में प्रतीकात्मक तौर पर धार्मिक आयोजन होते रहेंगे। इससे पहले कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि से बात की थी। उन्होंने कुंभ में लोगों के जमावड़े को खत्म कर उसे सिर्फ प्रतीकात्मक तौर पर सीमित रखने की अपील की थी। जूना अखाड़े की तरफ से शनिवार शाम को कुंभ खत्म करने की घोषणा कर दी गई। निरंजनी और आनंद अखाड़ा पहले ही अपनी ओर से कुंभ समाप्ति की घोषणा कर चुके हैं।*

जूना अखाड़े की तरफ से कुंभ खत्म करने की घोषणा

सीडब्ल्यूसी की बैठक मे बोलीं कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी

कोरोना टीकाकरण की उम्र 25 साल करे सरकार

लॉकडाउन से गरीबो का जीवन बर्बाद हो जाएगा

- उम्र पर फिर से विचार करना जरूरी
- टीको के निर्यात पर तत्काल लगे रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि कोरोना महामारी तेजी से फैल रही है और सभी आयु वर्ग के लोग इसकी चपेट में आ रहे है, इसलिए सरकार को टीकाकरण की उम्र घटाकर 25 वर्ष करनी चाहिए। श्रीमती गांधी ने शनिवार को यहां पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार को कोरोना के फैलाव को देखते हुए टीकाकरण की उम्र पर फिर से विचार करना चाहिए और स्वास रोग, मधुमेह तथा किडनी रोग जैसी घातक बीमारियों से पीड़ित 25 साल से ज्यादा उम्र के युवकों को भी यह टीका लगाया जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा देश में कई जगह से टीका की कमी की खबरें आ रही है लेकिन सरकार साढ़े छह करोड़ से ज्यादा टीकों का निर्यात कर चुकी है। उनका कहना था कि भारत में कोरोना के सबसे ज्यादा रोगी है और उनकी संख्या को देखते हुए सरकार को इसका इस्तेमाल पहले अपने लोगों को सुरक्षा देने के लिए करना चाहिए। सोनिया गांधी ने कहा कि पिछले दिनों कोरोना की स्थिति को लेकर उन्होंने कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की थी और वहां की समस्या को प्रधानमंत्री के समक्ष उठाया लेकिन सरकार की तरफ से इस बारे में जवाब नहीं दिया।

केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर कोरोना से निपटने के प्रयास करने चाहिए और आंशिक कर्फ्यू, यातायात पर प्रतिबंध लगाने तथा लॉकडाउन जैसी स्थिति से आगे की रणनीति पर विचार करना चाहिएः सोनिया गांधी

देश में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 2.34 लाख नये मामले

नई दिल्ली। *देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी का प्रकोप दिन प्रतिदिन काफी तेजी से बढ़ता ही जा रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में रिकॉर्ड 2.34 लाख नये मामले दर्ज किए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 2,34,692 नए मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही संक्रमितों की संख्या एक करोड़ 45 लाख 26 हजार 609 हो गई है। वहीं इस दौरान रिकॉर्ड 1,23,354 मरीज स्वस्थ भी हुए हैं जिसे मिलाकर अब तक 1,26,71,220 मरीज कोरोना मुक्त भी हो चुके हैं। देश में कोरोना के सक्रिय मामले 16 लाख को पार कर 16,79,740 हो गए हैं।*

चारा घोटाले में बड़ी राहत

लालू यादव को मिली जमानत अब जेल से जल्द होंगे रिहा

- झारखंड हाईकोर्ट ने शर्तों के साथ जमानत दे दी
- लालू का दिल्ली के एम्स में चल रहा इलाज

(एजेंसी)

रांची। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को बड़ी राहत मिली है। चारा घोटाले के दुमका कोषागार से अवैध निकासी के मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने शनिवार को उन्हें शर्तों के साथ जमानत दे दी। करीब 40 माह बाद लालू प्रसाद जेल से बाहर आएंगे। फिलहाल लालू अस्वस्थ हैं और दिल्ली के एम्स में उनका इलाज चल रहा है। लालू प्रसाद के खिलाफ झारखंड में पांच मामले चल रहे थे। चार मामलों में उन्हें जमानत मिल गई है। पांचवा मामला डोरंडा कोषागार से अवैध निकासी से संबंधित है। सीबीआई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई अभी चल रही है। जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की अदालत ने लालू प्रसाद को एक लाख के निजी मुचलके, दस लाख जुर्माना जमा करने का निर्देश दिया है। लालू प्रसाद को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा। बिना कोर्ट की अनुमति के वे विदेश नहीं जा सकेंगे। उन्हें अपना मोबाइल नंबर और पता भी नहीं बदलने का निर्देश अदालत ने दिया है। लालू प्रसाद ने अपने स्वास्थ्य और दुमका कोषागार केस में मिली आधी सजा काट लेने के आधार पर जमानत मांगी थी।

2 शर्तें रखी गई

1. जमानत के दौरान लालू हाईकोर्ट से अनुमति लिए बिना देश से बाहर नहीं जाएंगे
2. वे अपना मोबाइल नंबर और पता भी नहीं बदलेंगे

चारा घोटाले के कुल 4 मामलो में दोषी है लालू

पहला मामला (चाईबासा कोषागार)
- **घोटालाः** 37.7 करोड़ रुपए
- **सजाः** मामले में 5 साल की सजा

दूसरा मामला (देवघर कोषागार)
- **घोटालाः** 84.53 लाख रुपए
- **सजाः** साढ़े तीन साल की सजा

तीसरा मामला (चाईबासा कोषागार)
- **घोटालाः** 33.67 करोड़ रुपए
- **सजाः** 5 साल की सजा

चौथा मामला (दुमका कोषागार)
- **घोटालाः** 3.13 करोड़ रुपए
- **सजाः** दो अलग-अलग धाराओ मे 7-7 साल की सजा

ऑक्सीजन पर महाराष्ट्र व केंद्र में तकरार

महाराष्ट्र में भ्रष्ट सरकार है और केंद्र लोगों को संकट के समय में मदद उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास कर रही हैः पीयूष गोयल

उद्धव ने मोदी को किया फोन, जवाब मिला बंगाल में है

प्रधानमंत्री मोदी से संपर्क करने की कोशिश की और मुझे सूचित किया गया कि प्रधानमंत्री बंगाल दौरे पर हैः उद्धव ठाकरे

मुंबई। ऑक्सीजन को लेकर महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार व केंद्र की मोदी सरकार के बीच एक बार फिर से तकराव की स्थिति बन गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कोरोना उपचार की दवा ऑक्सीजन और रेमेडिसविर की कमी की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बताया गया कि वह चुनावी दौरे पर पश्चिम बंगाल गए थे।

पं बंगाल में पांचवें चरण का मतदान संपन्न

छिटपुट हिंसा के बीच 79 फीसदी मतदान

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पांचवें चरण के चुनाव में छिटपुट हिंसा के बीच शनिवार शाम 17.45 बजे तक 79 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। चुनाव अधिकारियों के अनुसार मतदान शुरू होने के एक घंटे के भीतर उत्तर 24 परगना जिले के कमारहाटी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में एक बूथ पर भारतीय जनता पार्टी के पोलिंग एजेंट को दिल का दौरा पड़ने की घटना सामने आयी हैं। चुनाव आयोग ने भाजपा पोलिंग एजेंट के मौत की रिपोर्ट मांगी है। इसके अलावा साल्ट लेक के विधाननगर के तहत आने वाले शांतिनगर में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के कार्यकताओं ने एक-दूसरे पर पथराव किया और ईंटें फेंकी, जहां प्रतिद्वंदी पार्टियों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाया कि मतदाताओं को मतदान केन्द्र में जाने से रोका जा रहा था। नादिया के शांतिपुर में भी कुछ अप्रिय स्थिति बन गयी थी जहां केन्द्रीय बलों ने स्थिति पर काबू पा लिया है। तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार एवं राज्य के मंत्री सुजित बोस ने आरोप लगाया कि उन्हें कालिंदी में बूथ के अंदर जाने से रोका गया।

मतदान के दौरान एक पोलिंग एजेंट की मौत

जंगीपुर विस सीट पर चुनाव रद्द

कोलकाता। चुनाव आयोग ने मुर्शिदाबाद में जंगीपुर विधानसभा सीट के लिए 26 अप्रैल को होने वाले चुनाव को आरएसपी (वाम मोर्चा) उम्मीदवार प्रदीप कुमार नंदी का निधन हो जाने के कारण स्थगित कर दिया। नंदी की गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हो गई थी।

लाल किला हिंसा

दीप सिद्धु को जमानत मिलने के बाद फिर किया गया गिरफ्तार

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले पर हुई हिंसा के आरोपी दीप सिद्धु को एक बार फिर क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। दीप को लाल किले के अंदर तोड़फोड़ करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुरातत्व विभाग ने क्राइम ब्रांच में इस संबंध में मामला दर्ज करवाया था। जिसके चलते ये कार्रवाई की गई है। इससे पहले गणतंत्र दिवस पर दिल्ली के लाल किले में हुई हिंसा के मामले में दीप सिद्धु को शनिवार को ही दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने जमानत दी थी। सिद्धु को तीस हजार रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दी गई थी और शर्त थी कि वे पुलिस के बुलाने पर हाजिर होंगे, अपना पासपोर्ट जमा करवाएंगे, फोन नंबर बदलेंगे नहीं और सबूतों के साथ कोई भी छेड़छाड़ नहीं करेंगे। कृषि कानूनों के विरोध में किसान केन्द्र के खिलाफ लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इसके तहत ही 26 जनवरी को लाल किले तक ट्रैक्टर रैली निकालने का आह्वान किया गया था। इस दौरान किसानों ने दिल्ली में जमकर उपद्रव किया था और लाल किले में तोड़फोड़ की गई थी।

तोड़फोड़ के आरोप मे गिरफ्तारी

तमिल हास्य अभिनेता विवेक का निधन

- चेन्नई के अस्पताल में ली आखिरी सांस
- सीने में दर्द की शिकायत के चलते भर्ती कराया था

(एजेंसी)

नई दिल्ली। तमिल फिल्मों के जाने माने अभिनेता विवेक का शनिवार को तड़के सुबह निधन हो गया। उन्होंने चेन्नई के अस्पताल में आखिरी सांस ली। अपनी बेहतरीन कॉमेडी के लिए मशहूर अभिनेता अभी 59 साल के साथ दुनिया से विदा ले ली। बीते शुक्रवार को ही उन्हें सीने में दर्द की शिकायत के चलते चेन्नई के सिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां उनकी हालत काफी नाजुक बनी हुई थी। कहा जा रहा है कि विवेक को दिल की किसी नस में 100 प्रतिशत ब्लॉकेज के कारण दिल का दौरा पड़ा था।

कोशिशों के बाद नहीं बचाया जा सका

बहुत कोशिशों के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। विवेक के निधन से पूरी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में एक शोक की लहर छा गई है। सोशल मीडिया पर विवेक को श्रद्धांजलि दी जा रही है। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित अभिनेता ने एक से एक बेहतरीन किरदारों को पर्दे पर उतारा है। उन्होंने अपने करियर में रजनीकांत, धनुष और विक्रम जैसे सुपरस्टार के साथ किया था। अपनी शानदार अदाकारी के जरिए वह हमेशा अपने चाहने वालों के साथ जिंदा रहेंगे।

15 अप्रैल को वैक्सीन लगवाई थी

गौरतलब है कि विवेक ने 15 अप्रैल को कोरोना वैक्सीन लगवाई थी। अपने दोस्त के साथ सरकारी अस्पताल पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया था कि वो सरकारी अस्पताल में क्यों वैक्सीन ले रहे हैं। उन्होंने बताया था कि सरकारी अस्पताल में हर वर्ग के लोग पहुंचते हैं। इसकी पहुंच ज्यादा लोगों तक है। कोविड वैक्सीन सही है। इसको लगवाने के बाद आप बीमार नहीं पड़ेंगे। इसे लगवाने के बाद काफी हद तक खतरा कम हो जायेगा। 15 अप्रैल को विवेक ने वैक्सीन लगवाई और 16 अप्रैल को सीने में दर्द के कारण उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करना पड़ा है।

महामारी *देश में टीके की कमी पर बोला स्वास्थ्य मंत्रालय*

राज्यों के पास 1.58 करोड़ खुराक मौजूद

(एजेंसी)

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने आज वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए 11 राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ कोरोना वायरस की बिगड़त स्थिति पर अहम बैठक की। कांग्रेस पार्टी द्वारा देश के कुछ हिस्सों में कोरोना वैक्सीन की कमी होने के आरोपों से इतर स्वास्थ्य मंत्री ने एक बार फिर दावा किया है कि देश में वैक्सीन की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने अपने इस दावे को लेकर कुछ डाटा भी शेयर किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कई राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिसे देखते हुए वेंटीलेटर की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि देश में आज सुबह तक राज्यों को वैक्सीन की 14 करोड़ 15 लाख डोज सप्लाई की गई हैं। वेस्टेज को मिलाकर सब राज्यों ने लगभग 12 करोड़ 57 लाख 18 हजार वैक्सीन की डोज का इस्तेमाल किया है। इस समय राज्यों के पास एक करोड़ 58 लाख डोज हैं और सप्लाई के अंदर वैक्सीन की 1 करोड़ 16 लाख 84 हजार डोज हैं। वैक्सीन की कोई कमी नहीं है। भारत में लगातार दूसरे दिन रेमडेसिविर के निर्माण में तेजी लाने के लिए योजनाओं की शुरुआत करते हुए और मेडिकल ऑक्सीजन के भंडार को भी बढ़ाने के निर्देश दिए। देश में कोविड-19 महामारी के तेजी से बढ़ते मामलों के मद्देनजर पीएम नरेन्द्र मोदी ने चिकित्सा श्रेणी की ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की विस्तार से समीक्षा की और इसके उत्पादन में तेजी लाने का संकृप दोहराया।

राज्य सरकारो को राजनीति से बचने की सलाह दी

कोविड-19 के दो लाख से अधिक नए मामले सामने आए और इस बीच, केंद्र सरकार ने शुक्रवार को स्वदेशी टीके 'कोवैक्सीन' के उत्पादन को दस गुना बढ़ाकर सितम्बर तक 10 करोड़ खुराक तक पहुंचाने और एंटीवायरल दवा

कनाडा में शर्मनाक घटना:सांसद वीडियो कॉन्फ्रेंस में बिना कपड़ों के दिखे, महिला सांसद बोलीं- ये बर्दाश्त के बाहर है

ओटावा। कनाडा में एक सांसद को अपने किए पर शर्मसार होना पड़ा। यहां जूम कॉन्फ्रेंस मीटिंग में एक सांसद बिना कपड़ों के नजर आए। उन्होंने अपने प्राइवेट पार्ट को किसी तरह मोबाइल के जरिए छिपाया। उनकी इस हरकत की कनाडा में जगह-जगह निंदा हो रही है। वहां की महिला सांसद ने इस घटना को बर्दाश्त के बाहर बताया है। कनाडा के क्यूबेक से सांसद विलियम अमोस (46) सत्ताधारी लिबरल पार्टी से सांसद हैं। वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भी इस पार्टी से ही आते हैं। हालांकि, इस घटना पर अब तक उनकी कोई टिप्पणी नहीं की है। ये घटना जिस समय हुई, उस वक्त जूम ऐप पर वर्चुअल कॉन्फ्रेंस में प्रश्नोत्तर सत्र चल रहा था। कॉन्फ्रेंस के बीच जैसे ही सांसद विलियम अमोस का कैमरा ऑन हुआ, वे बिना कपड़ों के नजर आए। अचानक हुई इस घटना से सभी सांसद चौंक गए। अमोस, कनाडा और क्यूबेक के झंडे के बीच में खड़े नजर आ रहे थे। इस घटना के बाद विपक्षी पार्टी की महिला सांसद क्लाउडे बेलेफियोलि कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

शॉर्ट्स में मीटिंग अटेंड करते हैं सांसद

महिला सांसद ने कहा कि ये सब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। सांसदों को ठीक तरीके से कपड़े पहनना चाहिए। इस तरह की छोटी-छोटी बातें बताने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। खासतौर, पुरुष साथी इस बात का खयाल रखें। उन्हें टाई और जैकेट पहननी चाहिए। आए दिन ये देखने में मिलता है कि कोई सांसद शॉर्ट्स या चड्डा पहनकर ही मीटिंग में शामिल हो जाता है। बता दें कि कनाडा में सांसदों के लिए वैसे तो कोई ड्रेस कोड नहीं है, लेकिन आदमियों के लिए बिजनेस सूट, जैकेट, शर्ट और टाई पहनना अच्छा माना जाता है।

विलियम अमोस ने इस घटना के बाद सोशल मीडिया के जरिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मुझसे आज बहुत बड़ी गलती हुई है। इसके लिए मैं शर्मिंदा हूं। मेरा कैमरा गलती से खुला रह गया। मैं मीटिंग के कपड़े बदलकर जॉगिंग के कपड़े पहनने लगा। मीटिंग में शामिल सभी साथियों से मैं माफी मांगता हूं। मैं भरोसा दिलाता हूं कि दोबारा इस तरह की गलती नहीं होगी।

185 दिनों बाद पृथ्वी पर वापस लौटीं अंतरिक्षयात्री केट रुबिंस

वाशिंगटन। अंतरिक्षयात्री केट रुबिन्स अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से 185 दिनों बाद वापस पृथ्वी पर लौटीं हैं। अंतरिक्ष में सैंकड़ों घंटे बिताने के बाद अपना मिशन पूरा कर लौटी केट ने वापसी पर खुशी जताई। उन्होंने वहां से अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना वोट भी डाला था। धरती से 200 मील दूर स्पेस सेंटर नासा से केट रुबिन्स के इस कदम के बाद अमेरिका में एक चुनावी मुहिम व्हॉट्स योर एक्सक्यूज (आपका क्या बहाना है) की भी शुरुआत हुई। इस दौरान केट ने 30 नवंबर को पहली बार अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उगाई गई मूली की फसल भी काटी। नासा की ओर से इस प्रयोग का नाम प्लांट हेबिटेट-02 रखा गया था। यहां से रुबिन्स अपने घर ह्यूस्टन लौटेंगी। इसके बाद 21 अप्रैल को एक न्यूज कॉन्फ्रेंस के जरिए केट रुबिन्स अपने इस अंतरिक्ष अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी देंगी। ह्यूस्टन स्थित नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर से नासा टेलीविजन, नासा एप और एजेंसी की वेबसाइट के जरिए इस कॉन्फ्रेंस का प्रसारण किया जाएगा।

पाकिस्तान की बदहाल अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए इमरान खान ने चौथी बार बदला वित्त मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान ने करीब दो साल के कार्यकाल में चौथी बार वित्त मंत्री को बदला है और शौकत तरीन को नया वित्त मंत्री नियुक्त किया है। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान ने शौकत तरीन को नया वित्त मंत्री नियुक्त किया है। पेशे से बैंकर तरीन (68) पर देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। वह इससे पहले 2009-10 में भी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की सरकार में देश के वित्त मंत्री रहे थे। लेकिन कुछ समय के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा था।

पाकिस्तान में शौकत तरीन फिर बने वित्त मंत्री

यह स्पष्ट नहीं है कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने वाली एजेंसी नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) में उन पर चल रहे मामले जारी हैं या वे खत्म हो चुके हैं। तरीन इस्लामाबाद में सिल्क बैंक की स्थापना के लिए भी जाने जाते हैं। वह पाकिस्तान के बड़े चीनी कारोबारी जहांगीर तरीन के रिश्ते के भाई हैं, जिनके खिलाफ इमरान सरकार ने कुछ हफ्ते पहले ही चीनी घोटाले के सिलसिले में जांच शुरू कराई है। इस चीनी घोटाले के चलते देश में चीनी की किल्लत पैदा हो गई थी और उसके दाम काफी बढ़ गए थे। शौकत तरीन को हामद अजहर के स्थान पर वित्त मंत्री बनाया गया है। हामद को मार्च के अंतिम दिनों में ही डॉ. अब्दुल हफीज शेख के स्थान पर वित्त मंत्री बनाया गया था, जिन्हें महंगाई को काबू न कर पाने के चलते पद से हटाया गया था।

कोविड-19: अधिक जैव प्रयोगशालाएं बनाने के मूड में चीन

नए जैव सुरक्षा कानून को किया लागू

बीजिंग। दुनियाभर के देश कोरोना महामारी से जूझ रहे हैं। अधिकांश देश इस घातक बीमारी की उत्पत्ति के लिए चीन को जिम्मेदार मानते हैं। हालांकि, चीन को इन आरोपों से बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ता तभी तो उसने देश में अधिक जैव प्रयोगशालाओं की स्थापना और उनके सुरक्षित संचालन के लिए नए जैव सुरक्षा कानून को लागू कर दिया है।

दिसंबर 2019 में हुई थी कोविड-19 की शुरुआत

चीन पर कई देशों ने आरोप लगाया है कि दिसंबर 2019 में कोविड-19 की शुरुआत चीन के वुहान शहर से हुई थी। कई रिपोर्ट्स में यह बात कही गई है कि वुहान में स्थित जैव प्रयोगशाला से ही कोरोना वायरस की उत्पत्ति हुई थी। देखते ही देखते इस घातक वायरस ने विकराल महामारी का रूप ले लिया जिसकी चपेट में आने के कारण करोड़ों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। ऐसे में इन

प्रौद्योगिकी क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रमुख वैज्ञानिक शोध जारी रखेगा चीन

प्रयोगशालाओं को लेकर चीन द्वारा देश में लागू नए कानून से दुनियाभर के देशों की चिंता बढ़ गई है।

इस बीच चीन के विज्ञान व प्रौद्योगिकी मामलों के उप मंत्री शियांग लिबिन ने कहा कि नए जैव सुरक्षा कानून के तहत चीन अधिक से अधिक प्रयोगशालाओं के निर्माण की मंजूरी देना जारी रखेगा। एक समाचार पत्र ने शियांग के हवाले से कहा कि चीन भविष्य में संक्रामक रोगों के खिलाफ अपने जैव सुरक्षा विज्ञान व प्रौद्योगिकी क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रमुख वैज्ञानिक शोध जारी रखेगा। यह भी कहा गया है कि मंत्रालय ने चीन में तीन जैव सुरक्षा स्तर- 4 के प्रयोगशालाओं या पी 4 प्रयोगशालाओं और 88 जैव सुरक्षा स्तर- 3 प्रयोगशालाओं के निर्माण की मंजूरी परीक्षण के बाद दी है। बता दें, बायो सुरक्षा स्तर (बीएसएल) या रोगजनक/संरक्षण स्तर, जैव रोकथाम एहतियातों की कड़ी है, जिसकी जरूरत संलग्न प्रयोगशाला के आसपास खतरनाक जैविक एजेंटों को अलग करने के लिए होती है।

अमेरिका: ओसीआई कार्ड की प्रक्रिया में सुधार का भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों ने किया स्वागत

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों ने अनिवासी भारतीय (ओसीआई) कार्ड की वैधता को बनाए रखने की प्रक्रिया को सरल करने के भारत सरकार के फैसले का स्वागत किया है और कहा है कि इससे विदेशों में रहने वाले अधिक से अधिक भारतीय इस तरह की प्रक्रिया को चुन सकेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, ओसीआई कार्डधारकों को अपने कार्ड को कई बार जारी कराते रहने के मौजूदा नियम के बजाय अब 20 साल उम्र होने पर ही दस्तावेज को पुनः जारी कराना होगा। 'ग्लोबल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ पीपुल ऑफ इंडियन ओरिजिन' (जीओपीआईओ) के अध्यक्ष डॉ. थॉमस अब्राहम ने गुरुवार को मीडिया से कहा, इससे 20 से 50 साल की उम्र के कई ओसीआई कार्ड धारकों में कार्ड पुनः जारी कराने की प्रक्रिया को लेकर भ्रम दूर होगा और किसी को भी ओसीआई कार्ड पुनः जारी कराने के लिए पूरी प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा। उन्होंने कहा, इससे विदेशों में रहने वाले अधिक से अधिक भारतीयों को ओसीआई बनने का प्रोत्साहन मिलेगा तथा इससे भारत में उनकी यात्रा तथा निवेश से देश को भी लाभ होगा।

विदेशों में रहने वाले भारतीयों

में बेहद लोकप्रिय ओसीआई कार्ड उन्हें लंबे समय तक वीजामुक्त यात्रा और भारत में रहने की सुविधा प्रदान करता है। इससे कार्डधारकों को कई सुविधाएं मिलती हैं जो आम तौर पर किसी विदेशी नागरिक को नहीं मिलती हैं। भारत ने अब तक करीब 37.72 लाख ओसीआई कार्ड जारी किए हैं।

TRIPS कानून बना है रोड़ा

10 अमेरिकी सांसदों की राष्ट्रपति बाइडन से वैक्सीन उत्पादन को लेकर भारत पर से रोक हटाने की मांग

बोले - इससे कोरोना को कंट्रोल करने में मिलेगी मदद

वाशिंगटन। कोरोना कहर के बीच सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के दस अमेरिकी सांसदो ने राष्ट्रपति जो बाइडन से भारत और अफ्रीका के प्रस्ताव का समर्थन करने की मांग की है। इसमें उन्होंने कहा है कि कोरोना से बचने की वैक्सीन के उत्पादन में भारत और दक्षिण अफ्रीका का समर्थन करें। दोनों देशों ने WHO के सामने इस मांग को लेकर एक प्रस्ताव दिया है।

इन रूकवाटों को दूर करने की मांग:सीनेटर ने राष्ट्रपति से बैद्धिक संपदा जुड़ी रूकवाटें हटाने की मांग की है। यह रूकवाटें वैक्सीन के उत्पादन में रोड़ा बनी हुई है। अगर ये मांग मानी जाती है, तो भारत के प्रयासों से दुनिया में कोरोना की स्थिति कंट्रोल करने में बड़ी मदद मिलेगी। दरअसल, भारत दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। यह हर तरह की वैक्सीन बनाता

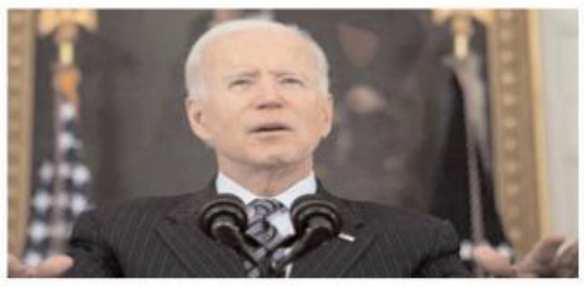

है। दरअसल, अमेरिका में द ट्रेड रिलेटेट आस्पेक्ट्स ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स है। ये अमेरिका में खोजी गई किसी दवा या अन्य किसी उत्पाद को विदेश में बनने से रोकता है।

रिपब्लिकन पार्टी के 18 सांसदों ने रोक लगाने की मांग की: वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के उलट रिपब्लिकन पार्टी के 18 सांसद इस प्रस्ताव को खारीज करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन से इस कानून को बरकरार रखने की गुजारिश की है। उन्होंने कहा है कि अगर बौद्धिक संपदा का मनमाना उपयोग हुआ तो अमेरिका बहुत नुकसान होगा। इसका असर रिसर्च कंपनियों के काम पर भी पड़ेगा।

हमला: फेडेक्स केंद्र के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग में चार सिखों समेत 8 की मौत, भारत ने जताया दुख

वाशिंगटन। अमेरिका के इंडियानापोलिस में फेडेक्स के एक केंद्र पर गोलीबारी की घटना में आठ लोगों की मौत हो गई, जिसमें चार भारतीय अमेरिकी सिख भी शामिल हैं। गुरुवार को एक अपराधी ने गोलीबारी कर यहां आठ लोगों की जान ले ली है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हो गए हैं। बंदूकधारी की पहचान ब्रांडेन स्कॉट के तौर पर हुई है और पुलिस की माने तो गोलीबारी करने के बाद बंदूकधारी ने आत्महत्या कर ली। फेडेक्स कंपनी में काम करने वाले 90 फीसदी कर्मचारी भारतीय अमेरिकी हैं और इसमें खासकर सिख समुदाय के लोग आते हैं।

विदेश मंत्री ने मदद देने की कही बात

इधर अमेरिका के इंडियानापोलिस में हुए हमले में सिख समुदाय के लोगों की मौत होने के बाद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों में भारतीय अमेरिकी सिख शामिल हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि

शिकागो में हमारा राजदूत इंडियानापोलिस में अधिकारियों और सामुदायिक नेताओं के संपर्क में हैं। उन्होंने आगे कहा कि हर संभव मदद दी जाएगी। बता दें कि पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी दी थी कि अधिकारियों को शहर के बाहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास फेडेक्स सेंटर पर फायरिंग की जानकारी मिली है। इंडियानापोलिस के प्रमुख रैंडल टेलर ने बताया कि वे इस बात की पुष्टि नहीं कर सके कि बंदूकधारी ने उन लोगों पर गोलियां क्यों चलाईं।

भारतीय मूल के हरप्रीत गिल को लगी गोली

इस हादसे में भारतीय मूल के हरप्रीत गिल को गोली लगी है। फेडेक्स में हो रही गोलीबारी के बारे में सबसे पहले ह्रप्रीत को जानकारी मिली थी। हरप्रीत ने जब भागने की कोशिश की तो उसके सर पर गोली लगी, अभी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। हरप्रीत के भाई ने इस बात की जानकारी दी।

बाइडेन प्रशासन से मदद की अपील करेगा सिख समुदाय:सिख काउंसिल ऑफ रिलीजन एंड एजुकेशन के चेयरमैन डॉ. रजवंत सिंह ने कहा कि इंडियानापोलिस में हुए हमले से बेहद आहत हैं। उन्होंने आगे कहा कि एशियाई अमेरिकियों के खिलाफ हिंसा और घृणा देखना अनिश्चित है। उन्होंने कहा कि हम बाइडेन प्रशासन से पीड़ितों के परिवार को मदद करने की अपील करेंगे।

कोरोना के नए वैरिएंट से खतरा बढ़ा

भारत में मिला वायरस का नया स्ट्रेन ब्रिटेन पहुंचा, 77 मरीज इससे संक्रमित हुए

लंदन। भारत में पाया गया कोविड-19 का नया वैरिएंट अब ब्रिटेन तक पहुंच गया है। हेल्थ अथॉरिटीज के मुताबिक, ब्रिटेन में इससे 77 लोग संक्रमित पाए गए हैं। इसे B.1.617 नाम दिया गया है और यह बहुत तेजी से फैलता है। इस वायरस की फिलहाल मेडिकल मॉनिटरिंग की जा रही है, जिसे तकनीकी तौर पर वैरिएंट अंडर इन्वेस्टिगेशन कहा जाता है। पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड ने अपने वीकली रिव्यू में इससे संबंधित जानकारी दी है। इसे वैरिएंट ऑफ कन्सर्न कैटेगरी में रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वैरिएंट सबसे पहले भारत में पाया गया था। इस वैरिएंट में लगातार बदलाव यानी म्यूटेशन होता है, लिहाजा यह जल्द पकड़ में नहीं आता। पीएचई की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्ल1.617 वैरिएंट के अब तक तीन म्यूटेशन की पहचान की गई है। तकनीकि तौर पर इन्हें E484Q,L452क्रऔर P681R नाम दिया गया है। नए वैरिएंट से अब तक 77 लोग संक्रमित पाए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सभी संक्रमितों की गहन निगरानी की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, नए स्ट्रेन में म्यूटेशन ज्यादा तेजी से होते हैं और यही वजह है कि इसके एक म्यूटेशन की पहचान हो पाती है तब तक दूसरा म्यूटेशन सामने आ जाता है। कई मामलों में देखा गया है कि यह बहुत तेजी से फैलता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को खत्म कर देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के लिए यही वैरिएंट जिम्मेदार हो सकता है। इसकी वजह से ही वहां दूसरी लहर ज्यादा घातक साबित हो रही है।

अफगानिस्तान: लंबे सहारे के बावजूद सरकार और सेना नहीं हुई मजबूत

काठमांडू। अफगानिस्तान में बचे हुए अमेरिकी सैनिकों की सितंबर में वापसी का एलान हो गया है। लंबे अरसे तक यहां मौजूद अंतरराष्ट्रीय फौज तालिबान से देश को बचाने में जुटी रही तो राजनीतिक-कूटनीतिक माध्यमों से शांति और स्थायित्व के प्रयास भी जारी रहे।

तालिबान का स्वरूप भले पहले जैसा न हो, पर विचारधारा वही

अफगानिस्तान तालिबान के लिए भी ढाई दशक पहले की तरह इस्लामी कानून लागू करना काफी हद तक असंभव है। फिर भी अफगानिस्तान में तालिबान के ट्रैक रिकॉर्ड, गृहयुद्ध की आशंका और सरकार की कमजोरियों के चलते चौतरफा भय है। अमेरिका की लंबी मौजूदगी के बावजूद आज भी वहां की सरकार व सेना बिना सहारे खड़ी नहीं रह सकती। इसी हफ्ते आई अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान को किनारे रखने के लिए अफगानिस्तान में सरकार को काफी संघर्ष करना पड़ेगा। अनुमान इसलिए भी सही है क्योंकि 1996-2001 के दौरान तालिबान ने अफगानिस्तान में दुनिया की सबसे तानाशाही सत्ता स्थापित की थी।विश्लेषक मानते हैं कि दो दशक बाद भी उसकी विचारधारा में कोई खास फर्क नहीं आया है। सामरिक विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिका की वापसी के मद्देनजर कुछ ऐसे जरूरी सवाल हैं जिनका जवाब जाने बिना अफगानिस्तान आगे नहीं बढ़ पाएगा।

अफगानी महिलाओं और अल्पसंख्यकों पर क्या असर होगा

भले ही तालिबान पुराने स्वरूप में मौजूद न हो और उसके नेताओं की बयानबाजी महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए संतुष्टिजनक नहीं है। कई तालिबानी वार्ताकार कह चुके हैं कि वे महिलाओं के हक का समर्थन सिर्फ इस्लामी कानून के तहत ही करते हैं।

स्वभावतः तालिबानी बेटियों की शिक्षा का समर्थन नहीं करते, जहां तालिबान ने सरकार से स्कूलों को लेकर समझौता किया है। वहां उसने सामाजिक विज्ञान और अंग्रेजी जैसे विषयों पर पाबंदी लगाकर धार्मिक शिक्षा जोड़ दी है। अल्पसंख्यकों को आज भी पाबंदियों में जीना पड़ा है। वे आज भी असुरक्षित महसूस करते हैं।

अमेरिका-तालिबान में फरवरी 2020 में हुए समझौते का क्या होगा?

इस समझौते के तहत तय हुई परिस्थितियों और समय के हिसाब से अमेरिका को अफगानिस्तान छोड़ना था। वहीं तालिबान को बदले में आतंकवादी और सरकार से वार्ताकारी कदम उठाने थे लेकिन इसकी पूरी तरह भरपाई नहीं हो पाई। भले ही देर में ही सही पर अमेरिका अपने वादे के अनुरूप अफगानिस्तान छोड़ रहा है।

तालिबान काबुल में काबिज सरकार को अमेरिका और साथी देशों की कठपुतली मानता है। अधिकारी मानते रहे हैं कि तालिबान का इरादा साझेदारी के बजाय ताकत, खूनखराबे के बल पर सत्ता कब्जाना है।

कुत्ते जैसे रोबोट से खौफ में अमेरिकी:हथियारबंद पुलिस के साथ बिल्डिंग से निकला रोबोट डॉग

पेरिस। एक शख्स को बाहर लाता दिखा। उस शख्स के पास एक बंदूक थी और वह एक महिला और उसके बच्चे के साथ अपार्टमेंट में छिपा था। यहां तक तो अमेरिकियों के लिए आम बात थी, लेकिन इसके बाद बिल्डिंग से जो निकला, उससे पूरे अमेरिका में हल्ला मच गया। दरअसल, पुलिस के इस दस्ते के साथ एक डॉग रोबोट अपने चार पैरों पर बाहर निकला। वह किसी ट्रेंड पुलिस डॉग की तरह लोगों और गाड़ियों से बचते हुए आगे बढ़ रहा था। ये नजारा किसी साइंस फिक्शन फिल्म जैसा था।

करीब 33 किलो वजन वाले इस रोबोट डॉग को देखकर लोग सन्न रह गए। वह कैमरों, कम्यूनिकेशन सिस्टम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस था। लोगों का कहना है कि यह रोबोट दिन-ब-दिन बढ़ती पुलिस की ताकत का प्रतीक है। पुलिस जल्द ही इसका इस्तेमाल एक हथियार के रूप में करेगी। खासतौर पर अश्वेतों और पीपल विद कलर (यानी वे लोग जो श्वेत नहीं) के खिलाफ।फ्लॉयड की हत्या के बाद से डिफंड पुलिस मुहिम

मई 2020 में पुलिस बर्बरता के चलते अश्वेत जार्ज फ्लॉयड की मौत के बाद से अमेरिका में 'डिफंड पुलिस'यानी पुलिस पर खर्च कम करने की मुहिम चल रही है। इस अभियान का मकसद पुलिस पर होने वाला खर्च कम कर उस पैसे को सामाजिक योजनाओं पर खर्च करना है।

कीमत 55 लाख, वजन 30 किलो

इस रोबोट डॉग की कीमत 74 हजार डॉलर यानी करीब 55 लाख रुपए है।

इसका वजन करीब 66 पाउंड यानी करीब 30 किलोग्राम है।

यह 14 किलो तक के उपकरण अपने साथ ले जा सकता है।

यह साढ़े तीन मील प्रति घंटे यानी करीब 5.6 किमी/घंटे की रफ्तार से चल सकता है।

आपस में भी कम्यूनिकेशन

इंट्यूटिव टैबलेट एप्लीकेशन और इन बिल्ट स्टीरियो कैमरों से इसे दूर से ही कंट्रोल किया जा सकता है।

रोबोट डॉग स्पॉट वाई-फाई के जरिए असीमित डेटा स्टोर कर सकता है।

एक से ज्यादा होने पर ये रोबोट डॉग आपस में कम्यूनिकेट भी कर सकते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चुनता है रास्ता ऊबड़-खाबड़ कच्चे रास्ते हो या सीढ़ियां। या कोई मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग, यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए सभी रास्तों को स्कैन कर फैसला लेता है। यह रोबोट डॉग इंस्पेक्शन के लिए अपना रास्ता खुद चुनकर मंजिल तक पहुंच सकते हैं।

सीढ़ियां चढ़-उतर सकते हैं।

दरवाजा खोल सकते हैं।

डांस भी कर सकते हैं।

कैमरे, थर्मल इमेजर, गैस-रेडिएशन या लेजर सेंसर से लैस

इस रोबोट डॉग को 360 डिग्री कैमरे, थर्मल कैमरे, गैस सेंसर, रेडिएशन सेंसर या लेजर स्कैनर से लैस किया जा सकता है।

इनके जरिए पानी, गैस, असामान्य आवाज, ठंडी-गर्म वस्तुओं या वातावरण, रेडिएशन का भी पता लगाया जा सकता है।

इस रोबोट डॉग के जरिए दूर से ही किसी का इंटरव्यू यानी बातचीत की जा सकती है। जैसे- अपहरणकर्ता से।

कंपनी ने बनाए दो मॉडल-एक्सप्लोरर और एंटरप्राइस

इसे बनाने वाली कंपनी बोस्टन डाइनैमिक्स ने दो मॉडल बाजार में उतारे हैं- एक्सप्लोरर और एंटरप्राइस।

एक्सप्लोरर 1000 मीटर की दूरी से मिशन को अंजाम दे सकता है, तो एंटरप्राइस के लिए ऐसी कोई सीमा नहीं है।

एंटरप्राइस मिशन के दौरान ही डॉक इथरनेट के जरिए डेटा को ऑफ लोड कर सकता है। यानी पुलिस दूर से इसके डेटा को पढ़ सकती है।

डॉग जब मेरी तरफ बढ़ा तो मैं सहम गई

जिस अपार्टमेंट बिल्डिंग में पुलिस का यह रोबोट डॉग देखा गया, उसमें रहने वाले किरायेदारों की एसोसिएशन की अध्यक्ष मेलानी औसेलो ने कहा- जब पुलिस हथियारबंद शख्स को बाहर निकालने के लिए रोबोट डॉग को लेकर पहुंची सभी एकदम चुप हो गए। वह डॉग मेरी तरफ आने लगा तो मेरा पूरा शरीर डर के मारे कांपने लगा।

अंततः हथियार के रूप में होगा इस्तेमाल

अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन का कहना है कि उचित रेगुलेशन के बिना रिमोट कंट्रोल्ड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर निर्भर ऐसे उपकरण अंततः खुद फैसले लेंगे, जो पुलिस के भेदभाव को मजबूत करेंगे।

यूनियन का कहना है कि इससे नागरिकों की निजता भी खतरे में पड़ सकती। ऐसे उपकरण अंततः हथियार के रूप में ही इस्तेमाल किए जाएंगे।

एक नजर

रमजान के बीच 30 अप्रैल तक बंद रहेगी निजामुद्दीन औलिया की दरगाह, जानें- क्यों लिया गया ये फैसला?

नई दिल्ली । रमजान के महीने के बीच में ही दरगाह निजामुद्दीन औलिया को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है. आगामी 30 अप्रैल तक दरगाह पूरी तरह से बंद रहेगी. दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ने के कारण दरगाह प्रबंधन द्वारा ये निर्णय लिया गया है. प्रबंधन का कहना है कि तमाम लोगों की सेफ्टी और जान की हिफाजत को देखते हुए दरगाह को बंद करने पर चर्चा की गई. इसके बाद सबकी सहमति पर इसे बंद रखने का फैसला लिया गया. बता दें कि दिल्ली में कोरोना ने कोहराम मचा दिया है. 24 घंटे में रिकॉर्ड 19 हजार 486 नए मामले सामने आए हैं. 141 लोगों की संक्रमण से मौत हो गई है. दिल्ली में मरने वालों का ये अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है. थोड़ी राहत ये रही कि 12 हजार 649 लोग कोरोना से ठीक होकर घर लौट गए. अब दिल्ली में एक्टिव केस 61 हजार हो गए हैं. अब तक दिल्ली में 8 लाख 03 हजार 623 केस हो गए हैं. वहीं अब तक कुल 7 लाख 30 हजार 825 लोग कोरोना से रिकवर हो चुके हैं. राजधानी में अब तक संक्रमण से 11 हजार 793 लोगों की मौत हो चुकी है.

बढ़ी मृतकों की संख्या- दिल्ली में गुरुवार को 16 हजार 699 नए मामले सामने आए थे. जबकि 112 लोगों की कोरोना संक्रमण से मौत हो गई है. एक ही दिन में 3 हजार से ज्यादा नए मामले और 29 मृतकों की संख्या बढ़ गई है. इस बीच आज से दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू लगा दिया गया है और 8661 कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं. अब दिल्ली में पॉजीटिविटी रेट बढ़कर 25.22त्न हो गया है. बता दें कि वीकेंड कर्फ्यू शुक्रवार रात 10 बजे से शुरू होगा और सोमवार सुबह 6 बजे तक रहेगा. दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल का कहना है कि मौजूदा समय में 15,048 बेड कोविड मरीजों के लिए उपलब्ध हैं. इनमें से 5,000 से ज्यादा बेड अभी खाली पड़े हुए हैं. मरीजों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर बेड की संख्या पर्याप्त करने पर काम किया जा रहा है. इसमें केंद्र सरकार के अस्पतालों में बेड की संख्या में बढ़ोतरी करना बेहद जरूरी हो गया.

रमजान के बीच 30 अप्रैल तक बंद रहेगी निजामुद्दीन औलिया की दरगाह

नई दिल्ली । रमजान के महीने के बीच में ही दरगाह निजामुद्दीन औलिया को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है. आगामी 30 अप्रैल तक दरगाह पूरी तरह से बंद रहेगी. दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ने के कारण दरगाह प्रबंधन द्वारा ये निर्णय लिया गया है. प्रबंधन का कहना है कि तमाम लोगों की सेफ्टी और जान की हिफाजत को देखते हुए दरगाह को बंद करने पर चर्चा की गई. इसके बाद सबकी सहमति पर इसे बंद रखने का फैसला लिया गया. बता दें कि दिल्ली में कोरोना ने कोहराम मचा दिया है. 24 घंटे में रिकॉर्ड 19 हजार 486 नए मामले सामने आए हैं. 141 लोगों की संक्रमण से मौत हो गई है. दिल्ली में मरने वालों का ये अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है. थोड़ी राहत ये रही कि 12 हजार 649 लोग कोरोना से ठीक होकर घर लौट गए. अब दिल्ली में एक्टिव केस 61 हजार हो गए हैं. अब तक दिल्ली में 8 लाख 03 हजार 623 केस हो गए हैं. वहीं अब तक कुल 7 लाख 30 हजार 825 लोग कोरोना से रिकवर हो चुके हैं. राजधानी में अब तक संक्रमण से 11 हजार 793 लोगों की मौत हो चुकी है.

बढ़ी मृतकों की संख्या- दिल्ली में गुरुवार को 16 हजार 699 नए मामले सामने आए थे. जबकि 112 लोगों की कोरोना संक्रमण से मौत हो गई है. एक ही दिन में 3 हजार से ज्यादा नए मामले और 29 मृतकों की संख्या बढ़ गई है. इस बीच आज से दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू लगा दिया गया है और 8661 कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं. अब दिल्ली में पॉजीटिविटी रेट बढ़कर 25.22त्न हो गया है. बता दें कि वीकेंड कर्फ्यू शुक्रवार रात 10 बजे से शुरू होगा और सोमवार सुबह 6 बजे तक रहेगा. दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल का कहना है कि मौजूदा समय में 15,048 बेड कोविड मरीजों के लिए उपलब्ध हैं. इनमें से 5,000 से ज्यादा बेड अभी खाली पड़े हुए हैं. मरीजों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर बेड की संख्या पर्याप्त करने पर काम किया जा रहा है. इसमें केंद्र सरकार के अस्पतालों में बेड की संख्या में बढ़ोतरी करना बेहद जरूरी हो गया.

होम आइसोलेशन मरीजों पर बोले सीएम केजरीवाल, कहा- बड़ी संख्या में चल रहा इनका इलाज, तुरंत मदद पहुंचायें

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोना के मरीजों का आंकड़ा हर रोज तेजी से बढ़ रहा है. राजधानी में एक्टिव मरीजों की संख्या 61,000 को पार कर गई है. ऐसे में आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो 29,705 मरीज होम आइसोलेशन हैं. होम आइसोलेशन में इतनी बड़ी संख्या में भर्ती मरीजों पर फोकस करने के लिए दिल्ली सरकार ने सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं.

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने स्वास्थ्य सेवाओं और कोविड मैनेजमेंट को लेकर की गई रिव्यू मीटिंग में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वह होम आइसोलेशन में भर्ती मरीजों पर पूरा फोकस करें. मुख्यमंत्री का कहना है कि बड़ी संख्या में होम आइसोलेशन में मरीज भर्ती हैं. इन मरीजों से डॉक्टरों की टीम को बराबर संपर्क बनाना बहुत जरूरी है.

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में अधिकतर लोग होम आइसोलेशन में अपना इलाज करा रहे हैं. उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे मरीजों से डॉक्टर नियमित रूप से संपर्क में रहें. उन्होंने कहा कि होम आइसोलेशन में रह रहे सभी मरीजों से डॉक्टर्स की टीम संपर्क करे और उन्हें ऑक्सीमीटर प्रदान करे. स्वास्थ्य विभाग यह भी सुनिश्चित करे कि होम आइसोलेशन में जाने वाले कोविड मरीजों को जल्द से जल्द मदद मिले, ताकि उनका समुचित इलाज हो सके.

श्मशान में 24 घंटे जारी है शवों का आना, बढ़ानी पड़ी कब्रिस्तान की क्षमता

नई दिल्ली । पूरे देश की तरह राजधानी दिल्ली भी कोरोना वायरस के प्रकोप से अछूती नहीं है. यहां हालात इतने खराब हो गए हैं कि श्मशान गृह और कब्रिस्तान के बाहर शवों को लेकर खड़ी एंबुलेंस की कतारें लगी हुई हैं. यहां कर्मियों ने भी माना है कि वे इतने व्यस्त कभी नहीं रहे. जनवरी और फरवरी के बाद से दिल्ली की इन जगहों पर पहुंचने वाले शवों की संख्या करीब 4 गुना तक बढ़ गई है.

लोधी श्मशान घाट पर पिछले एक दशक से अंतिम क्रियाएं करा रहे पंडित बताते हैं हालात खराब हैं. बीते 3 दिनों में श्मशान पहुंचने वाले कोविड-19 मरीजों के शवों में 90 फीसदी का इजाफा हुआ है.% पसीने में तर एंबुलेंस के एक ड्राइवर ने बताया, मैं पहले ही श्मशान में शवों को लाने के लिए अस्पताल के कई चक्कर लगा चुका हूं. मैं थक चुका हूं, लेकिन मुझे काम करना होगा, ताकि अपने परिवार को खाना खिला सकूं. मेरे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है. उन्होंने बताया कि संक्रमण से बचने के लिए सभी सावधानियों का ध्यान रख रहे हैं. ऐसे ही हाल निगमबोध घाट पर भी है. इसे दिल्ली का सबसे बड़ा श्मशान कहा जाता है. यहां कर्मी दिन-रात काम कर रहे हैं. बढ़ते मामलों के बीच यहां चिता जलाने वाली जगहों को भी 20 से बढ़ाकर 38 कर दिया गया है. नॉर्थ दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मेयर जय प्रकाश कहते हैं, प्रशासन ने लकड़ी बढ़ाने का प्रावधान किया है. साथ ही निगमबोध घाट पर अतिरिक्त लोगों को रखने पर विचार किया गया है. दिल्ली में कब्रिस्तान में क्षमताओं को दोगुना कर दिया है. कोरोना वायरस की पहली लहर के बाद से वे 24ङ्क7 काम कर रहे हैं, लेकिन अब परिवार को 2-3 घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है. दिल्ली में कोविड की स्थिति प्रतिदिन बिगड़ रही है. रोज मिलने वाले मरीजों के मामले में राष्ट्रीय राजधानी अब मुंबई से आगे निकल गई है. गुरुवार को दिल्ली में 11 हजार 652 मरीज दर्ज किए गए हैं.

दिल्ली सरकार ने किए ये उपाय- कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने मॉल, जिम, स्पा, सभागृह, एंटरटेनमेंट पार्क्स, ऑडिटोरियम को बंद करने का फैसला किया है. रेस्त्रां में बैठकर खाना खाने और 30 अप्रैल तक सिनेमाघरों को 30 फीसदी क्षमता के साथ चलाने के आदेश हैं. वहीं, वीकेंड पर कर्फ्यू रहेगा. सरकार इससे पहले ही रात 10 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लगा चुकी है.

दिल्ली पुलिस कमिश्नर बोले- कोरोना नियम तोड़ा तो होंगे गिरफ्तार, गैर-जिम्मेदाराना रवैये पर लगा वीकेंड कर्फ्यू

नई दिल्ली । राजधानी में कोरोना वायरस के स्ट्रेन के तेजी से फैलते संक्रमण के बीच वीकेंड कर्फ्यू लगाया गया है. दिल्ली पुलिस का कहना है कि राजधानी के लोग कोरोना की रोकथाम के लिए लागू इस कर्फ्यू और सरकार की गाइडलाइन का पालन करें, अन्यथा पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी. दिल्ली पुलिस के कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने बातचीत में कहा कि सरकार ने कोरोना की रोकथाम के लिए गाइडलाइन जारी किए हैं, इसके बावजूद लोग बिना मास्क लगाए सड़कों पर निकल रहे हैं. इसलिए पुलिस ने सख्ती बरतने का फैसला किया है. लोग अनुशासन में रहें और एंटी-कोविड गाइडलाइन का पालन करें. कर्फ्यू के दौरान घर में रहें. अन्यथा नियम उल्लंघन पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. नियम तोड़ने वालों को पुलिस गिरफ्तार करेगी और उन पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी.

दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू का नियम लागू होने के पहले दिन सिग्नेचर ब्रिज पर निरीक्षण करने पहुंचे कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने दिल्ली पुलिस के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों से कहा है कि वे N95 मास्क लगाएं. जो यह मास्क लगाने में असमर्थ हैं वे सर्जिकल डबल-मास्क लगाएं. उन्होंने कहा कि जिस तरह से कोरोना फैल रहा है, लोगों को अनुशासन में रहना होगा. हम सड़कों पर हैं, इसलिए ताकि फोर्स का मनोबल बना रहे. दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने कहा कि राजधानीवासियों के गैर जिम्मेदाराना रवैये की वजह से ही वीकेंड कर्फ्यू लगाने की नौबत आई है.

कर्फ्यू के दौरान भी आम लोगों की आवाजाही पर सख्त नाराजगी जताते हुए कमिश्नर ने कहा कि मेरी अपील है कि लोग कोविड को लेकर जारी नियमों को मानें. फिजूल में घरों से न निकलें. कोरोना गाइडलाइंस का पालन न करने वालों पर दिल्ली पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी, इसलिए लोग घरों में ही रहें. अगर कोई बाहर निकलता है तो उसके पास सही कारण होना चाहिए, अन्यथा पकड़े जाने पर ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया जा सकता है. पुलिस कानूनी कार्रवाई भी करेगी.

बता दें कि हाल में ही दिल्ली पुलिस कमिश्नर की पहल पर राजधानी के हर थाने में एक कोरोना हेल्थ मॉनिटरिंग सेल बनाई गई है. SHO को कहा गया है कि वह रोजाना अपने स्टाफ के साथ ब्रीफिंग कर उनकी सेहत का हाल-चाल पूछेंगे. किसी को भी जरूरत पड़ने पर मेडिकल सुविधा तुरंत मुहैया कराएंगे. दिल्ली में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान 390 से ज्यादा पुलिसकर्मियों के संक्रमित होने की खबरें आई हैं, जिसकी वजह से पुलिस सख्ती बरत रही है.

वीकेंड कर्फ्यू ने थामी दिल्ली की रफ्तार, नाइट कर्फ्यू वाले ई-पास इस बंदी में भी लागू

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर वीकेंड पर लगाए गए कर्फ्यू के चलते जनजीवन ठहर गया. इसके साथ ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को लोगों से प्रतिबंधों और नियमों का पालन करने की अपील की है. बताते चलें कि वायरस के प्रसार को रोकने के लिए शुक्रवार रात 10 बजे कर्फ्यू लगाया गया था जो सोमवार सुबह पांच बजे तक जारी रहेगा. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा कि कोरोना के कारण दिल्ली में आज और कल कर्फ्यू है. कृपया इसका पालन करें. हमें साथ मिलकर कोरोना को हराना होगा. दिल्ली में आज जगह लोगों को रोक कर उनके ई-पास या जरूरी कारण की जानकारी ले रहे हैं.

कर्फ्यू के दौरान आवश्यक सेवाओं जैसे टीका लगवाने वालों, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट इत्यादि जाने वालों और सब्जी तथा फल बेचने वालों के लिए दिल्ली सरकार और पुलिस ने ई-पास जारी किए हैं. सरकार ने कहा है कि नाइट कर्फ्यू के लिए पहले से जारी पास वीकेंड कर्फ्यू के दौरान भी मान्य होगा. पब्लिक ट्रांस्पोर्ट सेवाओं जैसे डीटीसी और क्लस्टर बस तथा मेट्रो ट्रेन में कमी की गयी है.

गौरतलब कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को सप्ताहांत में कर्फ्यू की घोषणा की थी और संक्रमण की कड़ी तोड़ने के लिए कई पाबंदियों की भी घोषणा की थी, जिसमें मॉल, जिम और ऑडिटोरियम को 30 अप्रैल तक बंद रखना शामिल है.

नई दिल्ली (आनंद राय) ।

देश भर में बढ़ते कोविड -19 मामलों के मद्देनजर लगाए गए सप्ताहांत लॉकडाउन के दौरान अक्षरधाम मंदिर पुलिस चेक पोस्ट के पास पहचान पत्र जांच का करते हुए पुलिसकर्मी।

लाल किला हिंसा में मुख्य आरोपित पंजाबी एक्टर दीप सिद्धू को राहत, दिल्ली की कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली । 26 जनवरी को दिल्ली में किसान ट्रैक्टर परेड के दौरान लाल किला पर हुई हिंसा में मुख्य आरोपित दीप सिद्धू को तीस हजारी कोर्ट ने शनिवार को जमानत दे दी है। आरोपित दीप सिद्धू जमानत याचिका पर दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने पिछली सुनवाई में फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस पर शनिवार को कोर्ट ने दीप सिद्धू की जमानत मंजूर ` का फैसला सुनाया। दीप सिद्धू को तीस हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी गई है। इसी के साथ अदालत ने दीप पर कई तरह की पाबंदी भी लगाई है, लेकिन उसे अपना पासपोर्ट जांच अधिकारी के हवाले करना होगा। हर माह की पहली और 15 तारीख को या जब भी जांच अधिकारी बुलाएं तो पेश होना होगा। उसे हर समय अपना मोबाइल फोन लोकेशन शेयर डिवाइस के साथ स्विच ऑन रखना होगा। किसी गवाह या साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ नहीं करनी है।

इससे पहले 8 अप्रैल को कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान दीप सिद्धू ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया था। यहां तक उसने यह भी कहा था कि दिल्ली पुलिस के पास कोई सबूत नहीं है, जिससे यह साबित हो कि उसने हिंसा फैलाई या फिर हिंसा को प्रोत्साहित किया था।

किसान ट्रैक्टर परेड के दौरान 26 जनवरी को हुई हिंसा के मुख्य आरोपित ने तीस हजारी अदालत में अपने बचाव में कुछ दलीलें पेश की थी। इसमें दीप सिद्धू के वकील ने कोर्ट में कहा था कि लाल किसा हिंसा को लेकर उसके खिलाफ दिल्ली पुलिस के पास कोई सबूत नहीं है। उसने यह भी दावा किया था कि उसने हिंसा के लिए लोगों को नहीं भड़काया। उसने यह भी कहा था कि किसान ट्रैक्टर परेड के लिए किसान नेताओं द्वारा आह्वान किया गया था। वकील के जरिये दीप सिद्धू ने यहां तक कहा था कि वह तो किसान यूनियन का सदस्य भी नहीं है।

कांग्रेस का केजरीवाल पर हमला, कहा-कोविड लड़ाई में एमसीडी अस्पतालों को भूले, बन सकते हैं मददगार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि केन्द्र में भाजपा की सरकार होने के बावजूद दिल्ली में भाजपा शासित दिल्ली नगर निगमों का कोविड के खिलाफ लड़ाई से दूर रहना दिल्ली की जनता से धोखा है.

उन्होंने कहा महामारी के संकट में निगमों को आगे बढ़कर निगम अस्पतालों को कोविड अस्पताल बनाना चाहिए था. चौ. अनिल कुमार ने सुझाव दिया कि जिन मरीजों के पास एक-दो कमरे है उनके लिए सामुदायिक सेन्टर, बारात घर अथवा विद्यालयों का उपयोग आइसोलेशन के लिए किया जा सकता है, क्योंकि लोगों की जान बचाना निर्वाचित सरकार की जिम्मेदारी होती है.

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि कोविड महामारी पर नियंत्रण की दिशा में अरविन्द सरकार ने वीकेंड पर कर्फ्यू लगाने में सभी जरुरी सेवाओं के लिए ई-पास जारी करने की बात तो समझ में आती है, लेकिन आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार ने दिल्ली कांग्रेस के दवाब में कुछ शराब के ठेके बंद रखकर कुछ शराब के ठेकों को खोलने की अनुमति समझ से परे है.

उन्होंने कहा कि क्या शराब की दुकानों पर लगने वाली भीड़ से कोरोना संक्रमण का खतरा नही है, या सरकार लोगों की जान पर खेलकर राजस्व कमाना चाहती है या

सरकार की नजर में शराब भी जरुरी सेवाओं की सूची में है, केजरीवाल दिल्ली की जनता को जवाब दें.

चौ. अनिल कुमार ने दिल्ली सरकार पर आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार के अस्पतालो में भारी संसाधनों और डाक्टरों नर्सों सहित पेरामेडिकल स्टाफ की कमी के चलते 14 निजी अस्पतालों को अधिक फायदा पहुंचाने की मंशा से कोविड अस्पताल घोषित कर दिया जिनमें पूर्णतः कोविड मरीजों को इलाज होगा.

मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली नगर निगम के अस्पतालों पूरी तरह नजर अंदाज कर दिया जबकि महामारी के संकट में बेडों की भारी कमी में निगम अस्पतालों की सहायता ली जा सकती थी. परंतु अंहकार के कारण बिना किसी को साथ लिए केजरीवाल कोविड की लड़ाई को अकेले ही लड़ना चाहते है, जबकि कांग्रेस पार्टी पहले ही कोविड के खिलाफ लड़ने के लिए सर्वदलीय बैठक की मांग कर चुकी है.

कुमार ने कहा कि अरविन्द सरकार के कोरोना एप द्वारा जानकारी से दिल्ली में अस्पतालों की पोल खुल चुकी है. अस्पतालों में बेड, वेंटीलेटर, नही है और स्वास्थ व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है. लगातार मुख्यमंत्री केजरीवाल द्वारा बड़ी-बड़ी घोषणाओं के बावजूद दिल्ली के सबसे बड़े अस्पताल लोक नायक अस्पताल में एक बेड पर एक से अधिक मरीजों को रखा जा रहा है.

उन्होंने ने कहा कि बिगड़ते संकट में बढ़ती कोरोना सक्रंमितों की संख्या और बढ़ती मृत्यु दर से जहां दिल्ली का दिल दहल रहा है, वहीं मुख्यमंत्री केजरीवाल घोषणा करने के अलावा कोई कारगर कदम उठाने की कार्यवाही करते नजर नही आ रहे हैं.

कुमार ने कहा कि प्लाज्मा बैंक के लिए दिल्ली सरकार विज्ञापनों पर राशि खर्च कर रही है परंतु जब मरीज को प्लाज्मा डोनर खुद ही ढूंढने पड़ रहे है. मतलब केजरीवाल के सभी वादे झूठे साबित हो रहे है.

दिल्ली में करीब 20 हजार कोरोना के मामलों के साथ सारे रिकॉर्ड टूटे, महाराष्ट्र में भी 63,700 केस

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोनावायरस के मामलों में अब तक का सबसे बड़ा उछाल आया है. राजधानी में शुक्रवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, करीब 20 हजार कोरोना के नए मामले सामने आए हैं. पिछले 24 घंटों में 19,486 नए मामले सामने आए हैं, जो एक दिन में सामने आने वाले मामलों में अब तक सबसे ज्यादा हैं. वहीं इस दौरान 141 मरीजों की मौत हुई है. दिल्ली में पहली बार एक दिन में इतने कोविड -19 मरीजों की मौत हुई है. पिछले 24 घंटों में पॉजिटिविटी रेट करीब 20 फीसदी रहा. एक्टिव मामले 61,000 के पार हो चुके हैं, जो अब तक सबसे ज्यादा हैं.

पिछले 24 घंटे में 12,649 मरीज ठीक हुए हैं. अब तक कुल 7,30,825 मरीज ठीक हो चुके हैं. अब तक कुल 11,793 कोरोना संक्रमितों की मौत हुई है. दिल्ली में 61,005 एक्टिव केस हैं. पिछले 24 घंटों में 98,957 टेस्ट हुए. अब तक कुल 1,60,43,160 टेस्ट हो चुके हैं. दिल्ली का रिकवरी रेट 90.94 फीसदी है. 7.59 प्रतिशत एक्टिव मरीज हैं. राजधानी का डेथ रेट 1.47 फीसदी है. पॉजिटिविटी रेट- 19.69 प्रतिशत है.

बताते चलें कि महाराष्ट्र में भी आज (शुक्रवार) 63,700 केस सामने आए हैं. दिल्ली में कोरोना के केस में यह सबसे बड़ा इजाफा ऐसे वक्त आया है, जब वीकेंड कर्फ्यू की शुरुआत आज रात से हो रही है. दिल्ली और महाराष्ट्र में कोरोना के मामलों की यह भयावह तस्वीर ऐसे वक्त सामने आई है, जब देश में शुक्रवार 16 अप्रैल को रिकॉर्ड 2 लाख 17 हजार से ज्यादा कोविड के नए मरीज सामने आए हैं. लगातार दूसरे दिन देश में दो लाख से ज्यादा केस मिले हैं.

दिल्ली के दयालपुर इलाके में महिला मित्र के घर पर मिला युवक का शव

नई दिल्ली । पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में एक युवक का शव पड़ोस में रहने वाली महिला मित्र के घर से बरामद हुआ। मृतक की पहचान इरफान के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार दोपहर एक बजे एक घर में शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना देने वाले ने बताया कि उसका भाई अपनी एक महिला मित्र के घर पर गया था, जहां उसका शव मिला है। पुलिस को जांच में पता चला है कि इरफान अपने परिवार के साथ न्यू मुस्तफाबाद इलाके में रहते थे। परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा है। वह खजूरी खास इलाके में जैकेट की फैक्ट्री चलाते थे। मृतक के भाई ने पुलिस को बताया कि इरफान गुरुवार रात को अपने घर नहीं गए। स्वजन को लगा कि वह फैक्ट्री में होंगे।

महिला मित्र ने ही दी सूचना

शुक्रवार सुबह 11:30 बजे इरफान की महिला मित्र ने अपने एक दोस्त को फोन करके सूचना दी कि इरफान बीमार हैं। उसने इस बात की जानकारी इरफान के स्वजन को दी। मौके पर स्वजन जब पहुंचे तो इरफान को मृत पाया।

घर में मिला बुजुर्ग महिला का शव

वहीं, न्यू उस्मानपुर इलाके में एक घर में 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान लक्ष्मी देवी के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है। केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार लक्ष्मी अपने बेटे के साथ ब्रह्मपुरी गली नंबर-10 में रहती थी। उनके परिवार में दो बेटे और दो बेटियां हैं, उनके तीन बच्चों की शादी हो गई है जो अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं। कई वर्ष पहले उनके पति की मौत हो गई थी। वह अपने बेटे संजय के साथ घर में रह रही थी। संजय मानसिक रूप से ठीक नहीं है। उसे नशा करने की आदत है। पड़ोसी ही दोनों को खाना देते थे।

गुरुवार को पुलिस को पड़ोसियों ने सूचना दी कि लक्ष्मी के घर से बदबू आ रही है। पुलिस मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़कर अंदर गई तो देखा लक्ष्मी का शव बेड पर पड़ा हुआ है, जबकि संजय दूसरे कमरे में नशे की हालत में पड़ा था। पुलिस ने बताया कि शव को देखने पर लग रहा था जैसे कई दिनों पहले लक्ष्मी की मौत हुई है। नशा करने की वजह से संजय को कुछ पता भी नहीं है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में आकस्मिक मृत्यु लग रही है।

घर को सेनिटाइज कराना है तो एमसीडी को इस नंबर पर करें मैसेज या कॉल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में कोराना के संक्रमण के बढते मामलों के मद्देनजर पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने इसकी रोकथाम के लिए कवायद तेज कर दी है. इस दिशा में एक अच्छा कदम उठाया है.

पूर्वी दिल्ली नगर निगम की ओर से अपनी वेबसाइट पर 29 डॉक्टरों की लिस्ट उनके टेलीफोन नम्बरों सहित जारी की गई है. इनसे कोराना पीड़ित कोई भी व्यक्ति सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक अपने स्वास्थ्य के बारे में परामर्श या सुझाव ले सकता है.

इसके अलावा पूर्वी निगम द्वारा एक नम्बर - 8929537939 जारी किया है जिस पर कोरोना से संबंधित शिकायतें, सुझाव दिये जा सकते हैं और यदि किसी घर में कोराना संक्रमित व्यक्ति है तो इस नम्बर पर घर सेनीटाइज करने के लिए कह सकते हैं.

बता दें कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा पूर्वी दिल्ली क्षेत्र में कोरोना संक्रमित व्यक्ति के घर को सेनिटाइज किया जा रहा है. साथ ही आस पास के क्षेत्र, मार्केट कॉम्प्लेक्स क्षेत्र को भी वाटर स्प्रिंकलर मशीन के माध्यम से सेनेटाइज्ड किया जा रहा है.

पूर्वी निगम द्वारा क्षेत्र के लोगों को कोरोना से बचाव के संबंध में जागरूक किया जा रहा है और अनावश्यक रूप घर से बाहर निकलने के लिए मना किया जा रहा है.

दिल्ली मेट्रो में यात्रा के दौरान बच्चे भी नहीं करते ये गलतियां, आप दे रहे हैं 200 रुपये फाइन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने भी कमर कस ली है। मेट्रो स्टेशन हो या फिर ट्रेन यात्रा के दौरान, डीएमआरसी शारीरिक दूरी के नियमों का पालन कराने के साथ मास्क लगाने पर कार्रवाई के तहत 200 रुपये का चालान कर रहा है। इतना ही नहीं, पीक आवर में अगर झमता से अधिक यात्री मेट्रो स्टेशन पर आने की कोशिश करते हैं तो डीएमआरसी एंट्री बंद करवा देता है। यह सिलसिला लगातार पिछले 15 दिनों से चल रहा है। इस बीच डीएमआरसी ने ताजा ट्वीट में मेट्रो कंपार्टमेंट में सलीके और नियमानुसार बैठे बच्चों की फोटो शेयर की है। साथ ही ट्वीट किया है- दिल्ली मेट्रो में सफर के दौरान कोई भी कोरोना वायरस संक्रमण के नियमों से ऊपर नहीं हैं। अगर ये बच्चे मास्क लगाने के साथ शारीरिक दूरी के नियमों का पालन कर सकते हैं तो आप क्यों नहीं?

एक सप्ताह के भीतर काटे जा रहे हैं 2000 से अधिक यात्रियों का चालान

दिल्ली मेट्रो लगातार ऐसे लोगों को चालान कर रहा है जो शारीरिक दूरी के नियम का पालन नहीं करते और मास्क नहीं लगाते हैं। दिल्ली मेट्रो में यात्रा के दौरान लोगों की लापरवाही का आलम यह है कि एक सप्ताह के दौरान औसतन 2000 लोगों को चालान किया जाता है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति से 200 रुपये फाइन के तौर पर लिए जाते हैं। ताजा मामले में डीएमआरसी ने अपने ट्वीटर हैंडल पर जानकारी दी है कि 15 अप्रैल को ऐसे 383 लोगों को 200 रुपये का चालान किया गया, जिन्होंने या मास्क नहीं पहना था या फिर शारीरिक दूरी के नियमों का पालन नहीं कर रहे थे।

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के कारण साप्ताहिक कर्फ्यू के दौरान दिल्ली मेट्रो के सभी कॉरिडोर पर मेट्रो ट्रेनों का परिचालन 15 मिनट के अंतराल पर होगा। लोग मेट्रो में ई-पास दिखाकर या साप्ताहिक कर्फ्यू में जिन्हें छूट मिली है वे सफर कर सकें। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) का कहना है कि शनिवार और रविवार को इस व्यवस्था के तहत ही मेट्रो का परिचालन होगा। वहीं, ब्लू लाइन पर यमुना बैंक से वैशाली व यमुना बैंक से नोएडा सिटी सेंटर के बीच और ग्रीन लाइन पर कीर्ति नगर से इंद्रलोक के बीच 30 मिनट के अंतराल पर परिचालन होगा। इसके बाद वीकेंड कर्फ्यू खत्म होने के बाद सोमवार को परिचालन सामान्य होगा। वैसे वीकेंड लॉकडाउन सोमवार सुबह 5 बजे समाप्त होगा।

संपादकीय

बीच चुनाव में मुख्यमंत्री का धरना

यह 1960 के दशक के आखिरी वर्षों की बात है। तब पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री अजॉय मुखर्जी थे। वह वाम मोर्चा और बांग्ला कांग्रेस की संयुक्त सरकार 'यूनाइटेड फ्रंट' की अगुवाई कर रहे थे। मगर एक दिन वह खुद ही कलकत्ता (अब कोलकाता) में इसलिए धरने पर बैठ गए, क्योंकि उनके मुताबिक, पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था काफी खराब हो चली थी। यह घटना किसी को भी अप्रत्याशित लग सकती है कि भला कोई मुख्यमंत्री अपनी ही सरकार के खिलाफ क्यों आंदोलन करेगा? लेकिन ऐसा पश्चिम बंगाल में हुआ, क्योंकि राज्य में उस समय गृह मंत्री माकपा नेता ज्योति बसु थे, जिनके और जिनकी पार्टी के साथ मुख्यमंत्री मुखर्जी की तनातनी चल रही थी। यानी, बांग्ला कांग्रेस के मुख्यमंत्री का वह माकपा के गृह मंत्री के खिलाफ धरना था।

इस घटना की याद फिर से हो आई है, क्योंकि इसी राज्य में एक मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग के खिलाफ धरना दे दिया। विधानसभा के कुरुक्षेत्र में ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि चुनाव आयोग ने उनको 24 घंटे के लिए चुनाव प्रचार से रोक दिया था। मगर इस धरने से कई सवाल उठ खड़े हुए हैं? क्या एक सांविधानिक पद पर बैठा कोई व्यक्ति किसी सांविधानिक संस्था के खिलाफ धरना दे सकता है? क्या इससे हमारी लोकतांत्रिक परंपरा कमजोर होती है? क्या इससे चुनावी लोकतंत्र के प्रति लोगों का मोहभंग होगा? या क्या ऐसी कोई घटना हमें अराजकता की ओर ले जाएगी? चुनावी रण इन उलझनों को कितना सुलझा पाएगा, यह तो वक्त के हवाले है, लेकिन कूच बिहार की घटना पूरे 'नैरेटिव' को ही बदलती दिख रही है। इसकी शुरुआत सबसे पहले किसने की, यह कहना मुश्किल है, क्योंकि सुरक्षा बलों की फायरिंग में हुई मौतों के बाद ममता बनर्जी ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाए थे कि केंद्र सरकार की शह पर गोलियां चलाई गईं। उनके ये भी सवाल थे कि पांव के बजाय गोली शरीर के ऊपरी हिस्से में क्यों मारी गई? लाठीचार्ज वगैरह क्यों नहीं किया गया? जवाब में सुरक्षा बलों ने यही कहा है कि भीड़ उनके हथियार छीनने की कोशिश कर रही थी। मगर दिलचस्प यह है कि पूरी घटना का एक भी वीडियो फुटेज किसी पार्टी ने जारी नहीं किया है। आम जनता ने भी ऐसा कोई वीडियो सोशल मीडिया पर नहीं डाला है। सीपीएम नेता इस ओर इशारा कर भी रहे हैं और पूछ रहे हैं कि जब आज हर घटना मोबाइल के कैमरे में कैद हो जाती है, तब कूच बिहार का एक भी वीडियो फुटेज क्यों नहीं सामने आ रहा? बहरहाल, ममता बनर्जी को जवाब देने खुद प्रधानमंत्री मैदान में उतर आए। उन्होंने मुख्यमंत्री को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि 'दीदी' शुरू से ही चुनावों में केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती के खिलाफ थीं, इसलिए उन्होंने आम जनता को उकसाया। आज भी वह 'घेराव' की बात कर रही हैं। नतीजतन, भाजपा और तृणमूल कांग्रेस में जबर्दस्त 'तू-तू, मैं-मैं' शुरू हो गई है। एक समय था, जब ममता बनर्जी विपक्ष की नेता के तौर पर आक्रामक राजनीति खूब किया करती थीं। एक मूक-बधिर लड़की से बलात्कार की वारदात के बाद वह उसे लेकर मुख्यमंत्री ज्योति बसु के खिलाफ 'राइटर्स बिल्डिंग' चली आई थीं। पुलिस ने उनको रोकने के लिए लाठीचार्ज किया था, जो उन दिनों की एक बड़ी घटना बन गई थी। सिंगूर, नंदीग्राम जैसे इलाकों में भी जब वाम सरकार की नीतियों के कारण लोगों को परेशानी हुई, तब ममता सामने आईं, जिनका उन्हें पर्याप्त राजनीतिक लाभ भी मिला और चुनावों में उन्होंने वाम सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया। दिलचस्प यह है कि ममता की इस आक्रामक राजनीति का जवाब दिल्ली में बैठे प्रकाश करात या सीताराम येचुरी जैसे नेता शायद ही देते थे। मगर आज जब ममता मुखर हैं, तो खुद प्रधानमंत्री और गृह मंत्री उनके खिलाफ 'काउंटर नैरेटिव' गढ़ रहे हैं। ऐसा पश्चिम बंगाल में पहले कभी नहीं हुआ था। गृह मंत्री ने तो यहां तक कहा है कि ममता बनर्जी कूच बिहार की घटना में मारे गए चार लोगों का तो जिक्र कर रही हैं, लेकिन पांचवीं मौत पर चुप हैं, क्योंकि उन्हें मृत्यु में भी तुष्टीकरण करनी है। ममता बनर्जी मतदान की शुरुआत से ही भाजपा पर हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण के आरोप लगाती रही हैं। इसीलिए उन्होंने चुनावों में 'बंगाली अस्मिता' का कार्ड खेला है और भाजपा नेताओं के खिलाफ बार-बार 'बाहरी' जैसे शब्दों को दोहरा रही हैं। यह काफी हद तक दक्षिण की तमिल राजनीति की तरह है। भाजपा इस रणनीति को बखूबी समझ रही है, इसीलिए वह भी हिंदू मत के साथ-साथ अब बंगाली अस्मिता की वकालत कर रही है। प्रधानमंत्री खुद इतना ज्यादा बांग्ला बोल रहे हैं, जितना पूर्व में किसी प्रधानमंत्री ने शायद ही बोला होगा। हालांकि, बंगाली अस्मिता को लेकर कभी यहां आमार बांगाली पार्टी का भी जन्म हुआ था, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी। तो क्या यह चुनाव 'जय श्रीराम' बनाम 'बंगाली अस्मिता' का होगा? फिलहाल ऐसा नहीं लगता, क्योंकि अब तक के चारों चरणों में कोई एक मुद्दा प्रभावी नहीं रहा है। हां, कूच बिहार की घटना के बाद जिस तरह से सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशें हो रही हैं, वे अगले चरणों में कितना असर डालेंगी, इस पर नजर बनी रहेगी। अभी बंगाल के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में मत डाले जाएंगे, जहां मुस्लिम वोट काफी ज्यादा है। मगर ये वे मुसलमान हैं, जो बांग्ला अधिक बोलते हैं, उर्दू कम। रही बात इंडियन सेक्युलर फ्रंट की, तो भाजपा की आक्रामक राजनीति के कारण मुस्लिम वोट शायद ही उसके पाले में जाते दिख रहे हैं, अलबत्ता अल्पसंख्यकों के तृणमूल के साथ जाने के अनुमान ही लगाए जा रहे हैं। ऐसे में, देखना दिलचस्प होगा कि कूच बिहार की घटना, गृह मंत्री के बयान और मुख्यमंत्री के पलटवार से जो सियासी माहौल बन रहा है, उसका कितना असर मतदाताओं पर होता है। पश्चिम बंगाल की आम जनता राजनीतिक रूप से काफी मुखर मानी जाती रही है, लेकिन फिलहाल उसने चुप्पी ओढ़ रखी है। यह 'अंडर करेंट' किसके लिए है, यह जानने के लिए हमें 2 मई का इंतजार करना होगा।

प्रवीण कुमार सिंह

एच-1 बी वीजा से पाबंदी हटने के मायने, संभावनाओं से भरपूर सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र

हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि 'डिजिटल इंडिया' और 'स्टार्ट-अप इंडिया' केवल नारा बन कर न रह जाएं। वास्तव में ये भारत में आइटी क्षेत्र के विकास की नई लहर को पैदा करने में सक्षम हो सकते हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स और डाटा एनालिटिक्स कुछ इस प्रकार की नई तकनीकें हैं, जिनमें रोजगार और कमाई की अपार संभावनाएं हैं। एक सरकारी अध्ययन के अनुसार भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के वर्ष 2025 तक एक खरब डॉलर तक पहुंच जाने का अनुमान है। जब पूरे विश्व में चौथी औद्योगिक क्रांति को लेकर अटकलें और तैयारियां चल रही हैं, ऐसे में भारत के लिए भी लगभग पांच करोड़ तकनीक सक्षम पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करने की चुनौती है।

अमेरिका में रोजगार प्राप्ति के इच्छुक लोगों को एच-1 बी वीजा प्राप्त करना आवश्यक होता है। इस वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में एच-1 बी वीजा की मांग इतनी ज्यादा रहती है कि इसे हर साल लॉटरी के जरिये जारी किया जाता है। यह वस्तुतः इमीग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट की धारा 101(ए) और 15(एच) के अंतर्गत अमेरिका में रोजगार के इच्छुक गैर-अप्रवासी नागरिकों को दिया जाने वाला वीजा है। यह अमेरिकी नियोक्ताओं को विशेषज्ञतापूर्ण व्यवसायों में अस्थायी तौर पर विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने की अनुमति देता है।

यदि पिछले दो दशकों की बात करें तो भारतीय आइटी कंपनियां अमेरिकी एच-1 बी वीजा व्यवस्था की सबसे बड़ी लाभार्थियों में से रही हैं और 1990 के बाद से प्रत्येक वर्ष जारी किए जाने वाले वीजा का एक बड़ा हिस्सा इनके खाते में ही आता है। इस वीजा का सबसे ज्यादा इस्तेमाल 50 से ज्यादा भारतीय आइटी कंपनियों के अलावा कुछ बड़ी अमेरिकी कंपनियां भी करती हैं। इस वीजा की एक खासियत यह भी है कि यह अन्य देशों के लोगों के लिए अमेरिका में बसने का रास्ता भी आसान कर देता है।

एच-1 बी वीजा भारतीय आइटी पेशेवरों के बीच भी बेहद लोकप्रिय है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की ओर से संसद में दी गई जानकारी के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में जारी किए एच-1 बी वीजा में 70 फीसद से ज्यादा भारतीयों को मिले हैं। यूएस सिटिजेनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआइएस) के अनुसार 2020-21 में एच-1 बी वीजा रजिस्ट्रेशन के लिए 2.75 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसमें से 67.7 प्रतिशत यानी करीब दो लाख आवेदन केवल भारत से हैं। वहीं, चीन से करीब 13.2 फीसद आवेदन आए हैं। इन आंकड़ों को देखकर साफ हो जाता है कि वीजा पर

प्रतिबंध हटने से सबसे ज्यादा भारतीय इंजीनियर और भारतीय कंपनियां लाभान्वित होंगी। भारतीय जीडीपी में भारतीय आइटी कंपनियों का योगदान 9.5 प्रतिशत के करीब है। ऐसे में वीजा नीति के उदार होने से भारतीय अर्थव्यवस्था को भी फायदा पहुंचेगा। पिछले साल अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में एच-1 बी वीजा एक चुनावी मुद्दा बनकर उभरा था। वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि अगर वे चुनावों में जीतते हैं तो उनका प्रशासन एच-1 बी वीजा सिस्टम में सुधार करने के साथ ही ग्रीन कार्ड के लिए 'कंट्री कोटा' भी खत्म करेगा। उस समय इन वादों को प्रभावशाली भारतीय अमेरिकी समुदाय को लुभाने की कोशिश के तौर पर देखा गया। दरअसल अमेरिका में पिछले कई वर्षों से एच-1 बी वीजा को लेकर बुद्धिजीवी वर्ग दो धड़ों में बंटा हुआ है। इसका विरोध करने वाले वर्ग का मानना है कि आइटी कंपनियां इस वीजा का गलत तरीके से इस्तेमाल करती हैं। उनकी अक्सर यह शिकायत रही है कि एच-1 बी वीजा ऐसे कुशल कर्मचारियों को जारी किया जाना चाहिए जो अमेरिका में मौजूद नहीं हैं, लेकिन कंपनियां इसका इस्तेमाल आम कर्मचारियों को रखने के लिए कर रही हैं। इन लोगों का आरोप है कि कंपनियां वीजा का इस्तेमाल कर अमेरिकियों की जगह कम वेतन पर विदेशी कर्मचारियों को रख लेती हैं। इसके चलते पिछले कुछ वर्षों में वीजा नियमों को लेकर कई अदालती लड़ाइयां भी लड़ी जा चुकी हैं।

दूसरी बात, यह पहली दफा नहीं था कि 2019 में वीजा संबंधी नीति अमेरिका में चुनावी मुद्दा बनी हो। इससे पहले भी वर्ष 2016 में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था। ट्रंप ने अपनी कई चुनावी रैलियों में इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की बात भी कही थी। अगर पिछले दो दशकों की बात करें तो अमेरिकी सरकारें, चाहे किसी भी दल की रही हो, उनकी मंशा रही है कि कंपनियां एच-1 बी वीजा का कम इस्तेमाल कर पाएं और इसलिए समय-समय पर इसकी फीस में भारी इजाफा भी किया जाता रहा है। इसी क्रम में ओबामा प्रशासन ने पहले वर्ष 2010 में और उसके बाद 2016 में एच-1 बी वीजा की फीस में भारी बढ़ोतरी की थी। इसे दो हजार से बढ़ाकर छह हजार डॉलर कर दिया गया था। अमेरिका द्वारा वीजा नियमों को कड़ा करने के पीछे कारण पिछले दो-तीन दशकों में भारत और चीन जैसे विकासशील देशों में इंटरनेट और कम लागत वाले कंप्यूटरों के आगमन के साथ ही बड़ी संख्या में स्नातकों का अपेक्षाकृत कम लागत पर अमेरिका में कार्य करने के लिए तैयार होना है। इसके चलते अमेरिका में भारत सहित कई विकासशील देशों से कम लागत पर कर्मचारी आने के कारण अमेरिका के अपने घरेलू कर्मचारियों को काम मिलना बंद हो गया, जिससे अमेरिका के स्थानीय निवासियों के बीच बेरोजगारी बढ़ने लगी। इस कारण यह बात धीरे-धीरे जोर पकड़ने लगी कि अमेरिका अपनी वीजा संबंधी नीति को कठोर बनाए। वर्ष 2016 में कार्यभार संभालने के बाद तबके राष्ट्रपति ट्रंप ने अन्य देशों से आए हुए कामगारों को अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बाधक और स्थानीय लोगों से रोजगार छीनने वाले कारक के रूप में देखा। इसके बाद 2020 में कोरोना महामारी के कारण अमेरिका में बेरोजगारी दर चार गुना हो गई तो वीजा संबंधी नियमों के प्रति कठोर रुख रखने वाले ट्रंप प्रशासन ने 31 मार्च 2021 तक इस वीजा पर प्रतिबंध लगा दिया।

अमेरिका में भारत के कुशल पेशेवरों को वीजा संबंधी मुश्किलें और चिंताएं लगातार सताती रहती हैं। वहीं दूसरी ओर, चीन आइटी क्षेत्र में अमेरिका को कड़ी टक्कर दे रहा है। भारत इस मामले में चीन से सीख सकता है। चीन ने फेसबुक और गूगल जैसी दिग्गज आइटी सेक्टर की अमेरिकी कंपनियों को ब्लॉक किया जिसका भरपूर लाभ बायडू, अलीबाबा, वीचैट और वीवो जैसी चीनी आइटी कंपनियों तथा उनकी सर्विसेज को मिला। भारत भी बड़ी अमेरिकी कंपनियों पर नियमन की दिशा में आगे बढ़े तो इसका सीधा लाभ स्थानीय टेक फर्म्स को मिलेगा। वे न केवल अपना दायरा बढ़ा सकेंगी, बल्कि देश में हजारों की तादाद में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। आज हालात ऐसे हैं कि भारत के डिजिटल विज्ञापन कारोबार पर गूगल और फेसबुक का दबदबा है। दोनों ने मिलकर बाजार के 75 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर रखा है। यह समझने की जरूरत है कि भारत अमेरिकी टेक कंपनियों की डिजिटल कॉलोनी नहीं बने रह सकता। हमें भारतीय स्टार्ट-अप को बढ़ावा देकर उन्हें इनका मुकाबला करने लायक बनाना होगा। भारत में प्रतिस्पर्धी स्टार्ट-अप का माहौल बने तो इससे उन भारतीय प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जिन्होंने सिलिकॉन वैली को खड़ा किया, पर आज खुद को पीछे मान रहे हैं। हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि 'डिजिटल इंडिया' और 'स्टार्ट-अप इंडिया' केवल नारा बन कर न रह जाएं। वास्तव में ये भारत में आइटी क्षेत्र के विकास की नई लहर को पैदा करने में सक्षम हो सकते हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स और डाटा एनालिटिक्स कुछ इस प्रकार की नई तकनीकें हैं, जिनमें रोजगार और कमाई की अपार संभावनाएं हैं। एक सरकारी अध्ययन के अनुसार भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के वर्ष 2025 तक एक खरब डॉलर तक पहुंच जाने का अनुमान है। जब पूरे विश्व में चौथी औद्योगिक क्रांति को लेकर अटकलें और तैयारियां चल रही हैं, ऐसे में भारत के लिए भी लगभग पांच करोड़ तकनीक सक्षम पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करने की चुनौती है।

रैलियां बंद हों

देश में कोरोना के नए मरीजों की संख्या 2 लाख रोजाना के रेकॉर्ड लेवल तक पहुंच गई है। 10 रोज पहले ही यह संख्या 1 लाख तक पहुंची थी। यह अभूतपूर्व तेजी है, लेकिन दुख की बात यह है कि इसे रोकने के लिए जो किया जा सकता था, वह भी नहीं हो रहा। खासतौर पर राजनीतिक दलों का रवैया अफसोसनाक है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम में विशाल चुनावी रैलियां हुईं और बाकी राज्यों की तरह पिछले 15 दिनों में वहां भी कोरोना के एक्टिव मामलों में 100 से 500 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बंगाल जहां 8 चरणों में 29 अप्रैल तक मतदान हो रहा है, वहां 30 मार्च को कोरोना के 628 नए मरीजों का पता चला था, जो 13 अप्रैल को 4,817 तक पहुंच गया। तमिलनाडु, केरल और असम में भी कोरोना के नए मरीजों की संख्या में कई गुना की बढ़ोतरी हुई है। पांच में से चार राज्यों में चुनाव हो चुके हैं, सिर्फ बंगाल में चार चरणों का मतदान बाकी है। अभी तक सिर्फ सीपीएम के नेतृत्व वाले लेफ्ट फ्रंट ने कहा है कि वह आगे से कोई बड़ी रैली नहीं करेगा।

इस बीच, पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी ने शुक्रवार को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है, जिसमें वह महामारी के दौर में चुनाव प्रचार को लेकर अपने दिशानिर्देश दोहराएंगे। वह बाकी के चरणों के चुनाव के लिए वर्चुअल रैलियों को प्रोत्साहित करेंगे। अच्छा हो कि राजनीतिक दल खुद ही पहल करके राजनीतिक रैलियां बंद कर दें, चाहे वे छोटी हों या बड़ी। वे वर्चुअल माध्यमों से चुनाव प्रचार करें। यह उनका दायित्व है और नैतिक जिम्मेदारी भी। वैसे भी जनता से उन्हें जो भी कहना था, वे कह चुके हैं। उत्तर प्रदेश के पंचायत चुनाव ने भी कोरोना संक्रमण के लिहाज से बड़ी चुनौती पेश की है, जहां गुरुवार को पहले चरण का मतदान हुआ। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह खुद कह रहे हैं कि पंचायत चुनाव और दूसरे राज्यों से कृषि मजदूरों के लौटने से स्थिति बिगड़ी है। 14 अप्रैल को यहां डेली केसों की संख्या 20 हजार पार कर गई, जो कि राज्य के लिए एक रेकॉर्ड है। पंचायत चुनाव के अभी तीन चरण बाकी हैं। अच्छा होता, अगर इन चुनावों को टाल दिया जाता।

एक और सुपर-स्प्रेडर इवेंट हरिद्वार में चल रहा कुंभ है। बुधवार को वहां तीसरा शाही स्नान था, जिसमें 14 लाख लोग शामिल हुए। यह संख्या अपने आप में इतनी बड़ी है कि इससे महामारी और बेलगाम हो सकती है। 10 अप्रैल के बाद से कुंभ में 1,278 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें 18 संत भी शामिल हैं। इस पर उत्तराखंड सरकार का रुख हैरान करने वाला है। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत कह रहे हैं कि यहां गंगा मां की कृपा है, इसलिए कोरोना नहीं फैलेगा। सत्ता में बैठे लोगों को स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ऐसी बातों से बचना चाहिए। महामारी की दूसरी लहर की मार कम करने के लिए बहुत कुछ किया जा सकता है, अच्छा हो कि सरकारें, चुनाव आयोग, राजनीतिक दल और आम लोग उस पर अमल करें।

आजादी के अमृत महोत्सव का उत्सव तभी कारगर होगा जब हाथ से मैला ढोने की कुप्रथा खत्म हो

पिछले दिनों दिल्ली के एक इलाके में सीवरटैंक की सफाई कर रहे दो मजदूरों की मौत ने एक बार फिर सभ्य समाज को शर्मसार किया। सफाई कर्मचारियों के लिए आंदोलन चला रहे विलसन इसे मृत्यु के बजाय कत्ल की संज्ञा दे रहे हैं। घटनाक्रम के अनुसार 25 मार्च की रात को सैप्टिक टैंक की सफाई करवाई जा रही थी। पुलिस जांच में पता चला कि दोनों मजदूर बगैर सुरक्षा उपकरणों के टैंक के अंदर उतरे थे। परिवार देर रात तक उनके आने का इंतजार करता रहा, लेकिन दोनों की मौत की सूचना आई। राजधानी के बीचों-बीच घटित इस घटना ने यही बताया कि सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी चेतावनियों को किस प्रकार अनदेखा किया जाता है। हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन और उनके पुनर्वास संबंधी अधिनियम, 2013 के तहत बगैर पर्याप्त सुरक्षा उपायों के सीवर या सैप्टिक टैंक के अंदर जाने पर रोक है। सैप्टिक टैंक की सफाई में 21 दिशा-निर्देशों का पालन करना आवश्यक होता है। इसमें विशेष सूट, ऑक्सीजन सिलेंडर, सेफ्टी बेल्ट आदि उपकरण शामिल हैं। इतना ही नहीं आपातकाल की स्थिति के लिए एंबुलेंस को पहले सूचित करने का प्रविधान भी है। केंद्र सरकार द्वारा आजादी के 75 वर्ष के अवसर पर अमृत महोत्सव के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने का भी यह वर्ष है। बापू अपने अंतिम दिनों में अपना अधिक समय वाल्मीकि बस्ती में गुजारा करते थे।

साबरमती आश्रमवासियों के लिए अनिवार्य शर्त थी कि सभी अपना शौचालय स्वयं साफ करेंगे। दुखद है कि गांधीजी की इस भावना को उनके सपनों के भारत में नहीं समझा गया। आए दिन सीवर की सफाई के दौरान मजदूरों की दर्दनाक मौत की सूचना देशभर से आती ही रहती है। विडंबना यह है कि जहरीले गैस चैंबरों में हो रही एक के बाद एक मौतों के विरोध में न तो कोई कैंडल मार्च निकालता है और न ही यह मुद्दा राष्ट्रीय बहस का विषय बन पाता है। शायद इसलिए कि ये घटनाएं जाति श्रेष्ठता के बोध वर्ग की संवेदनाओं को झकझोरती नहीं हैं। सांसद जया बच्चन ने ठीक ही कहा कि विकास के तमाम दावों के बीच कहां तो हम चंद्रमा तथा मंगल पर पहुंचने की बातें करते हैं, लेकिन दुखद है कि इस कुप्रथा को अभी तक समाप्त नहीं कर पाए हैं। यह पूरे देश के लिए शर्म की बात है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन काम करने वाली संस्था नेशनल सफाई कर्मचारी फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने 18 राज्यों के 170 जिलों में अगस्त 2019 में एक सर्वे किया था। सर्वे में कुल 87,913 लोगों ने खुद को मैला ढोने वाला बताते हुए रजिस्ट्रेशन कराया, जिसमें सिर्फ 42,303 लोगों को ही राज्य सरकारों ने हाथ से मैला ढोने वाले के रूप में स्वीकार किया है। केंद्र सरकार ने भी माना है कि पिछले पांच वर्षों में नालों और टैंकों की सफाई के दौरान 340 लोगों की जान गई है और इनमें से 270 लोगों को ही मुआवजा राशि प्राप्त हो पाई है। गौरतलब है कि महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव आंबेडकर ने हाथ से मैला ढोने की प्रथा का विरोध किया था। यह संविधान के अनुच्छेद 15, 21, 38 और 42 के प्रविधानों के खिलाफ है। सरकार ने संसद से दो बार इस पर कानून बनाए हैं। पहला कानून में 1993 और दूसरा 2013 में, लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए किए गए प्रयास निराशाजनक हैं। अफसोस है कि नए संशोधनों के साथ इस संबंध में लाया जा रहा नया विधेयक भी कई तरह की त्रुटियों का शिकार है। यद्यपि केंद्र सरकार ने हाथ से मैला सफाई की व्यवस्था समाप्त करने की दिशा में 1.25 लाख करोड़ रुपये की लागत से नेशनल एक्शन प्लान तैयार किया है। इसके तहत 500 शहरों समेत बड़ी ग्राम पंचायतों में भी सफाई के लिए हाईटेक मशीनों का इस्तेमाल किया जाना है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक सैप्टिक टैंकों की सफाई करने वाले मजदूरों को टीबी, हैजा जैसी गंभीर बीमारियां आमतौर पर घेरे रहती हैं। कई अवसरों पर दिहाड़ी मजदूरों को ज्यादा शराब पिलाकर भी इन टैंकों की सफाई करने में इस्तेमाल किया जाता है। पिछले 10 वर्षों में केवल मुंबई नगर निगम के 2,721 सफाई कर्मचारी मृत्यु को प्राप्त हो चुके हैं। ज्यादातर स्थानीय ठेकेदार अकुशल सफाई कर्मियों को बगैर बेल्ट एवं टॉर्च के गहरे टैंकों में उतार देते हैं। 500 से 1000 रुपये की मजदूरी पर सफाई कर्मी जहरीले चैंबरों में उतरने का जोखिम उठाते हैं, जिसमें अमोनिया, कार्बन डाईऑक्साइड, सल्फर डाईऑक्साइड गैसों से उनकी मौत हो जाती है।

स्वच्छ भारत अभियान केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, लेकिन चिंताजनक है कि इस मद के लिए इस बार के बजट में पिछले वर्ष की तुलना में कोई वृद्धि नहीं हो पाई है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक देश में शुष्क शौचालयों की संख्या लगभग 26 लाख है।

आज फासीवादी वही, जो दूसरों को फासीवादी कह रहा, भले ही बुद्धिजीवी का चोला ओढ़ ले

इस प्रयास की सफलता इसी से पता चलती है कि शोभाजी और उन जैसे सैकड़ों पीड़ितों के प्रति एक बड़े वर्ग में संवेदनशून्यता दिखती है। संघ और भाजपा की लगातार खलनायक के रूप में प्रस्तुति ही वह कारण है कि इनके कार्यकर्ताओं, समर्थकों और विधायकों तक पर हिंसा न सिर्फ आम हो गई है, बल्कि उसे सहज सामाजिक क्रिया मान लिया गया है। एक वर्ग के प्रति इतनी नफरत कि उसकी हत्या पर संवेदना भी पैदा न हो, यही फासीवाद का असल रूप है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो आज का फासीवादी वह है, जो दूसरों को फासीवादी कह रहा है। वह भले बुद्धिजीवी का चोला ओढ़ ले, पर सैकड़ों मासूमों के खून की थोड़ी बहुत जिम्मेदारी उसके सिर भी है।

हिंसा को केवल झूठ के द्वारा ही छिपाया जा सकता है और झूठ को केवल हिंसा द्वारा कायम रखा जा सकता है।' नोबेल पुरस्कार विजेता अलेक्जेंडर सोलजेनित्सिन ने यह प्रसिद्ध उक्ति यूं तो सोवियत संघ की अत्याचारी कम्युनिस्ट सरकार के संबंध में कही थी, परंतु यह किसी भी काल और समाज में पनपी तानाशाही प्रवृत्ति का लक्षण है।

एक माह पूर्व तृणमूल कार्यकर्ताओं द्वारा बेरहमी से पीटी गई 82 वर्षीय शोभा मजूमदार का पिछले दिनों बंगाल के उत्तरी 24 परगना में निधन हो गया। अपने पुत्र के साथ शोभाजी को केवल इसलिए पीटा गया, क्योंकि पुत्र गोपाल ने चुनाव में भाजपा के समर्थन का फैसला किया था। इस हमले का वृद्ध शोभाजी द्वारा मार्मिक विवरण उस राष्ट्रीय चेतना के लिए चुनौती है, जो भारत के सफल लोकतंत्र होने का गुमान रखती है। शोभाजी की मृत्यु से एक दिन पहले ही एक छोटी बच्ची का वीडियो वायरल हुआ था। उस वीडियो में चोटिल बच्ची कह रही है कि तृणमूल वालों ने उसे तब मारा, जब वह पिता को बचाने के लिए आगे आई।

बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस द्वारा जारी हिंसा शर्मनाक अध्याय के रूप में याद रखी जाएगी, परंतु तृणमूल कार्यकर्ताओं द्वारा विरोधी भाजपा समर्थकों के साथ मारपीट और लगातार हत्याएं जितनी उद्वेगकारी हैं, उतनी ही हैरानी वाली बात इन घटनाओं पर कथित भारतीय बुद्धिजीवियों की चुप्पी है। जिन बुद्धिजीवियों ने 'जय श्रीराम' जैसे अभिवादन और स्वेच्छा से दिए गए त्यागपत्रों में फासीवाद ढूंढ लिया उन्हें हाड़-मांस के मानवों की

राजनीतिक विरोध में हुई हत्याओं में निरंकुश सत्ता का बोध कभी नहीं हुआ। बावजूद इसके कि 'फासीवाद', 'तानाशाही' और 'असहिष्णुता' जैसे शब्दों का कोलाहल बीते वर्षों में पूरी तरह विमर्श पर छाया रहा है। बंगाल में त्रिलोचन महतो, सुखदेव प्रमाणिक, गणेश राय, चंद्र हलदर, रॉबिन पॉल, पूर्णचरण दास जैसी हिंसा का शिकार हुईं दर्जनों आत्माएं बुद्धिजीवियों के सहानुभूति पटल पर पंजीकृत नहीं हो पाईं।

केवल बंगाल ही नहीं, केरल, कर्नाटक में हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्याएं या महाराष्ट्र सरकार द्वारा सत्ता मद में आम नागरिकों और मीडियाकर्मियों पर ज्यादतियां या फिर दिल्ली सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में हिंदुओं की हत्याओं पर छद्म बुद्धिजीवी चुप्पी साधे रहे हैं। ऐसे घोर अतिवाद पर मौन रहकर 'बहुसंख्यकवाद', 'चुनावी अधिनायकवाद', 'एकाधिकारी राजसत्ता' जैसे ऊलजुलूल और बेईमान जुमले गढ़ ये बुद्धिजीवी लोकतांत्रिक व्यवस्था को ही कोसने लगे हैं। दरअसल 'फासीवाद' का यह बुद्धिजीवी प्रलाप सोलजेनित्सिन की बात को चरितार्थ करता है। जहां एक ओर ये बुद्धिजीवी असल हिंसा को छुपाने का प्रयास करते हैं, वहीं नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए और कृषि कानून विरोधी आंदोलन जैसे भ्रामक और उग्र विरोधों को हवा देकर हिंसा फैलाने का काम करते हैं। राजसत्ता द्वारा पोषित भारत का वामपंथी बुद्धिजीवी वर्ग जो बुद्धिजीवी कम और अभिजात्य ज्यादा है, केंद्र में सत्ता परिवर्तन के बाद से क्रोध, घृणा और क्षोभ में डूबा हुआ है। अपनी आयातित विचारधारा को भारत पर थोपने को आतुर यह वर्ग भारतीय संस्कृति और सभ्यता के पुनरुत्थान से तिलमिलाया हुआ है। स्वयं असहिष्णुता का पर्याय यह वर्ग बंगाल समेत देशभर में सत्ताधारी भाजपा और उसके समर्थकों पर हो रही हिंसा का मौन समर्थक है। ऐसा ही मौन समर्थक वह नक्सली हिंसा का भी है। कई बार तो वह इस हिंसा को जायज ठहराने की भी कोशिश करता दिखता है। मनोविज्ञान कुंठितों में मनोवैज्ञानिक प्रक्षेपण की बात करता है। यह वह रक्षात्मक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपनी खामियों और अपने दुर्व्यवहार को दूसरे पर प्रक्षेपित करता है। प्रसिद्ध मनोविज्ञानी सिग्मंड फ्रायड मानते थे कि ऐसा व्यक्ति प्रक्षेपण की प्रक्रिया में उन विचारों, प्रेरणाओं, इच्छाओं और भावनाओं को बाहरी दुनिया में रखकर किसी और को उनके लिए जिम्मेदार ठहरा देता है, जिन्हें उसे अपने व्यवहार में स्वीकार करना असहज होता है।

स्वयंभू प्रगतिवादी वामपंथी बुद्धिजीवियों में मनोवैज्ञानिक प्रक्षेपण को समूह स्तर पर देखा जा सकता है। झूठ और मक्कारी से भरे इनके व्यवहार में प्रति पल उलट प्रक्षेपण दिखता है। ये धुर सांप्रदायिक नीतियों और शक्तियों का समर्थन करते हैं और दूसरों को सांप्रदायिक बताते हैं। ये विशेष राजनीतिक दलों के क्रियाकलापों पर मौन साधकर अन्य पत्रकारों को गोदी मीडिया कहकर संबोधित करते हैं। बड़ी सरलता से हिंसा और तोड़फोड़ को जनतांत्रिक प्रदर्शन और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को चुनावी अधिनायकवाद बता देते हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शरारतपूर्ण और झूठे प्रोपेगेंडा चलाने के बाद यदि कभी कोई एजेंसी हल्की कार्रवाई कर दे तो उसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दमन से जोड़ देते हैं। वहीं दूसरे पक्ष की अभिव्यक्ति चाहे वह ऐतिहासिक साक्ष्यों या मजहबी पुस्तकों पर आधारित हो, उसे हेट स्पीच बताते हैं। इनकी दुनिया में सिद्धांतों की नहीं, समूहों और दलों की प्रधानता है। इनकी नैतिकता राज्यसत्ता और पीड़ित की सामाजिक-राजनीतिक पृष्ठभूमि देख जागृत होती है। राजसत्ता द्वारा शासकीय तंत्र का विरोधियों एवं आम नागरिकों के दमन के लिए प्रयोग फासीवाद का मूल सिद्धांत है। भारतीय छद्म बुद्धिजीवी इसी राज्य प्रायोजित तानाशाही को छोड़कर काल्पनिक क्रियाओं या यकायक हुए अपराधों में शब्दाडंबर द्वारा कृत्रिम फासीवाद का निर्माण करते हैं।

इनके प्रयासों का चुनावी राजनीति पर उतना फर्क न पड़े, परंतु एक बड़े वर्ग की नैतिकता पर इसका प्रभाव पड़ा है। इस प्रयास की सफलता इसी से पता चलती है कि शोभाजी और उन जैसे सैकड़ों पीड़ितों के प्रति एक बड़े वर्ग में संवेदनशून्यता दिखती है। संघ और भाजपा की लगातार खलनायक के रूप में प्रस्तुति ही वह कारण है कि इनके कार्यकर्ताओं, समर्थकों और विधायकों तक पर हिंसा न सिर्फ आम हो गई है, बल्कि उसे सहज सामाजिक क्रिया मान लिया गया है। एक वर्ग के प्रति इतनी नफरत कि उसकी हत्या पर संवेदना भी पैदा न हो, यही फासीवाद का असल रूप है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो आज का फासीवादी वह है, जो दूसरों को फासीवादी कह रहा है। वह भले बुद्धिजीवी का चोला ओढ़ ले, पर सैकड़ों मासूमों के खून की थोड़ी बहुत जिम्मेदारी उसके सिर भी है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

चालू रहेंगी औद्योगिक इकाइयां, विवाह समारोह में हो गाइडलाइन का पालन

लखनऊ । कोरोना वायरस संक्रमण के कारण शनिवार रात आठ बजे से उत्तर प्रदेश में 35 घंटे के वीकेंड कर्फ्यू के दौरान औद्योगिक इकाइया चालू रहेंगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को टीम-11 के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद अधिकारियों को लॉकडाउन के साथ ही 35 घंटे के कर्फ्यू को लेकर कुछ निर्देश दिए है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश है कि उत्तर प्रदेश में शनिवार रविवार को सभी औद्योगिक इकाइया चालू रहेंगी। इस दौरान वहां के प्रबंधन को कर्मियों की देखरेख करनी होगी। इसके साथ ही शनिवार व रविवार को शादियां बंद स्थानों के अंदर 50 व्यक्तियों के प्रतिबंध और खुले स्थानों पर 100 व्यक्तियों के साथ हो सकेंगी। प्रदेश में कई केंद्र पर होने वाली सभी परीक्षाओं जैसे एनडीए आदि के अभ्यर्थी एडमिट कार्ड दिखा जा कसेंगे। इसके साथ ही रोडवेज बसों को भी 50 प्रतिशत की क्षमता के साथ चलाया जाएगा। जिससे फैक्ट्रियों में जाने वालों के साथ ही परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

प्रदेश में वीकेंड लॉकडाउन और 35 घंटे के नाइट कर्फ्यू के दौरान भी औद्योगिक इकाइया चालू रहेंगी। सभी औद्योगिक इकाइयों को चलाने और उनके कर्मी को कार्यस्थल तक आने जाने की छूट रहेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ का निर्देश है कि सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कोविड सुरक्षा के उपायों को लागू कराया जाए।

इस पर भी ध्यान दिया जाए कि विभिन्न औद्योगिक संस्थानों में कार्यरत श्रमिकों को रहने व भोजन आदि की कोई असुविधा न हो। इसके साथ ही साथ फील्ड में तैनात सभी पुलिसकर्मी, चिकित्साकर्मी तथा स्वच्छताकर्मी मास्क एवं ग्लब्स का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

देश भर में कोविड -19 मामलों में वृद्धि के बीच, हटिया रेलवे स्टेशन के बाहर विशेष ट्रेन से महाराष्ट्र से रांची आने वाले प्रवासि।

संक्षिप्त खबर

महिला ने नाबालिग लड़की की जबरन कराई थी शादी, कोर्ट ने पति को दुष्कर्म का दोषी मानते हुए सुनाई दस साल के कारावास की सजा

बरेली । स्पेशल जज पॉक्सो कोर्ट ने दुष्कर्म के दोषी को शुक्रवार को दस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वारदात थाना सीबीगंज क्षेत्र की है। वादी की 14 वर्षीय पुत्री मनीषा के यहां कारचोबी सीखने जाती थी।26 अगस्त 2016 को मनीषा पीड़िता को बहलाकर ले गई और उसने बहेड़ी निवासी हरेंद्र से शादी करा दी। बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपित पीड़िता का पति है और उनके दांपत्य से आठ माह की बच्ची भी है।

सरकारी वकील हरेंद्रपाल सिंह राठौर ने कोर्ट में मजबूत साक्ष्य पेश किया। स्पेशल जज पॉक्सो कोर्ट-तृतीय अनिल कुमार सेठ ने मोहल्ला कानूनगोयान कस्बा बहेड़ी निवासी हरेंद्र को दस साल व दोषी मनीषा को पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषियों पर 26 हजार रुपये जुर्माना भी ठोंका है। जुर्माने की कुल रकम पीड़िता को दी जाएगी। एक अन्य आरोपित सुमित को कोर्ट ने संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया।

11 हजार वोल्ट का तार गिरने से दुकानदार की मौत, विरोध में सड़क जाम

समस्तीपुर । मुफस्सिल थानाक्षेत्र के चांदोपट्टी स्थित बम्मा फैक्ट्री के निकट 11 हजार वोल्ट बिजली के धारा प्रवाहित टूटे तार में झुलस कर 45 वर्षीय एक दुकानदार की मौत। मृतक की पहचान गांव के 05 निवासी अशोक साह के रूप में हुई है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने समस्तीपुर-ताजपुर मार्ग में बांस बल्ला लगाकर जाम कर दिया। प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना पर दलबल के साथ स्थानीय पुलिस व विद्युत विभाग के सहायक अभियंता ग्रामीण अबू खालिद ने घटनास्थल पर पहुंच कर जायजा लिया। सहायक अभियंता ने आश्रितों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। चांदोपट्टी के अशोक साह ने बम्मा फैक्ट्री के निकट चाय नाश्ते की अपनी दुकान खोल रखी थी।

हर रोज की तरह शनिवार अहले सुबह दुकान खोलने पहुंचे। दुकान के पास से ही 11 हजार वोल्ट की एक धारा प्रवाहित तार टूट कर नीचे गिरा था। इस ओर उसका ध्यान नहीं गया। टूटे तार में झुलसकर मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग को सूचना देकर लाइन बंद कराया। इधर, घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने समस्तीपुर-ताजपुर मुख्य मार्ग में बांस बल्ला लगाकर जाम कर दिया। लोगों का कहना था कि विद्युत विभाग की लापरवाही से मौत हुई। आश्रितों को मुआवजे की मांग की। विद्युत अभियंता के आश्वासन बाद जाम समाप्त हुई। इधर, करीब एक घंटे तक जाम के कारण सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। इसके कारण राहगीरों को कठिनाई का सामना करना पड़ा। घटना को लेकर मृतक के घर कोहराम मचा है।

चंडीगढ़ की वुमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर सोसायटी ने जरूरतमंद महिलाओं को बांटा राशन

चंडीगढ़ । कोरोना काल में एक बार फिर वुमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर सोसायटी सेक्टर -45 की ओर से जरूरतमंद लोगों को राशन दिया गया। सोसायटी ने शुक्रवार को सेक्टर 45 में आयोजित एक कार्यक्रम में शहर की 11 जरूरतमंद महिलाओं को एक महीने का राशन बांटा। सोसायटी की प्रेसिडेंट पूजा बक्शी ने जरूरतमंद महिलाओं को आटा, चावल, चीनी के साथ ही राशन की कई अन्य जरुरतमंद वस्तुएं प्रदान की। सोसायटी की ओर से कोरोना काल में लोगों की मदद की जा रही है। पूजा ने कहा कि पिछले वर्ष भी जरूरतमंद लोगों की बड़ी संख्या में मदद की गई थी। इस काम के लिए उनकी संस्था ने प्रशासन की भी मदद की थी। शहर में बने कंटेनमेंट जोन में जाकर उन्होंने और संस्था के सदस्यों ने बच्चों के लिए काफी कार्य किया था। उसके अलावा संस्था के तहत चलने वाले सिलाई सेंटर में काम कर रही महिलाओं ने बड़ी संख्या में मास्क बनाकर लोगों के अलावा प्रशासन को भी दिए थे। लॉकडाउन लगने के बाद शहर से पलायन करने को मजबूर दूसरे राज्यों के मजदूरों की भी मदद की थी। संस्था की ओर से इन लोगों को न केवल मास्क बांटे गए बल्कि राशन और पक्के खाने के डिब्बे भी वितरित किया गए थे। इसके अलावा उन्होंने शहर में महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए काफी मेहनत की है और कर रही हैं। पूजा को प्रशासन की ओर से उनके समाजिक कार्यों को देखते हुए गणतंत्र दिवस पर सम्मानित किया जा चुका है। पूजा बख्शी ने कहा कि कोरोना काल में हर व्यक्ति का दायित्व है कि वह जरुरतमंद लोगों की मदद करें। आयोजित समारोह में रवि सरीन और एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी अजय कुमार गुप्ता, सुदेश के अलावा रीटा रानी भी मौजूद थी।

लुधियाना में गुरजिंदर सिंह डीएवी एवं राहुल रामगढ़िया कॉलेज स्टूडेंट इंसाफ मोर्चा के प्रधान बने

लुधियाना । लोक इंसाफ पार्टी के विद्यार्थी विंग के स्टूडेंट इंसाफ मोर्चा पंजाब के प्रधान हरजाप सिंह गिल ने जत्थेबंदी को मजबूत करते हुए गुरजिंदर सिंह को डीएवी कालेज एवं राहुल को रामगढ़िया कालेज का प्रधान नियुक्त किया। इस अवसर पर लोक इंसाफ पार्टी के हलका पूर्वी के प्रधान गुरजोध सिंह गिल खास तौर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर हरजाप सिंह गिल ने कहा कि पंजाब के लोग पार्टी की जनहितैषी नीतियों एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही लड़ाई से प्रभावित होकर पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं। सूबे में पारंपरिक पार्टियों को जनता कई बार आजमा चुकी है। दोनों पार्टियों से निराश एवं नाराज होकर ही लोग तीसरे विकल्प की तलाश कर रहे हैं। हरजाप सिंह गिल ने ऐलान किया कि जल्दी ही स्टूडेंट इंसाफ मोर्चा का हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाएगा। ताकि विद्यार्थी अपनी समस्याओं का हल करवा सकें। इस अवसर पर गुरजिंदर सिंह एवं राहुल ने पार्टी हाई कमांड को भरोसा दिलाया कि उनको जो जिम्मेदारी सौंपी गई है,उसका तनदेही से निर्वाह करेंगे। लोक इंसाफ पार्टी को जन जन तक पहुंचाया जाएगा। इस मौके पर सुखविंदर सिंह, रमनदीप सिंह, दया शंकर, संजीव कुमार, कर्मवीर हनी, मनोज कुमार, वरिंदर कुमार, राहुल चोपड़ा, परमवीर, सन्नी पटेल समेत कई लोग उपस्थित रहे।

अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल व लखनऊ के डीएम अभिषेक प्रकाश भी संक्रमित

लखनऊ । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी स्ट्रेन उत्तर प्रदेश में अब जरा सा भी रहम नहीं दिखा रही है। प्रदेश में रोज पांच हजार से अधिक नए संक्रमित आने से स्थिति नियंत्रण से बाहर जाती दिख रही है। उत्तर प्रदेश शासन में अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल भी कोरोना संक्रमण की चपेट में हैं। इनके साथ लखनऊ के डीएम अभिषेक प्रकाश भी संक्रमित हैं। जब लखनऊ की स्थिति सबसे खराब तो तब जिलाधिकारी का संक्रमित होना और अधिक भयभीत करने वाला पल हो गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हर अवसर पर दिखने वाले नवनीत सहगल कोरोना संक्रमण की चपेट में हैं। अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने गुरुवार को शुरुआती लक्षणों पर कोरोना वायरस संक्रमण की जांच कराई थी। पांच अप्रैल को पत्नी के साथ वैक्सीन की पहली डोज लेने वाले नवनीत सहगल की टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। फिलहाल वह होम आइसोलेशन में हैं। लखनऊ के डीएम अभिषेक प्रकाश भी कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। उनकी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। कोरोना पॉजिटिव प्रदेश के पुलिस महानिदेशक हितेश चंद्र अवस्थी के साथ ही एडीजी कमल सक्सेना व ज्योति नारायण, डीआईजी सिक्योरिटी डॉक्टर सुनील गुप्ता और एसएसपी बुलंदशहर व बरेली होम आइसोलेशन में हैं।

डॉ. रोशन जैकब को लखनऊ के डीएम का चार्ज अभिषेक प्रकाश के परिवार के साथ कोरोना वायरस संक्रमण के चपेट में आने के बाद आईएएस अफसर रोशन जैकब को लखनऊ के जिलाधिकारी का चार्ज दिया गया है।

अभिषेक प्रकाश होम आइसोलेशन में हैं। लखनऊ का चार्ज सचिव स्तर की अधिकारी 2004 बैच की आईएएस रोशन जैकब को दिया गया है। उन्होंने लखनऊ की कमान संभाल ली है।

दुधवा में कोरोना का खतरा बढ़ा- कर्तिनयाघाट डीएफओ की कोरोना से मौत के बाद वन विभाग ने वहां पर सभी कर्मचारियों को जांच कराने के निर्देश दिए हैं। दुधवा के निदेशक ने ने खुद को आइसोलेट करने के साथ ही सभी वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

झांसी में पंचायत चुनाव के दौरान कार्रवाई के विरोध में भाजपा विधायक लामबंद, धरना पर बैठे जवाहर

झांसी । उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव में पहले चरण के मतदान के दौरान 15 अप्रैल को पुलिस की कार्रवाई के विरोध में सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी के विधायक धरने पर बैठे हैं। पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ नवाबाद थाने के बाहर जमीन पर बैठे गरौठा से विधायक जवाहर सिंह राजपूत को बबीना से विधायक राजीव सिंह पारीछा भी समर्थन दे रहे हैं।

नवाबाद थाना के बाहर ही जमीन पर बैठे गरौठा से भारतीय जनता पार्टी के विधायक जवाहर राजपूत को पुलिस के साथ ही एलआइयू की टीम मनाने में जुटी है। वहां पर झांसी के एसएसपी का इंतजार किया जा रहा है। भाजपा विधायक पंचायत चुनाव के दौरान अपने समर्थकों पर हुई गलत कार्रवाई के विरोध में धरना पर बैठे हैं। इसी बीच उनके समर्थक भी थाना में एकत्र हो रहे हैं।

झांसी में मोठ ब्लाक में 15 अप्रैल को जिला पंचायत चुनाव में मतदान के दौरान पुलिस के दतावली गांव में बूथ कैप्चरिंग करने वालों को संरक्षण देने तथा गलत लोगों को गिरफ्तार करने के खिलाफ गरौठा के विधायक जवाहर राजपूत नवाबाद थाने में धरना पर बैठे हैं। इसके पहले उन्होंने जिलाधिकारी आन्द्रा वामसी को पुलिस की कार्रवाई की जानकारी देने के साथ ही अपना विरोध भी जताया था।

पंचायत चुनाव में मतदान के दौरान झांसी के दतावली में जबरदस्त वबाल हुआ था। वहां पर मतदान पार्टी पर हेराफेरी का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने हमला कर दिया था। इस मामले में शुक्रवार को कुछ लोग ज्ञापन देने विधायक जवाहर सिंह राजपूत के पास कचहरी आए थे। विधायक का आरोप है कि एसओजी टीम ने इनमें से कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इतना ही नहीं विधायक से मिलने आए लोगों को भी उठा लिया है। झांसी में पुलिसिया कार्रवाई के विरोध में जवाहर सिंह राजपूत के समर्थन में बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा भी बबीना थाना पहुंचे। राजीव सिंह पारीछा भी कल रात में विधायक जवाहर सिंह राजपूत के साथ जिलाधिकारी से मिले थे।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस भी कोरोना संक्रमित, सभी फिजिकल हियरिंग बंद

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रवि शंकर झा भी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। इस बीच हाई कोर्ट ने फिजिकल हियरिंग पर रोक लगा दी है। वहीं, बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच प्रशासन ने वैक्सीनेशन की प्रक्रिया तेज कर दी है। एडवाइजर मनोज परिदा ने भी शनिवार को कोविशील्ड वैक्सीन की पहली डोज लगवाई।

सेक्टर-16 स्थित गवर्नमेंट मल्टी स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल (जीएमएसएच) में ओपीडी ब्लॉक में बनाए गए वैक्सीनेशन सेंटर पर सुबह साढ़े नौ बजे परिदा ने वैक्सीन लगवाई है। वैक्सीन लगवाने के बाद उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी बारी आने पर टीकाकरण जरूर कराएं। साथ ही उन्होंने कहा कि वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित है। लोगों को कोरोना संक्रमण से बचने के लिए टीकाकरण जरूर कराना चाहिए।

शहर में अब तक 1,37,518 लोग टीकाकरण करा चुके हैं। इनमें 18,003 हेल्थ केयर वर्कर वैक्सीन की पहली डोज और 8,894 दूसरी डोज लगवा चुके हैं। 17,201 फ्रंटलाइन वर्कर वैक्सीन की पहली डोज और 8,524 दूसरी डोज लगवा चुके हैं। इसी तरह 45 से 60 साल की उम्र के 35,202 लोग वैक्सीन की पहली डोज और 1,050 दूसरी डोज लगवा चुके हैं। 60 साल से अधिक उम्र के 43,593 वैक्सीन की पहली डोज और 5,051 दूसरी डोज लगवा चुके हैं।

शहर में आज सात जगहों पर कोरोना मोबाइल टेस्टिंग टीम आएगी। इन जगहों पर सुबह नौ से शाम पांच बजे तक निशुल्क कोरोना टेस्टिंग होगी। ये मोबाइल टेस्टिंग टीम एमटी नंबर-1 बस स्टैंड सेक्टर-17, एमटी नंबर-2 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सेक्टर-26, एमटी 45 हल्लोमाजरा, एमटी एमएम किशनगढ़ और रेलवे स्टेशन चंडीगढ़, एमटी 22 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सेक्टर-8, एमटी 6 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर डूमाजरा और एमटी 7 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर दड़वा में शनिवार को निशुल्क कोरोना टेस्ट होगा।

शहर में 3,423 कोरोना एक्टिव केस- कोरोना संक्रमण के चलते लगातार मौत के आंकड़ें बढ़ते जा रहे हैं। बीते शुक्रवार को सेक्टर-24 के 53 साल के शख्स की कोरोना से मौत हो गई। शख्स का पीजीआइ में कोरोना का इलाज चल रहा था। शख्स को डायबीटिज और हाइपरटेंशन की बीमारी थी। अब तक कोरोना से 408 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 481 नए कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज किए गए। इनमें 281 पुरुष और 200 महिलाएं कोरोना संक्रमित पाई गईं। अब तक 32,878 लोगों में कोरोना वायरस की पुष्टि हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में 3,025 लोगों के कोरोना सैंपल लेकर टेस्टिंग की गई। इस समय 3,423 कोरोना एक्टिव मरीजों का इलाज चल रहा है।

खुद की सुरक्षा ही कोरोना संक्रमण से अब एकमात्र उपाय

पटना । जब महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से संक्रमितों की संख्या बढ़ने की खबरें आने लगी थीं, कान तो बिहार के तभी खड़े होने शुरू हो गए थे। लेकिन पिछला एक पखवाड़ा जोर-जोर से ढपली पीट गया है कि अब नहीं चेते तो परिणाम गंभीर होंगे। करीब 15 दिन पहले जहां सक्रिय मरीजों की संख्या लगभग दो हजार थी, वह अब 29 हजार का आंकड़ा पार कर गई है। चिकित्सीय व्यवस्था इतने में ही हाथ पैर फुलाए बैठी दिख रही है। बेड कम पड़ने लगे हैं, अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी है। हर तरफ बस पिछले साल से ज्यादा बड़ी आफत आने का रोना, लेकिन सुरक्षा उपायों को लेकर लापरवाही का आलम। जबकि यह जानने के बाद भी कि खुद की सुरक्षा ही इसकी काट है।

बिहार को इस पखवाड़े के आंकड़ों ने कुछ हद तक डराया है। एक अप्रैल के पहले सब ठीक-ठाक चल रहा था। उस दिन सक्रिय मरीजों की संख्या 1,907 थी। जांच कराने वालों में एक फीसद से कम संक्रमित निकल रहे थे। ठीक होने वालों का प्रतिशत भी 98.69 था, लेकिन धीरे-धीरे आंकड़ों की सूरत बिगड़ने लगी। जैसे-जैसे टेस्ट बढ़े, मरीजों की संख्या में अप्रत्याशित उछाल आने लगा। दस अप्रैल के बाद चार हजार से ज्यादा के आंकड़े जुड़ने लगे। इसके बाद 15 अप्रैल को सर्वाधिक 6,133 मरीज मिले यानी 15 दिनों में 27 हजार से ज्यादा मरीज मिले हैं। जांच में छह फीसद से ज्यादा संक्रमित निकलने लगे हैं, जो अब तक के सर्वाधिक हैं। ठीक होने वालों की संख्या भी गिरकर 91 फीसद के आसपास आ टिकी है। होटल-मेडिकल को छोड़ दुकानें सात बजे बंद करने का फरमान है और मास्क न पहनने पर जुर्माना। लेकिन इससे कुछ होता दिख नहीं रहा, क्योंकि बाजार में सारे मानक टूट रहे हैं। लोग जबरदस्ती बाहर निकलने से बाज नहीं आ रहे। मास्क भी मुंह के बजाए गले में टिका दिखता है।

अस्पतालों में बेड के लिए मारा-मारी की स्थिति बनने लगी है। बेड के लिए जुगाड़ तलाशने पड़ रहे हैं। दो दिन से ऑक्सीजन की कमी को लेकर हाय-तौबा मची है। प्रशासन सबकुछ दुरुस्त बता रहा है। ऑक्सीजन की कमी दूर करने के लिए उद्योगों को सप्लाई बंद कर दी गई है और प्रवाह में गतिरोध बनने वालों पर सरकार महामारी एक्ट के तहत कार्रवाई का मन बना चुकी है। अस्पतालों को भी दोष कैसे दिया जाए, क्योंकि पहले जो स्टाफ केवल कोविड मरीजों पर ध्यान देता था, वह अब टीकाकरण में भी बंटा हुआ है। प्रदेश में टीकाकरण की रफ्तार भले ही 11 से 14 के टीकापर्व में संतोषजनक न रही हो, फिर भी 57 लाख से ज्यादा लोगों को टीके लग चुके हैं। इनमें सात लाख के लगभग दूसरी डोज वाले हैं। टीका पर्व में हर दिन चार लाख को टीका लगाने का लक्ष्य था, लेकिन चार दिन में यह संख्या साढ़े पांच लाख के आसपास ही पहुंच पाई। टीके और इलाज के बीच समूची व्यवस्था को बांटे कोरोना आम और खास में कोई फर्क नहीं कर रहा। मुख्य सचिव से लेकर कई आइएएस इसकी चपेट में हैं। मंत्री और विधायक भी अछूते नहीं हैं।

लालू यादव को जमानत मिलने से मजबूत होंगे तेजस्वी-तेजप्रताप, बेटी मीसा भारती ने दिया बड़ा बयान

पटना। चारा घोटाले के मामले में 23 दिसंबर 2017 से जेल में बंद लालू यादव को शनिवार को रांची हाईकोर्ट ने जमानत दे दी। आधी सजा पूरी होने पर लालू को दुमका कोषागार से अवैध निकासी के मामले में जमानत दी गई है। जमानत मिलने के बाद अब लालू की जेल से बाहर आने की प्रक्रिया शुरू होगी। हालांकि लालू अभी इलाज के लिए एम्स में भर्ती हैं, इसलिए तुरंत पटना तो नहीं आएंगे लेकिन एम्स में अब कैदी की तरह इलाज नहीं होगा। लालू यादव के जेल में बाहर आने पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ तेजस्वी यादव और तेजप्रताप भी मजबूत होंगे।

परिवार को साथ होंगे पिता: मीसा

पिता को जमानत मिलने पर लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि पापा जल्द ही पूरे परिवार के साथ होंगे। मीसा ने कहा कि मैं पिता से मिलने दिल्ली एम्स जा रही हूं। अब उनके जेल से निकलने का रास्ता साफ हो गया है। लालू यादव को दुमका कोषागार से अवैध निकासी के तीसरे मामले में जमानत मिलने से राजद में जश्न का माहौल। कोरोना के चलते प्रदेश मुख्यालय बंद है, लेकिन कार्यकर्ता अपने स्तर से जो जहां है वहीं जश्न मना रहा है।

राजद ने जश्न न मनाने की अपील की

लालू की जमानत की खबर सुनते ही राबड़ी आवास पर राजद के नेता और कार्यकर्ता जुटने लगे हैं। विधायक तेजप्रताप यादव पहले ही अपने सरकारी आवास से राबड़ी देवी के आवास आ चुके हैं। इस बीच राजद के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से कहा गया है, %आपसे विशेष आग्रह है कि पटना स्थित आवास पर किसी भी प्रकार की कोई भीड़ जमा नहीं करें। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कोरोना गाइड लाइनस के चलते विगत कई दिनों से मुलाक़ातियों से नहीं मिल रहे हैं। सम्मानित शुभचिंतकों, समर्थकों और कार्यकर्ताओं से प्रार्थना है कि सभी कोरोना महामारी के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अपने-अपने घरों में ही रहें। किसी प्रकार का कोई भी जश्न नहीं मनाएं%।

इस बार कोरोना कर रहा सीधे वार, युवाओं तक को पड़ रही आक्सीजन की जरूरत

लखनऊ । इस बार कोरोना वायरस की संक्रामक क्षमता इतनी ज्यादा है कि पहले ही दिन वह सीधे फेफड़ों पर वार कर रहा है। इससे मरीजों की गंभीरता दर व मौतों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। स्थिति यह है कि 25 से 30 वर्ष तक के युवाओं को भी आक्सीजन सपोर्ट व वेंटिलेटर पर रखना पड़ रहा है। यह निष्कर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय(केजीएमयू) व अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डाक्टरों ने मरीजों पर की गई केस स्टडी के आधार पर निकाला है। बहुत से मरीज तो ऐसे हैं जिनके फेफड़ों में कोरोना का गंभीर संक्रमण होने के बावजूद उनकी रिपोर्ट आरटीपीसीआर जांच में निगेटिव आ रही है। जबकि कोरोना पॉजिटिव व निगेटिव मरीजों मरीजों का सीटी स्कैन थोरैक्स देखने पर दोनों में एक जैसे लक्षण पाए जा रहे हैं। इसलिए सभी को अधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है।

पहले ही दिन फेफड़ों में संक्रमण- केजीएमयू में रेस्पिरेट्री मेडिसिन के विभागाध्यक्ष व आइएमए-एएमएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. सूर्यकांत त्रिपाठी कहते हैं कि वर्ष 2020 और 21 में फर्क यह है कि पहले कोरोना वायरस का संक्रमण होने पर वह दो

दिनों तक नाक में रहता था। फिर वहां से गले में उतरकर दो दिन रुकता था। इसके बाद पांचवें दिन फेफड़ों तक पहुंचता था। वह भी एक फेफड़े के किसी हिस्से को डैमेज करता था। मगर अब पहले दिन ही वह सीधे फेफड़ों में पहुंच रहा है। जोकि दोनों फेफड़ों के कई हिस्से को क्षतिग्रस्त कर कोविड निमोनिया पैदा कर रहा है। यही वजह है कि मरीजों के गंभीर होने की संख्या व मौतों में बढ़ोतरी हो रही है। हमारे यहां रेस्पिरेट्री आइसीयू में यूपी के विभिन्न जिलों से सांस की समस्या को लेकर कई मरीज ऐसे आए, जिनका आरटीपीसीआर निगेटिव था। मगर सीटी स्कैन में सीटी स्कोर 15 से भी ऊपर था। बिल्कुल जैसे कोरोना मरीजों में होता है। आक्सीजन स्तर ऐसे मरीजों का 70 व उससे भी कम हो गया था। कोविड उपचार करने पर वह ठीक हुए।

पहले हफ्ते से सांसों पर शामत- एम्स, नई दिल्ली में पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन के एसि. प्रोफेसर डा. सौरभ मित्तल ने बताया कि इस बार का स्ट्रेन ज्यादा खतरनाक है। पहले संक्रमित होने के दूसरे हफ्ते यानि की सातवें-दसवें दिन से सांस की दिक्कत होती थी। मगर अब पहले हफ्ते में ही मरीजों का आक्सीजन स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच रहा है। 25 से 30 वर्ष के युवाओं को भी आक्सीजन व वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखना पड़ रहा है। पहले ज्यादातर बुजुर्गों को ही आक्सीजन व वेंटीलेटर सपोर्ट की जरूरत पड़ रही थी। अब परिवार में कोई एक व्यक्ति पॉजिटिव हो रहा है तो सभी को संक्रमण हो रहा है। ज्यादातर मामलों में परिवार के सभी सदस्यों को भर्ती करना पड़ रहा है। यह बरतें सावधानी- दिन में तीन चार बार भाप लें, गॉर्गल करें। बाहर से घर आने पर गुनगुने पानी से नहाएं। मास्क व शारीरिक दूरी का हर हाल में पालन करें।

उत्तर 24 परगना के कामरहाटी निर्वाचन क्षेत्र में राज्य विधानसभा चुनाव के 5 वें चरण के दौरान एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता एक मतदान केंद्र पर मतदाताओं के तापमान की जाँच करती हुई ।

मुंबई में कोविद -19 मामलों में स्पाइक के बीच एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर एक यात्री से स्वैब के नमूने लेती हुई ।

नांदिया के शांतिपुर में राज्य विधानसभा चुनाव के 5 वें चरण के मतदान के दौरान मतदान केंद्र पर वोट डालने के लिए कतार में खड़े लोग ।

एक नजर

होम आइसोलेट कोरोना पॉजिटवि मरीज की देखभाल के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी की गाइडलाइन

धर्मशाला । लंबे समय से सामान्य कोरोना पॉजिटिव या कहें तो जिन्हें कोरोना संक्रमण के अलावा अन्य कोई बीमारी नहीं है या जो उम्र दराज नहीं हैं उन्हें होम आइसोलेशन में रखा जा रहा है। ऐसे लोगों को अस्पताल में नहीं रखा जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग ने जिलेभर में बनाए गए कोविड सेंटर भी बंद कर दिए हैं। अब घर में जो भी कोरोना संक्रमित व्यक्ति है, उसके स्वजन मरीज के स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन करते रहें। अगर कोई मरीज कोरोना पॉजिटिव होने के तीन दिन बाद भी बीमार ही है व उसकी तबीयत खराब होती जा रही है तो वे क्षेत्र की आशा वर्कर के माध्यम से स्वास्थ्य पर्यवेक्षक को बुलाए और जांच करवाए। पर्यवेक्षक की जांच के बाद अगर व्यक्ति खुद को स्वस्थ महसूस नहीं कर रहा है तो वह पर्यवेक्षक के माध्यम से मुख्य चिकित्सा अधिकारी को एक ई-मेल भिजवा दें। ई-मेल को स्वीकृति मिलने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम उक्त व्यक्ति को घर में जिला कोविड अस्पताल तक चिकित्सकीय निगरानी में पहुंचा देगी।

उधर सीएमओ कांगड़ा डा. गुरदर्शन गुप्ता ने बताया जिन लोगों को अन्य कोई गंभीर बीमारी नहीं हैं, उन्हें होम आइसोलेशन में रखा जाता है। अगर ऐसे लोगों का स्वास्थ्य घर में खराब हो रहा है तो पर्यवेक्षक के माध्यम से तुंरत विभाग को सूचित करें और अस्पताल में भर्ती हो जाएं। कोरोना का मात देने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है और लोगों को जागरूक रहना पड़ेगा।

तृणमूल नेत्री सुजाता मंडल खां को आयोग का नोटिस, 24 घंटे में देना होगा जवाब

कोलकाता । चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस नेत्री सुजाता मंडल खां को अनुसूचित जाति के खिलाफ विवादित बयान को लेकर नोटिस जारी किया है। आयोग ने नोटिस मिलने के 24 घंटे के अंदर सुजाता मंडल खां को इसका जवाब देने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उनसे तृणमूल के स्टार प्रचारक का दर्जा भी छीना जा सकता है। मुख्तार अब्बास नकवी की अगुआई वाले भाजपा के प्रतिनिधि दल की ओर केंद्रीय चुनाव आयोग से शिकायत की गई थी।

गौरतलब है कि सुजाता मंडल खां ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा था कि कुछ लोग स्वाभाविक तौर पर भिखारी होते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अनुसूचित जाति के लोगों की इतनी मदद कर रही हैं, फिर भी वह भाजपा के हाथों बिक गए हैं। इसके पहले भड़काऊ भाषण को लेकर कई तृणमूल व भाजपा नेताओं को आयोग की ओर से नोटिस दिया जा चुका है।

कश्मीर से बंगाल तक युवाओं को जिहाद का पाठ बढ़ाने वाला अध्यापक एनआइए की चंगुल में

श्रीनगर । इंटरनेट मीडिया पर देश के विभिन्न हिस्सों में लड़के-लड़कियों में जिहादी मानसिकता को मजबूत बना, उन्हें आतंकी संगठनों के लिए भर्ती करने में जुटे एक जिहादी मॉटीवेटर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने उत्तरी कश्मीर के बांडीपोर से गिरफ्तार करने का दावा किया है। पेशे से अध्यापक यह मॉटिवेटर लश्कर-ए-तैयबा क लिए काम करता था। इसकी पहचान अल्ताफ अहमद राथर के रुप में हुई है। एनआइए के प्रवक्ता ने बताया कि अल्ताफ अहमद राथर की गिरफ्तारी बीते साल पांच अप्रैल को दर्ज मामले में हुई है। इस मामले में तानिया परवीन नामक एक युवती को पहले ही गिरफ्तार कर, उसके खिलाफ एनआइए की विशेष अदालत में आरोपपत्र भी दायर किया जा चुका है। बंगाल में बदुरेई, जिला उत्तरी 24 परगना की रहने वाली तानिया परवीन पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के कमांडरों के साथ लगातार संपर्क में थी। वह अपने संपर्क में आने वाले स्थानीय युवाओं को मजहब के नाम पर भड़काते हुए उन्हें भारत के खिलाफ कथित जिहाद के लिए तैयार करने की साजिश में शामिल थी। उसे बीते साल बंगाल पुलिस ने एक विशेष सूचना के आधार पर पकड़ा था। जब मामले की परतें खुलने लगीं तो जांच एनआइए को सौंप दी गई। तानिया परवीन के फेसबुक, टेलीग्राम, ट्वीटर एकाउंट की जांच भी की गई। उसके फोन कॉल्स को भी खंगाला किया। इसके अलावा पूछताछ के दौरान मिले सुरागों के आधार पर ही बांडीपोर के अल्ताफ अहमद राथर का पता चला। अल्ताफ अहमद ने ही इंटरनेट मीडिया पर उसे अपने जाल में फांस उसे आतंकी संगठन के लिए काम करने को राजी किया। उसने उसे बंगाल व अन्य जगहों पर जिहादी गतिविधियों के लिए लड़के-लड़कियों को तैयार करने का जिम्मा सौंपा था। इसके अलावा उसने ही तानिया का संपर्क पाकिस्तान में बैठे आतंकी सरगनाओं से कराया था।

एनआइए के प्रवक्ता ने यह भी बताया कि अल्ताफ अहमद राथर को गिरफ्तार करने से पूर्व उसके खिलाफ सभी आवश्यक सबूत जमा किए गए हैं। वह लश्कर के भर्ती माड्यूल का एक अहम हिस्सा है। वह बांडीपोर में एक स्कूल में पढ़ाता है। स्कूल में अध्यापन सिर्फ उसका एक ढकोसला है, उसका असली काम इंटरनेट मीडिया पर कश्मीर और बाहरी राज्यों के युवाओं के साथ संपर्क कर उन्हें जिहादी गतिविधियों के लिए उकसाना व लश्कर-ए-तैयबा में भर्ती करना है। फिलहाल, उससे पूछताछ जारी है।

निजी स्कूलों की मनमानी पर सरकार का नहीं कोई नियंत्रण, फीस वृद्धि पर कानून भी गायब - कांग्रेस

भवारना । सुलह ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा कुछ प्राइवेट स्कूल अपनी मनमानी से स्कूल फीस बढ़ा रहे हैं, जो इस कोरोना महामारी के चलते अभिभावकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की है कि इन बढ़ी हुई प्राइवेट स्कूलों की फीस पर सरकार कड़ा संज्ञान ले। उन्होंने कहा एक तो पहले ही निजी व्यवसाय करने वाले लोग इस कोरोना महामारी में घर में बैठे आर्थिक तंगी का दंश झेल रहे हैं और दूसरी बढ़ी हुई फीस ने अभिभावकों को परेशानी में डाल दिया है। उन्होंने कहा अभी कुछ दिन पहले ही सरकार मनमाने ढंग से फीस वृद्धि पर कानून लाने वाली थी, लेकिन सरकार पता नहीं किसके दबाव में इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध नहीं दिखी। उन्होंने कहा निजी स्कूलों की फीस लेने की प्रक्रिया को लेकर प्रदेश सरकार भी कुछ स्पष्ट नहीं है। सरकार कभी निजी स्कूलों को फीस लेने से इन्कार करती है, कभी स्वीकृति दे देती है। निजी स्कूल मनमाने ढंग से कोरोना काल में भी फीस बढ़ाए जा रहे हैं। निजी स्कूलों में अब फीस वूसल करने का नया तरीका इजाद किया है, क्योंकि सरकार ने सिर्फ टयूशन फीस लेने को कहा है तो निजी स्कूलों में एडमिशन और ट्यूशन फीस ही इतनी बढ़ा दी है कि वह पुरानी फीस से ज्यादा हो गई है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस समस्या का जल्द से जल्द हल किया जाए, ताकि सभी अभिभावक अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर सकें।

जोधपुर में चरित्र पर संदेह के चलते भाभी ने की ननद की हत्या, गिरफ्तार

जोधपुर । राजस्थान के जोधपुर में चरित्र पर संदेह के चलते भाभी ने अपनी ननद की ही कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी है। शव को भी उसने घर में ही रखे लोहे के संदूक में डालकर छिपा दिया और उसके ऊपर बिस्तर रख दिए, ताकि किसी को भी इसकी जानकारी न हो सके। शव में से सड़ांध आने पर मृतका की बेटी के अपनी मां के बारे में पूछने पर अगले दिन इस पूरी वारदात का खुलासा हुआ। घटना 14 अप्रैल की बताई गई है। घटना जोधपुर के निकटवर्ती झंवर के बड़लियां गांव की है। पुलिस ने प्रारंभिक पड़ताल व मौका निरीक्षण के बाद में भाभी पूजा पत्नी सतूराम भील को हिरासत में लिया है। गहन पूछताछ में पूजा ने वारदात को अंजाम देना कबूल किया है। हत्या की वजह ननद द्वारा भाभी के चरित्र पर संदेह जताना सामने आ रहा है, जो कि भाभी को नागवार गुजरा, जिसके बाद ननद की हत्या कर दी गई। इधर, मृतका रेखा का जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया।

जोधपुर के बोरानाडा वृत एसीपी मांगीलाल राठौड़ बताया कि 15 अप्रेल को पुलिस को सूचना मिली कि रेखा की हत्या की गई है। इस पर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। यहां मृतका का शव

एक लोहे के बक्से में पड़ा था। सिर में कुल्हाड़ी से वार का निशान था, जिससे प्रथम दृष्ट्या ही मामला हत्या का लगा। प्रारंभिक पड़ताल में घर में मां-बेटी और भाभी ही मौजूदगी पर गहन पूछताछ में वारदात का खुलासा हो गया। पुलिस ने बताया कि 15 तारीख को जब बेटी बक्से पर बिस्तर रख रही थी तो उसमें से सड़ांध आने लगी थी। इस पर उस खोला गया। बाद में हत्या का पता लगा। मृतका की बेटी ने अपनी मां के बारे में पूछने पर उसे उसके काम पर जाने के बारे में बताया गया था।

चरित्र पर संदेह की बात को लेकर विवाद

एसीपी बोरानाडा मांगीलाल राठौड़ ने बताया कि झंवर के बड़लियां गांव की रहने वाली 40 साल की रेखा भील की दो बेटियां हैं। एक बेटी विमला बिलाड़ा तहसील के पिचियाक में खरोड़ीबेरा में रहती है, जोकि शादीसुदा है। दूसरी बेटी 15 साल की साथ में रहती है। एक बेटा है, जोकि बाहर मजूदरी करता है। खुद रेखा भील पीएफ ऑफिस के पास में घरों मजदूरी करती थी। 14 अप्रैल से दो दिन पहले ही उसकी भाभी पाली जिले के रोहट थानांतर्गत मुरडिया की रहने वाली पूजा पत्नी सतूराम भील मिलने के लिए आई थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि मृतका रेखा अपनी भाभी पूजा के चरित्र पर संदेह करती थी। इसी बात पर कई बार कहासुनी भी हो हुई थी। इसके बाद 14 अप्रैल की अलसुबह ही रेखा की हत्या कर दी गई।

मृतका की बड़ी बेटी बिलाड़ा के पिचियाक स्थित खरोड़ीबेरा की रहने वाली विमला पत्नी राकेश भील ने मां की हत्या की रिपोर्ट दी है। कुल्हाड़ी के वार से मृतका रेखा का सिर फट गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, वहीं कूलर की तेज आवाज में उसकी चीख भी दब गई। आरोपित पूजा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया व वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी आदि बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

अहमदाबाद में बनेगा 900 बेड का कोविड अस्पताल, केंद्र भेजेगा 25 डॉक्टर व 75 पैरामेडिकल स्टॉफ

अहमदाबाद । गुजरात में बढ़ते कोरोना वायरस को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने डीआरडीओ के जरिए अहमदाबाद में 900 बेड का कोविड अस्पताल बनाने का फैसला किया है। केंद्र 25 डॉक्टर व 75 पैरामेडिकल स्टॉफ भेजेगा जो यहां अपनी सेवाएं देंगे। गुजरात में कोरोना संक्रमण बेकाबू होते देख गुजरात सरकार ने केंद्र से मदद मांगी थी जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्वीकार कर लिया है। केंद्र गुजरात में 25 डॉक्टर व 75 पैरामेडिकल स्टाफ भेजेगा जो गुजरात यूनिवर्सिटी मैदान में बनाए जाने वाले आपातकालीन कोविड-19 अस्पताल में अपनी सेवाएं देंगे। डीआरडीओ इसे अपने संसाधनों से विकसित करेगा और यह करीब 900 बेड का होगा। इसमें आईसीयू ऑक्सीजन तथा कोविड-19 के इलाज के लिए जरूरी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। जरूरत पड़ने पर इसमें 500 बेड और बढ़ाए जा सकते हैं। अभी अस्पताल आगामी 2 सप्ताह में बनकर तैयार हो जाएगा। उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने बताया था कि गुजरात के पास महामारी से लड़ने के सभी साधन उपलब्ध है लेकिन चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ की कमी है। इसी कमी को देखते हुए केंद्र ने डीआरडीओ के जरिए यह 900 बेड का अस्पताल तथा चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टाफ भेजने का फैसला किया।

गौरतलब है कि गुजरात में शुक्रवार को कोरोना संक्रमण के 8920 नए मामले सामने आए और 94 मौतें दर्ज की गई। 3,387 मरीज इस संक्रमण के बाद स्वस्थ हो गए। राज्य में कोरोना संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,84,688 हैं। अब तक कुल 3,29,781 स्वस्थ हो चुके हैं। जबकि 49,737 मरीज सक्रिय हैं।

अब घाटी की दीवारों पर वांछित आतंकियों के नहीं मैधावी बच्चों के पोस्टर आते हैं नजर

श्रीनगर । घाटी में लगातार सुधरते हालात के साथ सेना की गतिविधियों में भी लगातार बदलाव नजर आ रहा है। अब वादी के विभिन्न इलाकों में सैन्य शीविरों की दीवारों पर अब ग्रेनेड हमलों को रोकने के लिए जाल या वांछित आतंकियों के पोस्टर नहीं बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मेधा का झंडा गाढ़ रहे कश्मीरी बच्चों की तस्वीरें नजर आ रही हैं। सड़कों से गुजरते सैन्य वाहनों पर भी अब खतरे का संकेत देते लाल झंडे नजर नहीं आते। उनकी गति भी तूफानी नहीं होती। सामान्य गति से दौड़ते सैन्य वाहनों पर लाल रंग के झंडों की जगह नीले रंग के झंडे लगाए गए हैं। यही नहीं वाहनों के बाहरी हिस्सों पर कश्मीर की खूबसूरती को दर्शाते चित्रों ने ले ली है।

आतंकियों के हमलों से सैन्य काफिलों को सुरक्षित बनाए रखने की एसओपी के तहत हाइवे या किसी अन्य सड़क पर सेना व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के वाहन चालकों को अपनी गति को तेज रखने का निर्देश जारी किया गया था। इसके अलावा सुरक्षाबलों के वाहनों पर लाल झंडे लगाने के अलावा उनकी छतों पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों को हथियार व लाठियां साथ रखने की हिदायत दी गई थी। इससे जब कभी किसी इलाके से सुरक्षाबलों के काफिले गुजरते तो वहां लोगों में एक तरह का डर पैदा हो जाता था।

आपको बता दें कि वादी में आतंकी अकसर सुरक्षाबलों के काफिलों को निशाना बनाते आए हैं।

कभी वे उनके वाहनों को उड़ाने के लिए आइईडी लगाते हैं या फिर किसी भीड़ भरे इलाके में उन पर अपने स्वचालित हथियारों से हमला करते हैं। 14 फरवरी 2019 को और उससे पूर्व अप्रैल 2005 में आतंकियों ने क्रमशः सीआरपीएफ और बीएसएफ के वाहनों को आइईडी धमाकों में उड़ा दिया था। 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा हमले में 40 सीआरपीएफ कर्मी शहीद हुए थे। इसके अलावा सैन्य काफिलों पर आतंकियों की फायरिंग में बीते 30 सालों में करीब 150 सुरक्षाकर्मी शहीद हो चुके हैं।

अलबत्ता, अब वादी में सुधरते सुरक्षा परिदृश्य का असर सुरक्षाबलों के काफिलों, गश्त पर निकले सुरक्षाबलों के व्यवहार में भी नजर आने लगा है। सैन्य काफिलों में अब लाल रंग के बजाय नीले रंग के झंडे ने ले ली है। वाहनों के बाहरी हिस्से पर अब शांति-सौहार्द, प्रेम और कश्मीर की खूबसूरती का संदेश देते आदंश वाक्यों और तस्वीरों ने ले ली है।लेफ्टिनेंट कर्नल क्यू खान ने कहा कि जनता के साथ समन्वय, संवाद और सहयोग को मजबूत बनाने की कवायद के तहत ही यह काम किया गया है। वादी के बच्चे, नौजवान बहुत प्रतिभाशाली हैं और उनमें से कइयों ने देश-विदेश में अवसर मिलते ही अपनी मेधा का लोहा मनवाया है।

खेल-कूद, नवाचार, पढ़ाई में कश्मीरी बच्चों ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। यह बच्चे कश्मीर में अपने हम उम्र बच्चों और आने वाली नस्लों के लिए भी आदंश का केंद्र बनें, इसलिए इनकी तस्वीरें विभिन्न सैन्य शीविरों की बाहरी दीवारों पर लगाए जाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा वाहनों के बाहरी हिस्सों पर कश्मीर के विभिन्न पर्यटन स्थलों के मन मोहक पेंटिग्स अथवा चित्रों को लगाया गया है।उन्होंने यह भी बताया कि रोड ओपनिंग पार्टी के जवानों, सुरक्षाबलों के काफिलों में शामिल जवानों और गश्तीदलों को निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी जगह रूकें या किसी जगह नाका लगाएं तो वहां लोगों के साथ पूरी नरमी के साथ पेश आएं। लाठियां दिखाने के बजाय सीटी का इस्तेमाल कर अनाधिकृत जगह खड़ा होने के प्रयास कर रहे निजी वाहन चालकों को अपने वाहन वहां से अन्यत्र ले जाने का संकेत करें।

बंगाल में वोटिंग के बीच हिंसा, बर्द्धमान में बूथ एजेंटों पर हमला; टीएमसी व भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प

कोलकाता । बंगाल चुनाव के चौथे चरण में हुई हिंसा के बाद से चुनाव आयोग पहले से ज्यादा सतर्क हो गया है। लेकिन इसके बाद भी आज सुबह से जारी पांचवें चरण के मतदान के दौरान कुछ जगहों पर छिटपुट हिंसा व झड़प की खबरें सामने आ रही हैं। बर्द्धमान उत्तर सीट के सराइटिकट अवैतनिक प्राथमिक विद्यालय के भाजपा के एजेंटों पर हमले की घटना शनिवार की सुबह हुई, जहां अजीत सोरेन समेत कुछ को चोट आयी। उन्हें इलाज के लिए बर्द्धमान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेजा गया। मारपीट की सूचना मिलने पर पुलिस एवं केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बल के जवान पहुंचे। भाजपा की ओर से फिर से यहां अन्य कार्यकर्ताओं को बूथ एजेंट के रूप में बैठाया गया।

सराइटिकल अवैतनिक थमिक विद्यालय में बर्द्धमान दक्षिण विधानसभा का 70,71,72 एवं 73 नंबर मतदान केंद्र है। सुबह के समय सराइटिकट गांव से अजीत सोरेन, सुब्रत घोष समेत आधा दर्जन बूथ एजेंट गांव से निकल कर स्कूल की ओर जा रहे थे। उसी समय लाठी लेकर अराजक तत्वों ने इन लोगों पर हमला कर दिया। अजीत के सिर पर लाठी लगने से फट गया। जबकि अन्य को थोड़ी बहुत चोट आयी। हमले के बाद अराजक तत्व फरार हो गए।

अजीत को बीएमसीएच भेजा गया। अजीत ने बताया कि बूथ से कुछ दूरी पर हमला किया गया। तृणमूल के लोगों ने यह हमला किया है, वे लोग भाजपा के एजेंट को बूथ में बैठने नहीं देना चाहते थे। उन लोगों ने मोबाइल एवं बैग भी छीन लिये। वहीं सुब्रत घोष ने कहा कि मैं 73 नंबर बूथ का एजेंट था। हम सब एजेंट एक साथ जा रहे थे, तभी यह हमला हुआ। घटना की सूचना मिलने पर भाजपा की ओर से फिर से अन्य लोगों को एजेंट के रूप में बैठाया गया।

भाजपा ने टीएमसी पर लगाया आरोप - बर्द्धमान में भाजपा ने टीएमसी पर आरोप लगाया है कि बर्द्धमान उत्तर विधानसभा क्षेत्र के सरायटीकर अवैतनिक प्राथमिक विद्यालय की बूथ संख्या 60, 61, 72 और 63 पर एक एजेंट अजीत सरकार और अजीत सरन के साथ मारपीट की गई है। इसमें दोनों घायल हो गए। दोनों को घायल हालत में बर्द्धमान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नदिया जिले में भी भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। घटना के बाद मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। नदिया जिले की आठ सीटों पर आज मतदान हो रहा है। इससे पहले आज ही कोलकाता के सॉल्टलेक इलाके में हिंसा होने की खबर मिली थी। यहां भाजपा कार्यकर्ता पर चाकू से हमला हुआ है। आरोप टीएमसी कार्यकर्ता पर है।

इधर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने उत्तर 24 परगना जिले के मिनाखां के बूथ संख्या 114 पर बम से हमले का आरोप लगाया है। टीएमसी ने तस्वीर जारी करते हुए इंडियन सेक्यूलर फ्रंट (आईएसएफ) कैडर पर बमबाजी करने का आरोप लगाया। इसमें टीएमसी के दो कार्यकर्ता घायल बताए जाते हैं। घटना से इलाके में तनाव का माहौल है।

पांचवें चरण में 45 सीटों के लिए वोटिंग - 295 सीटों वाली विधानसभा की 45 सीटों के लिए मतदाता आज अपने वोट डालेंगे। हालांकि मतदान के दौरान हुई हिंसा की घटनाओं को देखते हुए चुनाव आयोग ने सुरक्षा बेहद कड़ी की है।

ओडिशा में लगातार दूसरे दिन 3000 से अधिक नए मरीज, 4 संक्रमितों की मौत

भुवनेश्वर । ओडिशा में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में आज लगातार दूसरे दिन तीन हजार से अधिक लोग संक्रमित मिले हैं जबकि 4 लोगों की कोरोना से मौत हो गई है। सरकार की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक प्रदेश में 3144 नए मामले सामने आए हैं। इसमें से 1823 क्वारेनटाइन से हैं जबकि 1321 स्थानीय लोग संक्रमित हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक सुन्दरगड़ जिले से सर्वाधिक 523, खुर्दा जिले से 497, नुआपड़ा जिले से 395, बरगड़ जिले से 156, कटक जिले से 140, झारसुगुड़ा जिले से 119, पुरी जिले से 129, केन्दुझर जिले से 128, सम्बलपुर जिले से 149 लोग संक्रमित मिले हैं। अनुगुल जिले से 49, बालेश्वर जिले से 28, भद्रक जिले से 51, बलांगीर जिले से 92, बौद्ध जिले से 7, देवगड़ जिले से 21, ढेंकानाल जिले से 1, गजपति जिले से 67, गंजाम जिले से 44, जगतसिंहपुर जिले से 18, जाजपुर जिले से 76, कालाहांडी जिलेसे 53, कंधमाल जिले से 13,

केन्द्रापड़ा जिले से 15, कोरापुट जिले से 18, मालकानगिरी जिले से 4, मयूरभंज जिले से 68, नवरंगपुर जिले से 96, नयागड़ जिले से 29, रायगड़ा जिले से 44, सोनपुर जिले से 4 तथा स्टेटपुल में 110 लोग संक्रमित मिले हैं।

गौरतलब है कि 3144 नए मामले के साथ ही राज्य में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 3 लाख 64 हजार 594 तक पहुंच गई है। इसमें से 3 लाख 43 हजार 522 लोग स्वस्थ होकर अपने घर जा चुके हैं। 19 हजार 77 सक्रिय मामले हैं। 4 लोगों की मौत के साथ ही राज्य में कोरोना से मरने वाले मरीजो की संख्या 1942 तक पहुंच गई है।

राज्य स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक आज जिन 4 लोगों की कोरोना से मौत हुई है, वे सभी मरीज पश्चिम ओडिशा से हैं।

दिवंगत कांग्रेस नेता अजित मंगराज की मां क्षेत्रमणि मंगराज का कोरोना से निधन

भुवनेश्वर । बेटे की मृत्यु के दो दिन के अन्दर मां ने भी दम तोड़ दिया है। पिपिली विधानसभा सीट पर उप चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार अजित मंगराज के निधन के बाद बेटे के वियोग में उनकी मां का भी निधन हो गया है। उनकी मां भी कोरोना से संक्रमित थी। कोविड संक्रमित होने के बाद दिवंगत कांग्रेस नेता अजित मंगराज की मां क्षेत्रमणि मंगराज का भुवनेश्वर के एक निजी मेडिकल में इलाज चल रहा था। पहले बेटे की कोरोना से मौत हो गई अब मां ने बेटे के वियोग में दम तोड़ दिया है। इस तरह से दुख का पहाड़ दिवंगत कांग्रेस नेता के परिवार पर पड़ा है।

गौरतलब है कि पिपिली विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अजित मंगराज को 10 अप्रैल को पता चला कि वह कोरोना से संक्रमित हैं। इसके बाद उन्हें भुवनेश्वर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान 14 अप्रैल को उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु की खबर सामने आते ही उनके पूरे परिवार के साथ मां को गहरा सदमा लगा था। अजित मंगराज के संक्रमित होने के बाद उनके परिवार को कोरोना टेस्ट किया गया और मां कोरोना पाजिटिव मिली। 70 वर्षीय क्षेत्रमणि मंगराज कोविड से संक्रमित होने के बाद उन्हें भुवनेश्वर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। अब उनकी मृत्यु की खबर अस्पताल की तरफ से सामने आने के बाद परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।

गुजरात में कोरोना के 8920 नए मामले और 94 मौतें

अहमदाबाद । गुजरात में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 8920 नए मामले सामने आए, 94 मौतें हुईं और 3,387 रिकवर हुए। प्रदेश में कोरोना के कुल मामले 3,84,688 हैं। कुल 3,29,781 रिकवर हुए। सक्रिय मामले 49,737 हैं। कोरोना वायरस से अब तक प्रदेश में कुल 5,170 लोगों की मौत हुई है।

इससे पहले वीरवार को प्रदेश में कोरोना के 8152 नए मामले सामने आए, 3023 डिस्चार्ज हुए और 81 मौतें हुई हैं। प्रदेश में कुल मामले 3,75,768 हैं। कुल 3,26,394 डिस्चार्ज हुए। सक्रिय मामले 44,298 हैं। कोरोना से अब तक 5,076 की जान जा चुकी है। प्रदेश के कई जिलों में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। इधर, गुजरात में बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच उच्च न्यायालय ने सरकार के कामकाज पर सवाल उठाया है।

अदालत ने सरकार के कोरोना के आंकड़ों पर संदेह जताते हुए कहा कि कोर्ट के निर्देशों का पालन किया गया होता तो आज कोरोना की सुनामी नहीं आती। रेमडेसिविर को लेकर जागरूकता के लिए सरकार को जनता के नाम एक सार्वजनिक पत्र लिखने की हाई कोर्ट ने सलाह दी है। मुख्य न्यायाधीश विक्रम नाथ एवं न्यायमूर्ति जेबी कारिया की खंडपीठ ने सरकार से रेमडेसिविर इंजेक्शन को लेकर उत्पन्न स्थिति पर सफाई मांगी।

महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने बताया कि सात कंपनियां इसका उत्पादन करती हैं तथा इन्हें उत्पादन बढ़ाने के लिए कहा गया है। लेकिन इस प्रक्रिया में भी करीब एक माह का वक्त लग जाएगा। सातों कंपनियों ने एक से 12 अप्रैल तक प्रतिदिन रेमडेसिविर के एक लाख वायल का उत्पादन किया, जिसका पूरे देश में वितरण हुआ। कम उत्पादन व अधिक मांग के कारण इसकी कमी हुई है।

ऑक्सीजन की कमी पर सरकार ने अदालत को बताया कि गुजरात में 1,100 मीट्रिक टन की उत्पादन क्षमता है। इसका 80 फीसद उपयोग औद्योगिक उत्पादन में होता है। सरकार अब सौ फीसदी ऑक्सीजन का उपयोग हेल्थकेयर के लिए करेगी।

लौकी में संकर बीज उत्पादन की उन्नत प्रौद्योगिकी

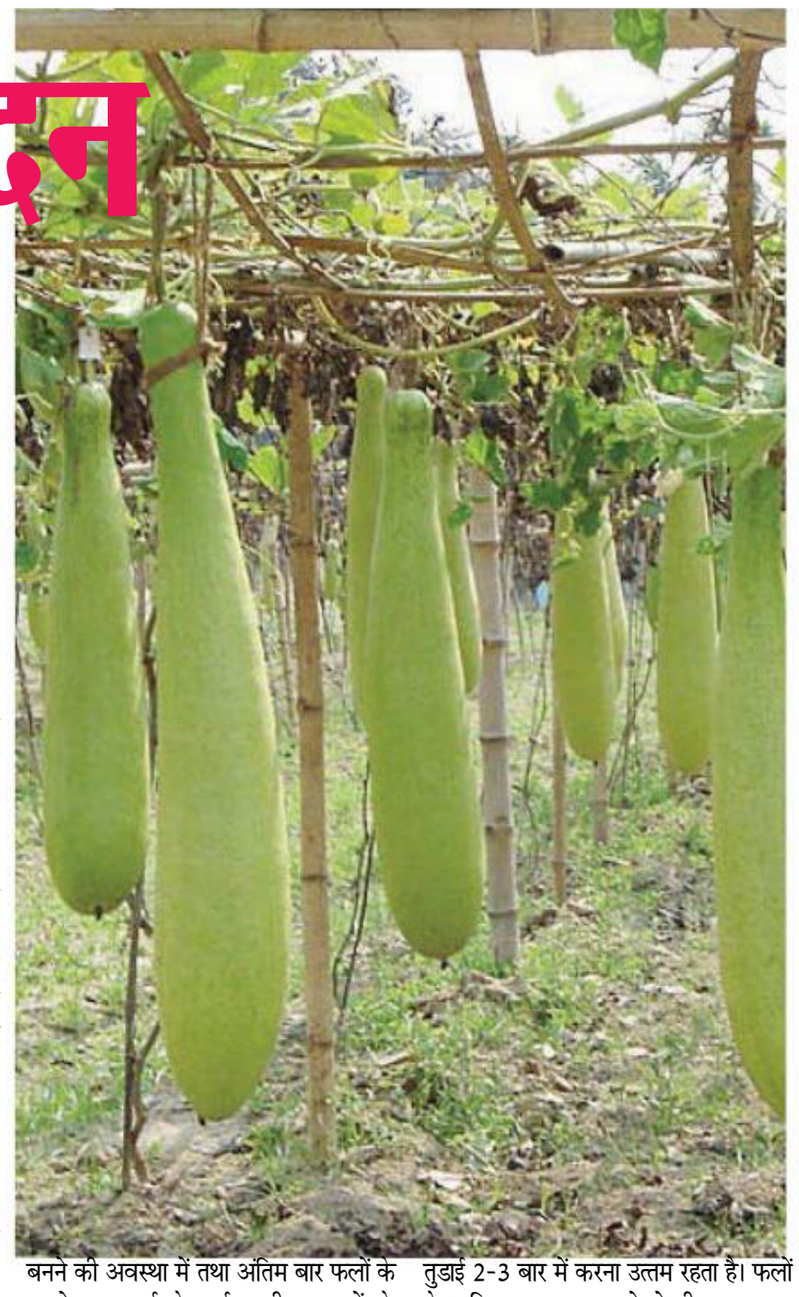

संकर बीज उत्पादन के लिए चुना गया खेत अवांछित पौधों से रहित होना चाहिए। खेत समतल तथा उसमें उचित जल निकास की व्यवस्था होनी चाहिए। खेत की मिटटी का पीएच मान 6.5-7.5 के बीच उपयुक्त रहता है। खेत में सिंचाई की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

ऋतु का चुनावः

लौकी के संकर बीज उत्पादन के लिए ग्रीष्म ऋतु की अपेक्षा खरीफ ऋतु अधिक उपचुक्त होती है। खरीफ ऋतु में, ग्रीष्म की अपेक्षा अधिक बीज उपज मिलती है क्योंकि खरीफ में फलों तथा बीजों का विकास अच्छा होता है।

बीज का स्रोत

संकर बीज उत्पादन के लिए पैतृक जननों का आधारीय बीज ही प्रयोग किया जाता है जिसे सम्बन्धित अनुसंधान संस्थान या कृषि विश्वविद्यालयों से प्राप्त किया जा सकता है।

पृथक्करण दूरीः

लौकी एक पर-परागित एवं उभयलिंगाश्री (नर व मादा पुष्प का अलग अलग भागों पर आना) फसल है। आनुवांशिक रूप से शुद्व बीज उत्पादन के लिए, बीज फसल, अन्य किस्मों तथा व्यावसायिक संकर किस्मों के बीच में न्यूनतम 1000 मीटर की दूरी होनी चाहिए। नर व मादा पैतृकों की बुवाई अलग-अलग खण्डों में न्यूनतम 5 मीटर की दूरी पर होनी चाहिए।

पुष्प जैविकी :

लौकी के फूल सफेद रंग के होते हैं। फूल प्रायः दोपहर बाद, 4 से 6 बजे के बीच खिल जाते हैं और रात भर खिले रहकर अगले दिन मुरझा जाते हैं। लौकी में पुष्प खिलने के ठीक पहले (दोपहर 1 से 4 बजे) वर्तिकाग्र अधिकतम ग्राही होता है। पुमंग में परागण मात्र

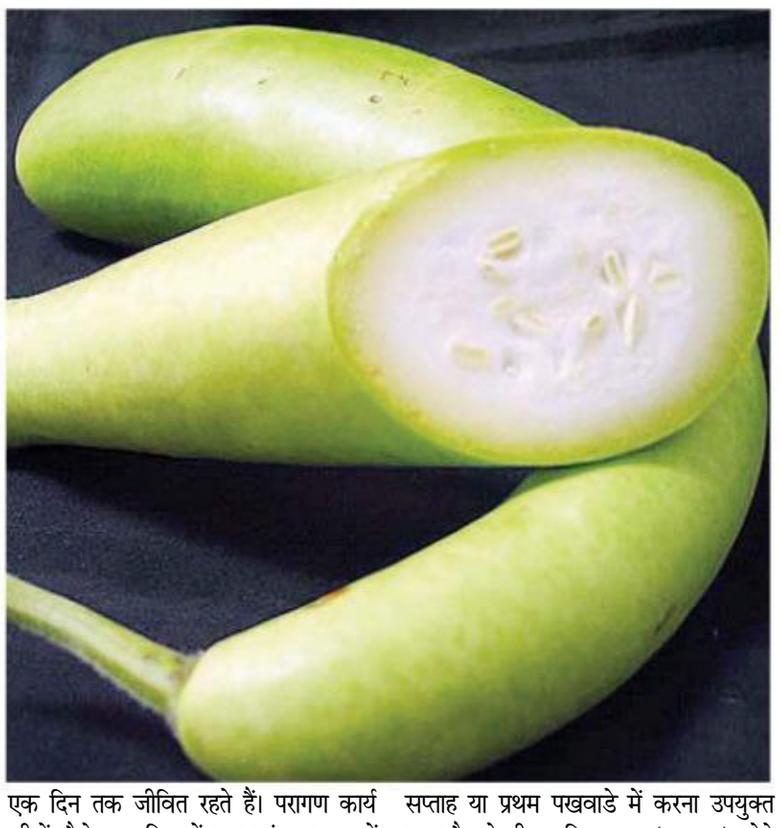

एक दिन तक जीवित रहते हैं। परागण कार्य कीटों जैसे मधुमक्खियों द्वारा सांय या रात में होता है।

खाद एवं उर्वरक :

एक हैक्टेयर (10000 वर्ग मीटर) खेत में 25 से 30 टन गोबर की सडी खाद, बुआई से 15-20 दिन पहले मिलाना चाहिए। एन.पी.के. 40ः60ः60 अनुपात में लगाना चाहिए। फॉस्फोरस एवं पोटाश के मिश्रण को 500 ग्राम थमला बुवाई के समय लगायें तथा नत्रजन को दो बार में आधा-आधा करके बुवाई के 30-35 दिन बाद तथा 50-55 दिन बाद खडी फसल में लगाना चाहिए। अगर फसल कमजोर है या बढवार कम है तो 1त्न यूरिया के घोल का छिडकाव करना चाहिए। छिडकाव के समय खेत में पर्याप्त नमी होनी चाहिए।

बीज की बुवाई :

भारत में लौकी के संकर बीज उत्पादन के लिए पैतृकों की बुवाई जुलाई माह के प्रथम सप्ताह या प्रथम पखवाडे में करना उपयुक्त रहता है। दो बीज प्रति थमला (।द्वद्यद्य) बोने चाहिए तथा बुवाई के 15 दिन बाद जब पौधें 2-4 पत्ती के हो जायें तो फालतू पौधों को निकाल दिया जाता है। एक थमले में एक ही पौधा रखा जाता है।

बीज दर व पौधअंतरण :

मादा पैतृक के लिए 1.5किग्रा/हैक्टेअर तथा नर पैतृक के लिए 0.5किग्रा/हैक्टेअर बीज पर्याप्त होता है। दो सिंचाई नालियों के बीच की दूरी 3 मीटर तथा पौधे से पौधे के बीच की दूरी 0.5 मीटर होनी चाहिए। बीज को 2-3 इंच गहराई में बोना उपयुक्त रहता है।

बुवाई विधि व नर-मादा पौध अनुपात :

मादा एवं नर बीजों की बुवाई अलग अलग खण्डों में एक ही दिन की जाती है। इसलिए कुल क्षेत्र के एक चौथाई भाग (1/4 भाग) को नर पौधों के लिए तथा तीन चौथाई (3/4) भाग को मादा पौधो के लिए चिन्हित कर लें। बीजों को बुवाई के 18-24घंटे पुर्व उपचारित अवश्य करें। उपचारित करने के लिए, 2 ग्राम थीराम या कैप्टान प्रति किग्रा बीज के हिसाब से कुल बीज की मात्रा के बराबर पानी में घोल बनाकर,नर व मादा बीजों को चिन्हित करके भिगोदें। बुवाई से पूर्व बीजों को छाया में फैलाकर सुखा दें।

परागण प्रबंधन :

हस्थ परागण, प्राकृतिक परागण से अधिक अच्छा होता है। मादा पैतृक में स्वनिषेचन को रोकने के लिए, पुष्पन से पहले ही नर कलिकाओं को मादा पैतृक पौधों से तोडकर नष्ट किया जाता है। पुष्पन होने से पहले मादा व नर पुष्पों को सफेद रंग के बटर पेपर से ढक दिया जाता है। उष्मीय प्रभाव कम करने के लिए बटर पेपर में 5-6 छोटे छोटे छेद बनाये जाते हैं। मादा पैतृक के पौधों से नर कलियां तोडने की प्रक्रिया 40-45 दिनों तक की जाती है तथा साथ साथ नर पैतृक पौधों से अल्प विकसित फलों को तोडते रहते हैं। इससे अधिक संख्या में नर फूल मिलते है।

परागण कार्य प्रतिदिन 1-3 बजे अपराह्न किया जाता है तथा 3 से 5 फल प्रति पौधा सुनिश्चित करने के लिए 40-45 दिनों की परागण अवधि पर्याप्त रहती है। फलों तथा बीजों के विकास को सुगम बनाने के लिए परागित पुष्पों के अतिरिक्त अन्य बनने वाले पुष्पों को निकाल देना चाहिए ताकि परागित फलों का विकास भली प्रकार हो सकें।

रोगिंग :

नर और मादा खण्डों से अवांछित पौधों को चार बार निरीक्षण करके निकालना चाहिए। एक बार पुष्पन से पूर्व, दो बार पुष्पन व फल बनने की अवस्था में तथा अंतिम बार फलों के पकने या तुडाई के पूर्व जातीय लक्षणों के आधार पर निकालें। अवांछनीय पौधों, विषाणु सुग्राही और रोग ग्रस्त पौधों को निकालकर नष्ट कर देना चाहिए। अवांछनीय पौधों की संख्या कभी भी 0.05त्न से अधिक नही होनी चाहिए। फलों को तोडने के बाद बीज निकालने से पहले अल्प विकसित फलों को भी हटा देना चाहिए।

फलों का पकाना, बीज निकालना तथा सुखाना :

फल सामान्यत : परागण के 60-65 दिन बाद तुडाई के योग्य हो जातें हैं। इस समय फल हरे रंग से भूसे के रंग के हो जाते हैं। फलों की तुडाई 2-3 बार में करना उत्तम रहता है। फलों के अधिक पक कर सूखने से बीज उपज पर बुरा प्रभाव पडता है। बीज निकालने से 7-10 दिन पहले फलों को छायादार सुरक्षित स्थान पर रखकर रचाना चाहिए। इसके बाद फलों को हथौडे अथवा डंडे से तोडकर हाथ से बीजों को गुदे से अलग करना चाहिए। लोकी का बीज मशीन द्वारा भी निकाला जा सकता है।

बीज उपज :

लौकी में हस्त परागण करने से प्रति पौधा 215.5 ग्राम बीज उपज प्राप्त हो सकती है तथा औसत बीज उपज 150 से 200 कि.ग्रा./एकड तक प्राप्त की जा सकती है। 1000 बीजों का भार 157 ग्राम होता है।

फायदेमंद है गर्मी में लौकी की खेती

लौकी अत्यंत स्वास्थ्यप्रद सब्जी है जिसकी खेती इस क्षेत्र में परवल की ही तरह प्रमुखता से की जा रही है। गर्मी में तो इसकी खेती विशेष रूप से फायदेमंद है। यही वजह है कि क्षेत्रीय किसान ग्रीष्मकालीन लौकी की खेती बड़े पैमाने पर किए हैं।

उन्नतशील किस्में

पूसा समर प्रोलिफिक राउंड : इसके फल गोलाकार हरे रंग के होते हैं। इसकी पैदावार 200 से 250 कुंतल प्रति हेक्टेयर होती है।

पूसा कोमल : यह अगेती किस्म है जो 70 दिनों में तोड़ने लायक हो जाती है। इसके फल लम्बे होते हैं, उत्पादन औसतन 500 कुंटल प्रति हेक्टेयर होता है।

पूसा नवीन : इसका फल 800 से 850 ग्राम तक होता है। उत्पादन इसका भी 275 से 300 कुंतल प्रति हेक्टेयर होता है।

भूमि की तैयारी : खेत की ठीक ढंग से दो या तीन जोताई देशी हल से करनी चाहिए।

खाद उर्वरक : अच्छी प्रकार सड़ी हुई गोबर की खाद के अलावा 50 किलो नाइट्रोजन, 40 किलो पोटास, 40 किलो फास्फोरस प्रति हेक्टेयर देना चाहिए।

बोआई का समय : इसकी बोआई जनवरी से मई तक करते हैं।

सिंचाई :

खेत की नमी के लिए गर्मी में हर सप्ताह सिंचाई जरूरी है।

रोग व रोकथाम :

चुर्णी फफूंद : लौकी की पत्तियों पर धुंधले आभायुक्त धब्बे दिखाई देना ही इसके प्रमुख लक्षण में शामिल है। इसकी रोकथाम के लिए कैल्शियम की 0.05 प्रतिशत अर्थात 1/2 मिली लीटर दवा एक लीटर पानी में घोलकर सात दिनों के अंदर छिड़काव करना चाहिए।

लालकीट :

यह प्रौढ़ कीट 5-8 मिली लम्बा होता है। कीट के ऊपर का हिस्सा नारंगी या लाल होता है। ये जनवरी से अप्रैल तक काफी सक्रिय होते हैं। मालाथियान चूर्ण पांच प्रतिशत या कार्बरिलय पांच प्रतिशत-25 किग्रा राख में मिलाकर सुबह में छिड़काव करना चाहिए।

प्लास्टिक लो टनल तकनीक से करें खेती

संरक्षित खेती का मुख्य उद्देश्य सब्जी फसलों को मुख्य जैविक या अजैविक कारकों से बचाकर उगाना होता है। इसमें फसल को किसी एक कारक या कई कारकों से बचाकर उगाया जा सकता है।

संरक्षित सब्जी उत्पादन के लिए सब्जी उत्पादकों को संरक्षित खेती व विभिन्न संरक्षित संरचनाओं की पूर्ण जानकारी होना बहुत आवश्यक है। उसके बाद ही उत्पादक तय कर सकता है कि वह किस प्रकार की संरक्षित तकनीक अपनाकर बेमौसमी सब्जियों का उत्पादन करे। कौन कौन सी संरक्षित प्रौद्योगिकीयॉ हैं जिनमे वह सब्जियों को वर्ष भर उगा सकता है। संरक्षित संरचनाओं को बनाने के बाद में रख रखाव में क्या व्यय होगा तथा उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों को वह किस बाजार में बेचकर अधिक लाभ कमा सकता है। इन सभी विषयों की जानकारी आवश्यक है।

मुख्यतः सब्जी उत्पादन हेतू उचित व उपयुक्त संरक्षित प्रौद्योगिकी की आवश्यकता उस क्षेत्र की जलवायु पर निर्भर करती है। लेकिन इसके अलावा किसान की आर्थिक दशा, टिकाऊ व उच्च बाजारकी उपलब्धता व बिजली की उपलब्ध्ता आदि कारक भी इसको निर्धारित करते है। सब्जीयों के बेमौसमी उत्पादन हेतू मुख्यतः वातावरण अनुकूलित ग्रीन हाउस, प्राकृतिक वायु संचारित ग्रीनहाउस, कम लागत वाले पॉली हाउस, वाक-इन-टनल, कीट अवरोधी नेट हाउस, तथा लो प्लास्टिक टनल आदि संरचनाओं का उपयोग किया जाता है।

बेमौसमी सब्जियों की संरक्षित खेती के लिए सबजियों की पौध प्लग ट्रे पद्धती से ग्रीनहाउस मे तैयार की जाती है। तथा उसके बाद पौधो को उपयुक्त संरक्षित संरचना में रोपाई करते है।

लो प्लास्टिक टनल तकनीक

लो प्लास्टिक टनल ऐसी संरक्षित संरचना है जिसे मुख्य खेत में फसल की रोपाई के बाद प्रत्येक फसल क्यारी के ऊपर कम ऊचाई पर प्लास्टिक की चादर ढक कर बनाया जाता है। यह फसल को कम तापमान से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए बनाई जाती है। यह तकनीक उत्तर भारत के उन मैदानो में सब्जियो की बेमौसमी खेती के लिए बहुत उपयोगी है जहॉ सर्दी के मौसम में रात का तापमान लगभग 40 से 60 दिनो तक 8 डीग्री सें.ग्रे.से नीचे रहता है।

इस तकनीक बेमौसमी सब्जियों उगाने के लिए सबजियों की पौध को प्लास्टिक प्लग ट्रे तकनीक से दिसम्बर व जनवरी माह में ही तैयार किया जाता है।

ऐसी संरचना बनाने के लिए सबसे पहले ड्रिप सिंचाई की सुविधा युक्त खेत में, जमीन से उठी हुई क्यारियॉ उत्तर से दक्षिण दिशा में बनाई जाती हैं। इसके बाद क्यारियों के मध्य में एक ड्रिप लाइन बिछा दें। क्यारी के उपर 2 मी.मी. मोटे जंगरोधी लोहे के तारो या पतले व्यास के पाईपों को मोडकर हुप्स या घेरे इस प्रकार बनाते हैं कि इसके दो सिरों की दूरी 50 से 60 सेमी तथा मध्य से उचॉई भी 50 से 60 सेमी रहे। तारों के बीच की दूरी 1.5 से 2 मीटर रखनी चाहिए। इसके बाद तैयार पौध को क्यारियों में रोपाई करते है तथा दोपहर बाद 20-30 माईक्रोन मोटाई तथा लगभग 2 मीटर चौडाई की, पारदर्शी प्लास्टिक की चादर से ढका जाता है। ढकने के बाद प्लास्टिक के लम्बाई वाले दोनो सिरों को मिट्टी से दबा दिया जाता है। इस प्रकार रोपित फसल पर प्लास्टिक की एक लघु सुरंग बन जाती है।

यदि रात को तापमान लगातार 5 डिग्री सें.ग्रे. से कम है तो 7 से 10 दिन तक प्लास्टिक में छेद करने की आवश्यकता नही है लेकिन उसके बाद प्लास्टिक मे पूर्व दिशा की ओर चोटी से नीचे की ओर छोटे छोटे छेद कर देते हैं। जैसे जैसे तापमान बढता है इन छेदों का आकार भी बढाया जाता है। पहले छेद 2.5 से 3 मीटर की दूरी पर बनाते है, बाद में इन्हे 1 मीटर की दूरी पर बना देते हैं। आवश्यकता अनुसार मौसम ठीक होने पर तापमान को ध्यान में रखते हुऐ , टनल की प्लास्टिक को फरवरी के अंत से मार्च के प्रथम सप्ताह में पूरी तरह से हटा दिया जाता है। इस समय तक फसल काफी बढ चुकी होती है तथा कुछ फसलों में तो फलस्थापन भी आरम्भ हो चुका होता है। इस तकनीक से बेल वाली समस्त सब्जियों को मौसम से पहले या पूर्णतः बेमौसम में उगाना संभव है। विभिन्न बेल वाली सब्जियों में इस तकनीक से संभावित फसल अगेतापन इस प्रकार है

चप्पन कद्दू - 40 से 60 दिन
लौकी- 30 से 40 दिन
करेला- 30 से 40 दिन
खीरा- 30 से 40 दिन
खरबूजा- 30 से 40 दिन

यह तकनीक उत्तर भारत के समस्त मैदानों तथा खासकर बडे शहरों के आसपास सब्जी की खेती करने वाले किसानो के लिए बहुत लाभदायक है। इस तकनीक को अपनाने से पूर्व किसानो को इन बेल वाली सब्जीयों की पौध का भी संरक्षित क्षेत्र मे ही तैयार करना होगा। यह तकनीक उत्तर भारत के पहाडी क्षेत्रों के लिए भी लाभदायक इस प्रकार किसान प्लास्टिक लो टनल तकनीक से अगेती या बेमौसमी फसल उगाकर अधिक लाभ कमा सकते हैं क्योकि अगेती व बेमौसमी फसलो का बाजार भाव अधिक रहता है।

2028 ओलंपिक में भाग लेगी भारतीय क्रिकेट टीम, टी20 विश्व कप को लेकर भी हुआ बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। टीम इंडिया पहली बार 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में भाग लेगी।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) की शीर्ष परिषद की शुक्रवार को हुई बैठक में यह बड़ा फैसला लिया गया। इससे पहले भारत ने आइसीसी के टूर्नामेंट के अलावा 1998 में क्वालालंपुर में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में अजय जडेजा की कप्तानी में भाग लिया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) खेल के सबसे छोटे प्रारूप को ओलंपिक में शामिल करने का प्रयास कर रहा था, लेकिन बीसीसीआइ इसके लिए तैयार नहीं था। हालांकि, अब भारत ने सहमति जता दी है। यह पहली बार होगा जब क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किया जाएगा। हालांकि, बीसीसीआइ ने साफ कहा है कि वह ओलंपिक में अपनी टीम तभी भेजेगा जब उसे इस बात की लिखित गारंटी दी जाएगी कि उसे अपनी स्वायत्तता नहीं छोड़नी पड़ेगी।

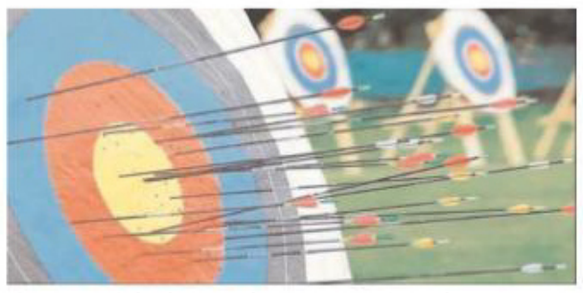

मालूम हो कि अभी ओलंपिक में भाग लेने वाली टीमें राष्ट्रीय खेल संघ (एनएसएफ) के तहत आती हैं और सभी भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) की छतरी के तहत काम करती हैं। बीसीसीआइ नहीं चाहता कि उसे आइओए और भारत सरकार के अधीन काम करना पड़े। बीसीसीआइ की बैठक में इसके अलावा भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद को भी मान्यता प्रदान करने पर सहमति बन गई है। यही नहीं इस साल भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप को लेकर भी काफी चर्चा की गई। बैठक में तय हुआ कि नौ शहरों दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, धर्मशाला, चेन्नई, बेंगलुरु, लखनऊ, अहमदाबाद और कोलकाता में टी20 वर्ल्ड कप के मैच कराए जाएंगे। आइसीसी कोरोना के कारण सिर्फ सात शहरों में ही मैच आयोजित करने के पक्ष में है। इसके अलावा टी-20 विश्व कप के कर और वीजा मामलों पर भी चर्चा हुई।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए आई खुशखबरी, कोरोना का मात देकर टीम में शामिल हुआ ये खिलाड़ी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले दो मुकाबले खेलने के बाद साउथ अफ्रीकाई तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया मुंबई में दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़ने वाले थे, लेकिन उनको क्वारंटाइन के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया। ये दिल्ली कैपिटल्स टीम के लिए बड़ा झटका था, क्योंकि नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर पहले से ही टूर्नामेंट से बाहर थे, जबकि अक्षर पटेल भी कोरोना वायरस टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए था। हालांकि, अब दिल्ली की टीम के लिए एनरिक नॉर्खिया के रूप में बड़ी खुशखबरी सामने आई है।

तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया कोविड-19 टेस्ट में नेगेटिव पाए जाने के बाद क्वारंटाइन से बाहर हो गए हैं। इसके साथ-साथ 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के अगले मैच के लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ वे चयन के उपलब्ध होंगे। उनको मैच के लिए मेडिकल टीम ने फिट घोषित कर दिया है। आइपीएल इतिहास की सबसे तेज गेंद फेंकने वाले गेंदबाज ने शुक्रवार को आइपीएल के 14वें सीजन के लिए नेट्स में गेंदबाजी की। एनरिक नॉर्खिया 6 अप्रैल को मुंबई पहुंचे थे, जहां दिल्ली कैपिटल्स को अपने शुरुआती मैच खेलने हैं। उनका क्वारंटाइन बढ़ा दिया गया था, क्योंकि उनकी एक कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई थी, जो कि झूठी निकली। उनके क्वारंटाइन की अवधि 13 अप्रैल को समाप्त होने वाली थी, लेकिन पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद उनको आइसोलेशन में रखा गया था। बाद में जब लगातार उनके कुछ कोविड 19 टेस्ट हुए तो उनको नेगेटिव पाया गया।

बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले टी नटराजन के साथ BCCI ने क्यों नहीं किया सालाना करार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 15 अप्रैल को अनुबंधित क्रिकेटरों की अपनी वार्षिक सूची की घोषणा की। सभी बड़े नाम सूची में शामिल हैं, लेकिन एक नाम ऐसा था जो सूची में नहीं था। इसी से हर कोई हैरान है। बीसीसीआइ से सालाना अनुबंध पाने वालों की सूची में तेज गेंदबाज टी नटराजन का नाम नहीं है। टी नटराजन ने भारत के लिए हाल ही में तीनों प्रारूपों में पदार्पण किया है, लेकिन उनका नाम सालाना अनुबंध की सूची में नहीं है।

इसके बारे में आपका जानना जरूरी है कि क्यों टी नटराजन के साथ बीसीसीआइ ने करार नहीं किया है। दरअसल, बीसीसीआइ के केंद्रीय अनुबंध का हिस्सा होने के लिए बोर्ड ने कुछ मानदंड बनाए हैं, जिन पर टी नटराजन खरे नहीं उतरते हैं। इसी वजह से इस लिस्ट का हिस्सा नहीं हैं। बीसीसीआइ ने अक्टूबर 2020 से सितंबर 2021 तक के लिए ये केंद्रीय अनुबंध तैयार किया है, जिसमें एक खिलाड़ी को एक सत्र में न्यूनतम तीन टेस्ट या आठ वनडे या फिर 10 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने जरूरी होते हैं। वहीं, टी नटराजन तीनों फॉर्मेट में खेल चुके हैं, लेकिन एक भी फॉर्मेट में उन्होंने इन मानदंडों को नहीं पार किया है। ऐसे में उनको बीसीसीआइ ने सालाना अनुबंध से बाहर रखा है। निरंतर आधार पर तीनों प्रारूप खेलने वाले खिलाड़ियों को बीसीसीआई ने ए प्लस ग्रेड में रखा है। हर साल बीसीसीआइ विभिन्न श्रेणियों में खिलाड़ियों के लिए अपने वार्षिक अनुबंधों की घोषणा करती है, जिसमें + ग्रेड के खिलाड़ियों को प्रति वर्ष 7 करोड़ और ग्रेड के खिलाड़ियों को रिटेनरशिप के रूप में 5 करोड़ रुपये मिलते हैं। ग्रेड बी को 3 करोड़ और अंतिम श्रेणी ग्रेड सी में शामिल खिलाड़ियों को 1-1 करोड़ रुपये की रकम मिलते हैं। ये अनुबंध बीसीसीआइ अध्यक्ष, सचिव और चयन समिति के अध्यक्ष द्वारा तय किए जाते हैं।

विश्व कप में जाने से रोकी भारतीय तीरंदाजी टीम, कोच निकला कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली। डेढ़ साल बाद अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलने जा रहे कंपाउंड तीरंदाजों को कोच के ऐन मौके पर संक्रमित निकलने के चलते विश्व कप जाने से रोक दिया गया। रात कंपाउंड तीरंदाजों को रोकने की वजह ओलंपिक का टिकट हासिल कर चुके रीकर्व तीरंदाजों को बिना संकट के विश्व कप के लिए भेजना रही। टीम को शनिवार तड़के ग्वाटेमाला रवाना होना है, लेकिन अब कंपाउंड नहीं रीकर्व तीरंदाज खेलने जाएंगे।

फंसने के डर से रोकी कंपाउंड टीमः तीरंदाज अंतिम बार नवंबर 2019 में हुई एशियाई चैंपियनशिप में खेले थे, यहां

दीपिका कुमारी ने ओलंपिक कोटा हासिल किया था। विश्व कप के लिए रीकर्व में ओलंपिक क्वालिफाई कर चुकी पुरुष टीम अतानु दास, प्रवीण जाधव, तरुणदीप रॉय के अलावा धीरज को जबकि महिला टीम में दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, कोमालिका बारी और मधु वेदवान को चुना गया। ये सभी पुणे से सुबह दिल्ली पहुंचे।वहीं सोनीपत में तैयारियां कर रही कंपाउंड टीम में एशियन गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट अभिषेक वर्मा, रजत चौहान, अमन सैनी, संगम बिसला और महिला टीम में ज्योति सुरेखा, प्रगति, सांची डल्ला, अक्षिता शामिल हैं। कंपाउंड टीम को सोनीपत में कोचिंग दे रहे एक कोच शाम को कोरोना संक्रमित पाए गए। इसके बाद तीरंदाजी संघ और साई में हड़कंप मचा।

ओलंपिक खेलने वाली रीकर्व टीम भी कंपाउंड तीरंदाजों के साथ जा रही थी। ऐसे में संघ ने फैसला लिया कि टीम को तीन देशों से होकर जाना। एयरपोर्ट पर कोई भी तीरंदाज संक्रमित निकला तो पूरी टीम फंसेगी। कोच कंपाउंड तीरंदाजों के संपर्क में रहे हैं। ऐसे में संघ, साई ने कंपाउंड टीम अंतिम क्षणों में ग्वाटेमाला जाने से रोक दी।

ब्रेन हेमरेज को मात देने वाले प्रगति भी नहीं जाएंगी

महिला टीम में प्रगति, सांची और अक्षिता तीन सदस्य ऐसे थे जिन्हें पहली बार विश्व कप टीम में जगह बनाई। यह वही प्रगति हैं जिन्हें बीते वर्ष भरे लॉकडाउन में ब्रेन हेमरेज हुआ था। जिंदगी और मौत के बीच जूझते हुए उन्होंने इस बीमारी को मात दे फरवरी माह में ट्रायल में हिस्सा ले टीम में जगह बनाई। टीम के कोच मीम बहादुर गुरुंग का कहना है कि ओलंपिक से पहले तीरंदाजों का कंपटीशन खेलना जरूरी है। हालांकि ग्वाटेमाला में कोरोना के चलते ज्यादा देश नहीं आ रहे हैं। फिर भी तीरंदाजों ने लंबे समय से कंपटीशन नहीं खेलने के चलते इस विश्व कप में खेलने का जोखिम लिया है।

एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप

विनेश और अंशु का विजयी दांव, पहली बार जीता गोल्ड

अलमाटी। टोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल कर चुकी भारतीय स्टार पहलवान विनेश फोगाट (53 किग्रा) ने एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप का अपना पहला गोल्ड मेडल जीत लिया है। उन्होंने खिताबी मुकाबले में चीनी ताइपे की मेंग सुआन सीह को हराया। इस टूर्नामेंट में यह विनेश का पहला गोल्ड मेडल है, इससे पहले उन्होंने इस चैम्पियनशिप में अब तक सात पदक हासिल किए थे जिसमें तीन रजत पदक शामिल थे।

बात करें विनेश की तो भारत की शीर्ष महिला पहलवान को चीन और जापान के प्रतिद्वंद्वियों की अनुपस्थिति में आगे बढ़ने में कोई परेशानी नहीं हुई और वह प्रतियोगिता में बिना अंक गंवाए फाइनल में पहुंच गईं। विनेश ने मंगोलिया की ओटगोंजरगल गनबातर और ताइपे की मेंग

सुआन सिह के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की, जबकि सेमीफाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी की ह्युनयॉन्ग ओह चोट के कारण रिंग में नहीं उतरी। वहीं अन्य मुकाबले में 19 वर्षीय प्रतिभाशाली पहलवान अंशु ने अपनी लय जारी रखते हुए फाइनल में मंगोलियाई खिलाड़ी बत्सेत्सेग अल्टांसेटसेग को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अंशु ने पिछले दिनों इसी स्थल पर ओलंपिक कोटा भी हासिल किया था।

अंशु ने फाइनल में पहुंचने से पहले शुरूआती दो बाउट में उज्बेकिस्तान की सेवारा इश्मुरतोवा और किर्गिस्तान की नाजिरा मार्सबेक कयजी को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर पटखनी दी थी।

इसके बाद वह सेमीफाइनल में मंगोलिया की बत्सेत्सेग अल्टांसेटसेग से वह 9-1 से आगे चल रही थीं जब रेफरी ने इस भारतीय खिलाड़ी को 'विक्ट्री बाय कौशन (प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के जरूरत से ज्यादा आक्रामक रूख के कारण जीत)' के कारण जीत प्रदान की। इससे पहले इस मंगोलियाई खिलाड़ी को तीन बार चेतावनी दी गई थी।

IPL में 2 मैच हारने वाली हैदराबाद को राहतः केन विलियम्सन इस हफ्ते फिट हो सकते हैं

नई दिल्ली। आईपीएल के 14वें सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद टीम अपने शुरुआती दोनों मुकाबले हार चुकी है। टीम के की-प्लेयर न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन अब तक फिट नहीं थे।

ऐसे में टीम के लिए राहत की बात है कि विलियम्सन इस हफ्ते फिट हो सकते हैं। यह बात कीवी प्लेयर ने खुद सोशल मीडिया के जरिए बताई है। वहीं, दूसरी खबर IPL 2021 से बाहर हो चुके बेन स्टोक्स की है।

सोमवार को लीड्स में स्टोक्स की ऊंगली की सर्जरी होगी। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले इस ऑलराउंडर को पहले ही मैच में चोट लगी थी। पंजाब किंग्स टीम के क्रिस गेल का कैच लेने के चक्कर में उनकी ऊंगली फ्रैक्चर हो गई थी। अब सर्जरी के बाद वे करीब 12 हफ्ते तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। यह बात शुक्रवार को इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (श्वष्टक्च) ने बताई।

विलियम्सन की प्रोग्रेस रिपोर्ट काफी अच्छी है

विलियम्सन ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि मुझे उम्मीद है कि मैं इस हफ्ते में पूरी तरह फिट हो जाऊंगा। मैं अभी धीरे-धीरे प्रैक्टिस और रिहेब के बीच बैलेंस बनाना कर फिट होने की कोशिश कर रहा हूं। प्रोग्रेस रिपोर्ट काफी अच्छी है। उम्मीद है कि इस हफ्ते रिपोर्ट पूरी तरह संतोषजनक आ सकती है। 30 साल को विलियम्सन बाएं हाथ में एल्बो की शिकायत थी। इस कारण वे मार्च में बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज से भी बाहर हो गए थे। विलियम्सन ने पिछले सीजन में हैदराबाद टीम के लिए 11 पारी में 317 रन बनाए थे।

हाशिमोतो ने दिया आश्वासन, रद्द नहीं होगा ओलंपिक, तय कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजन

टोक्यो। टोक्यो ओलंपिक की आयोजन समिति की प्रमुख सेइको हाशिमोतो ने दुनिया को आश्वासन दिया कि एक बार स्थगित हो चुके ओलंपिक खेल तीन महीने से कुछ अधिक समय बाद शुरू होंगे। हाशिमोतो ने कहा कि जापान में कोविड-19 मामलों में इजाफे के बावजूद इन्हें रद्द नहीं किया जाएगा। हाशिमोतो से प्रेस कॉफ्रेंस के दौरान पूछा गया था कि क्या ऐसे हालात हैं जिनमें ओलंपिक को रद्द किया जा सकता है।

हाशिमोतो ने कहा, टकई चिंताएं हैं लेकिन टोक्यो 2020 आयोजन समिति खेलों को रद्द करने के बारे में नहीं सोच रही। एलडीपी में दूसरे नंबर के व्यक्ति निकाई से गुरुवार को साक्षात्कार के दौरान जब पूछा गया था कि खेलों को रद्द करना अब भी विकल्प है तो उन्होंने कहा था, बेशक। अगर टोक्यो ओलंपिक से संक्रमण के मामलों में इजाफा होता है तो ओलंपिक के आयोजन का कोई मतलब नहीं है।

निकाई ने बाद में अपनी बात से पीछे हटने का प्रयास किया और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने कहा कि सुरक्षित ओलंपिक के आयोजन के लिए हरसंभव प्र्यास करने की सरकार की स्थिति में कोई बदलाव नहीं है।

टोक्यो ओलंपिकः खेल गांव में स्पर्धा से पांच दिन पहले मिलेगा प्रवेश, 48 घंटे में होगा छोड़ना

नई दिल्ली। ओलंपिक खेल गांव में प्रवेश के नए नियमों ने भारतीय दल की टोक्यो में तैयारियों की रूपरेखा बदलने के साथ यात्रा खर्च भी बढ़ा दिया है। नए नियमों के तहत अब खेल गांव में किसी भी खिलाड़ी को उसके कंपटीशन से पांच दिन पहले प्रवेश मिलेगा जबकि उसे कंपटीशन खत्म होने के 48 घंटे बाद खेल गांव को छोडना होगा। भारतीय ओलंपिक संघ ने सभी राष्ट्रीय खेल संघों से टोक्यो जाने वाले अपने खिलाडियों का यात्रा कार्यक्रम इसी अनुसार तैयार करने को कहा है। पहले के ओलंपिक में खिलाड़ी 10 से 15 दिन पहले खेल गांव में प्रवेश कर जाते थे। इस दौरान खिलाड़ी आराम से आयोजन स्थल पर जाकर तैयारियां कर सकते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। यही नहीं नए नियम से कंपटीशन खत्म होने के बाद खिलाडियों और ऑफिशियल्स के सैर सपाटे पर भी रोक लगने जा रही है। पहले ओलंपिक खेल चुके टोक्यो जा रहे एक शूटर का कहना है कि यह काफी चुनौतीपूर्ण होगा। विलेज में पांच दिन पहले प्रवेश का मतलब यह होगा कि उन्हें टोक्यो की रेंज में एक आधिकारिक प्रैक्टिस और कंपटीशन से पहले की प्रैक्टिस मिलेगी और सीधे कंपटीशन में उतरना पड़ेगा। यह काफी चुनौतीपूर्ण होगा। नए नियमों से टोक्यो की यात्रा और होटल का खर्च भी बढने वाला है। पहले एक साथ कई खिलाड़ियों को ओलंपिक में भेज दिया जाता था और एक साथ ही वापस भारत भेजा जाता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होने जा रहा है। इस बार आईओए को खिलाड़ियों को खेल गांव में प्रवेश कराने से पहले किसी होटल में रुकाना होगा या फिर उनको एक साथ नहीं लाकर अलग-अलग भारत से लाना होगा। दोनों ही स्थितियों अतिरिक्त खर्च बढने वाला है। आईओए साई और खेल संघों के साथ मिलकर इस पर चर्चा कर रही है। कई खेल संघ टोक्यो में ही रुककर तैयारियों की योजना बना रहे हैं।

पाकिस्तान की टीम 5 साल बाद भारत आएगी:टी-20 वर्ल्ड कप के लिए पाक खिलाड़ियों को वीजा देने का फैसला

नई दिल्ली। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम को इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले ICC वर्ल्ड टी-20 के लिए भारत आने में कोई परेशानी नहीं होगी। भारत सरकार पाकिस्तानी खिलाड़ियों और मीडिया को वीजा देने के लिए तैयार हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हुई वर्चुअल मीटिंग के जरिए एपेक्स काउंसिल को इसकी सूचना दी है। माना जा रहा है कि बोर्ड सचिव जय शाह ने खुद एपेक्स काउंसिल को इसकी सूचना दी है।

फैंस को वीजा देने प अभी फैसला नहीं : बोर्ड के मुताबिक, सरकार से पाकिस्तानी खिलाड़ियों के वीजा की अनुमति मिल गई है। हालांकि, फैंस को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। संबंधित मंत्रालय इस बारे में जल्द ही फैसला लेगा। वर्चुअल बैठक में शामिल एक BCCI पदाधिकारी ने बताया कि टी-20 वर्ल्ड कप ICC इवेंट है। इसे देखते हुए ही सरकार ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों और मीडिया के लिए वीजा को मंजूरी दे दी है। इससे पहले, PCB के अध्यक्ष एहसान मनी ने अल्टीमेटम दिया था कि BCCI को 31 मार्च तक पाकिस्तानी टीम के लिए वीजा की मंजूरी को लेकर अपना रुख साफ करना चाहिए। इसके एक दिन बाद, यानी एक अप्रैल को ICC ने बोर्ड मीटिंग में इस बात की पुष्टि की थी कि ये विवाद एक महीने के भीतर ही सुलझा लिया जाएगा।

टी20 विश्व कप के लिए 9 वेन्यू तय हुए: BCCI ने वर्ल्ड कप के लिए 9 वैन्यू तय किए हैं। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके अलावा दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, धर्मशाला, कोलकाता और लखनऊ स्टेडियम भी शामिल हैं। 2016 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने कोलकाता में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया था। 2016 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने कोलकाता में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया था। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम आखिरी बार 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने भारत आई थी। 25 मार्च 2016 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में खेला गया मैच पाकिस्तान का भारतीय जमीन पर आखिरी मुकाबला था। उस टूर्नामेंट के तहत पाकिस्तान ने भारत में 4 मैच खेले थे। भारत के खिलाफ भारत में द्विपक्षीय सीरीज खेलने पाकिस्तानी टीम आखिरी बार 2012-13 में आई थी। तब पाकिस्तान ने 3 वनडे मैचों की सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की थी।

धोनी के 200वें मैच में सीएसके की जीतः चेन्नई पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंची, पंजाब किंग्स को पिछले 10 मैच में 8वीं बार शिकस्त दी

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2021 सीजन में अपना पहला मैच जीत लिया है। अपने दूसरे मुकाबले में चेन्नई ने पंजाब किंग्स को 7 विकेट से हराया। CSK की पंजाब के खिलाफ पिछले 10 मैच में यह 8वीं जीत है। चेन्नई टीम 2 में से एक मैच जीतकर पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। मैच में 13 रन देकर 4 विकेट लेने वाले दीपक चाहर को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पंजाब किंग्स ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 107 रन का टारगेट दिया। जवाब में चेन्नई ने 15.4 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 107 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। मोइन अली ने 31 बॉल पर सबसे ज्यादा 46 रन की पारी खेली। उनके अलावा फाफ डु प्लेसिस ने 33 बॉल पर 36 रन बनाए।

धोनी ने चेन्नई के लिए 200वां IPL मैच खेला

धोनी ने चेन्नई टीम के लिए IPL में 200वां मैच खेला। बतौर कप्तान टूर्नामेंट में यह उनका 190वां मैच रहा। इसमें उन्होंने 111 मैच जीते, जबकि 79 में हार मिली। बतौर कप्तान धोनी का जीत का सक्सेस रेट 58.73त्न का रहा है।

पंजाब के खिलाफ ष्टस्य की लगातार तीसरी जीत

चेन्नई की टीम पंजाब के खिलाफ यह लगातार तीसरा जीत है। पिछले सीजन के दोनों मैच में CSK ने पंजाब को शिकस्त दी थी। इस सीजन में चेन्नई

फाफ डुप्लेसिस		मोइन अली
36*	रन	46
33	बॉल	31
3	चौके	7
1	छक्का	1

की दूसरे मैच में यह पहली जीत है। अपने पहले मैच में दिल्ली के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। वहीं, पंजाब की सीजन में यह पहली हार है। उसने राजस्थान के खिलाफ अपना पहला मैच 4 रन से जीता था।

पंजाब के खिलाफ चेन्नई की धमाकेदार जीत, सहवाग ने ट्वीट कर कहा- They are back

नई दिल्ली। आइपीएल 2021 के दौरान टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के ट्वीट्स खूब वायरल हो रहे हैं। वह लगभग हर मैच के बाद के ट्वीट करते हैं और लोग उसे काफी पंसद कर रहे हैं। पहला मैच हारने के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में शुक्रवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने दूसरे मुकाबले में शानदार जीत हासिल की। इस मैच के बाद भी वीरू ने ट्वीट किया।

बता दें कि सीएसके के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने चार ओवर में एक मेडन रखते हुए 13 रन देकर चार विकेट लिए और पंजाब की टीम को 20 ओवर में आठ विकेट पर 106 रन ही बना सकी। फिर सीएसके ने 15.4 ओवर में चार विकेट पर 107 रन बनाकर छह विकेट से मैच जीतते हुए टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। इसके बाद सहवाग ने ट्वीट किया। उन्होंने मोइन अली को फोटो शेयर किया और लिखा रोमबा नल्ला विक्ट्री (शानदार जीत)। उन्होंने वापसी कर ली है। पंजाब के लिए छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए शाहरुख खान ने 47 रन बनाकर पंजाब को 100 रन के पार पहुंचाया। सीएसके ने फाफ डुप्लेसिस (नाबाद 36) और मोइन अली (46) की पारियों की बदौलत आसानी से जीत हासिल कर ली। सीएसके ने जब मुंबई में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इस सत्र का पहला मैच खेला था तो उसे सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था और चाहर चार ओवर में 36 रन लुटाकर खासे महंगे साबित हुए थे।